

२ ना विधन ॥ के ॥ ॐ नमः शिवाय नभावा शाश्वताय ॥ नमः सिद्धिं नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥
कत्व गद्य वचन ॥ ०६६ लत थद धन पर व र म य ल न व स व म ह के ॥ के का किका किका किका गो इ र रा

आशा भक्तवत्सल

462

ASMA ARCHIVES

[illegible]

वपुःपुनःगयाद्वनमदुःखसर्वंश्वकर्षंज्ञायथवमर्जोनायायव्यायनश्रुथसंजलयश्रुतिभारिरुयमनवधनिहि
दोषिदुल्लयमनवममालकाश्रुनपाखयाचकमनवजाथयकेकेखनकमनवादववाकननिधुयाय
मनवरुसर्वज्ञायदीर्घसुखज्ञानियजदगामश्वस्यंकायमनवगुनविजालमयास्यंकायमनवहिंसवृहियायमनव
चंदलचिरुमनवकार्जयायसधमचिकलयपूगुनधयाकार्जयाययुक्त्वंयकागमनववदयाधनयाश्रीयाश्रुत
आयुनानादियाधनयाकनसरुलरुवला॥ ॥रुविहिजडावा॥ ॥श्रुतिरुगुरुलावदादरुलुकरुलाधनलति
पूगुरुलादाजागालवृहिरुलंगुर्न॥वैश्यायठवावा॥श्रुतमऊयवनजालयायायालीयावमुद्रयादिलाक
नमकालकावजाजानधमकाकावकायमालधवदगयावमुविद्यावपजदगयावमुकायकलकायमालदगयाश्व
रायायनवृद्धरुनयावचननयायदधुयाययुक्नयगमदवियसुखयकावत्रहयारुमीयाश्रुययापाजिधवकेन

यमाल मलधनरुचम अमुसमुविद्याधमसेनमाल अग्निराहयन पूरुलिदयकेमाल अल खल कान धूध प्रव वुल्य
 शालय लकलपमाल धनरुचम दवाव युविमि अरुषमान रुया वधार्न ॥ शाना नद कुलपोलस्य आदग विया रिद स्व
 जनमलमादा लमानकला धनधर्मनाजानयायमालरुववधवर्क ॥ १० निग्रीसलवधनि युविमि अना नदस वादव
 पुधसर्गशा ४ ॥ निग्रीपायउवावा ॥ शानमभजय निर्णकर्मधूनकाव सरास वादाव युविमि अर्ण समर्ण पूजायाद
 व युविमि अर्ण राधका कुलपाव पिनाययान शाना नद कुलपोलस्य सुष्ठिया दाधय संमवा दामदू धननकु
 लपोलसर्के जनक न धमनिमयसराधि गनीदवला धर्क धयासिर्न रिददवला कादूर्न ॥ ना नदउवाच ॥ श
 युविमि अर्ण धमनिमयसरा रिद सफदीयसंमदू जनक नमन्या द ददामदू खयां मदू श वाअन्द ॥ कुनशूरुका
 लकुनायायमनवधार्धिद सरा गनीमदू जमया वनूनया कुव नया १० नु या वक्ताया मलादवया सरा धरुगुलिस्

हायार्वंदनयलसाददधनदंदावयधिरुत्रवयदंदावयाधार्धवमनीयमधूपकाननानाविधिनयजायाका
वदागुलिसरायार्वकंदनधकंधालंसरासयाकवविस्मानदगयानाम॥ **॥ नानदउवाव॥** शयुधिरुलसरा
दकंयार्वकंदद॥ **॥ नित्यासरायवनिर्वचमसर्मा॥ १॥** नानदउवाव॥ शत्राजनं नुसरासदिननादि
सयमद्विगुविचिगुननकं नुस्यथमयललपाधसरायानामसधर्मसरादीद्युआजनसगकि१०० याआज
न१०धसरासधालंकाचकमजिवउवजाजनकाशधिवधयशयमरुसकलहंमंदनीजागकाधंमदूसूरकमउ
रुमगृहउरुमश्रासनदववृककलयवृकचिकामनिवृकधसरां नुसरासविनसहितयाकाववाकसमरु
दागिसनअलंकालनगियाववाकसमरुलकावकउनयंयासवायुगृहसगलकमिशिकाधधायससाधगनमिद्वः
गनदवनागनदवमधिकपिलादिअनकमधिसयविसनअग्निभाधविश्वदवगध्वरुदगनमनुयकयादकीः
नागुरुगनआदिसादिअरुयामनुस्वाहाकावअप्सनानुयवायादिसमरुविमान्वालिस्मरुसंपद्ममालानउ

मलर्प्यादश्च सहायानामथोक्तजमात्रीनीधर्कनामशर्ल ॥ ॥ निध्यासहायवर्तनि ॥ सहायवर्तननामसमस
 म्मा ॥ ॥ नानकउवाच ॥ एवात्रात्र ॥ क्रमयासहायार्थकनदद्विष्यकम्मात्रवल्लयासहादुर्ज्ञानसगच्छि १०० या
 आऊनसगच्छि १०० दीयसहा सूर्यपकासुगुल्य ॥ कागमीसश्रुतिगीगलउष्मवाकुधा ॥ सामदूजाजायाभाके
 मदू प्रीयकर्मसमसुसं हृषुपुषु निनागसन्धदववुल्य ॥ रुक्षसहादि अनेकपूयर्गन्धमालासमसं पूषमालाथ
 मययाययाह्वनगीगलउल्लकठकर्म अनेकनदिदवमपि अनेकवाक्रमसपिजाऊमपि अनेकऊयागीहजगने
 दूखादिभ्रमवर्गजाऊसूर्यवसुजाऊअनेकमल्लयदगयाजाऊ १०० उनीदसयाजाऊ १०० हयदगयाजाऊ १०० धृगजा
 ऊ १०१ जनमऊय ८१ वृक्षदह १०० धीवन १०० रिष्मकजाऊ २०० रिमजाऊ १०० पीतिविंधा १०० नागकनदसयाजाऊ १
 १०० पत्रिगत्रि १०० कास १०० कूज १०० गान्धूपाहूजाऊसुगविन्दूजाऊ ३००० अनेकयहूदानपूषाअनादिदकावय
 मपूत्रिसचार्न ॥ अस्मादिमपियल्लि काजमल्लयऊगविंशगाऊनयहूयाऊहूऊनसामपापिल्लगन ॥ श्रीकृपास्वध

वं क कालचक्रागनकगुणप्रियताप्रिया॥ दक्षिणायनसमस्त्यरुकोलाकदूस्तकर्मनीधर्गदकीनद्वानन
 दूरावानीव॥ उरुजायनसमस्त्यरुवर्कउरुवद्वाननदूरावनीव॥ अर्द्धसुगकात्रुनीदिमूर्हियंतयादधानिवनीन
 प्ररुति॥ विश्वकर्मात्रुनककालनययादवध्वसरादयकासंखवादिनपीआंगसिगीर्थसवीदानयूया
 दियाकाध्वसरासचानीवद्वारिगनअलंकालननियावदीयमाल्यनरुमजयावगीनवाद्यादिददावप्रत्यर्हम्
 नमालासमस्त्यरुलक्ष्मीधालजाजाया॥ ॥ गिरीसुतपर्वनिजमसुखवर्धननामसकभाधाय॥ ॥ नानदउ
 वाचाहायुषिस्त्रिनवभूतयासुहायाखीकानंददशीनप्रलसुजमसुदवजोग्यसहादूयाजनसगकि१०० आओ
 जनसगकि१०० सुनिकपलाखानमनिमयगालनऊलमध्वसराविश्वकर्मानचलयादियावृक्षनानावृक्षसक
 पूष्यरुलनानासूगन्धननानापकीससदऊलचलयकीऊलऊनुलऊनुअऊलअमलसमस्त्यरुवभूतयासहा

अमलमाद्वादश आदित्य नक्षत्रवर्षाद वासुकी प्रहरी नागनक्षत्रवर्षाद देवदानवसमर्प क्षीर्गन्धः
अर्लकालनक्षत्रवर्षाद वलिसुननकासुनसंक्रयसुनवीलदकां वसुतासुगलङ्गगकाजिन्दी नर्मदागन्ध
द्विपासावतु रागागनक्षत्रीसिद्धिगदावनि कावली कृष्टिलवर्मन्वनी अर्धपूर्वधन आदिन अर्नकनदिनदम्भी
मूर्धियादथाद मिथुनदयनंयुक्तनीनगलाव आदिन वाययादथाद गरुड २२ अक्षराजल्युक्तपर्वतसम
र्पमूर्धिवनयादथाद वालिखीत्यादि८८००० सुनासमकी देवयुक्तनक्षत्रमन्त्री ॥ वृद्धगनीनधाजीव नूनसखा ॥
अग्निग्रीसुखयवनिव नूनसुखवर्द्धनं नाम अक्षमा आयशा ८ ॥ जावदठवावा ॥ कूर्चहायुधिलिज कूर्चगयासुख
यास्वर्कनदद दुर्जाजनसगतादि १०० आओजन १० गोपवर्धकूर्चजनगयादावधसुखधमदयकावचलसुख
स्यनूवगुल्यगुञ्जकगननवृष्टि कृषिवधसुखसुवर्धननवधलयावगया वृद्धदकां दव दिव्यगन्धर्वेशवनीस

लविगुवसुस्त्रीसहस्रनयनीवृगयाकावनानाश्रुलकालनगियावश्रुमनऊंनकि। सोगन्धियासुजनीयद्वग
 न्वयुस्त्रजनीसहस्र१०००सहस्रश्रुनकायूनीमामउनयचासवायूमनिकाश्रुयुलोथप्ररुगिसहसावन्धिग
 नवाद्यानृयादिजागीसनदीवसनकीनजादियकगनमानीरुद्रादियकगनपीश्रवगनविहीकनादिजाकग
 नश्रुनकलक्षीयुगनलकुवजादिनाजदादी॥ संकजं गानदिगसुउनगनसंवक्षमषिदवमषिकुवाद्यगन
 रुगनगनसहीगयाकावमहादवपावर्गीवावनकुनैकैविकगद्यकप्रकनकरुसामदमहाहानानाश्रुस
 मुधानीमहादवगनकुवजसगननानाश्रुलकाजनरुषलपावरुहकुडकुवृवृचिगसनचिगनधयमूरवन
 गन्धर्वदकादवचक्रधन्वादिविद्याधनगुयकाटिसंवकरुगदरुजाजायमूरवनजाजानकायूषवानजादि
 गन्धमादनयवर्गसचाठवानजादिविहीषनमाकसनसहीगयाकप्रगहवनसुमनूश्रुदिनचवर्गहीमवनकम
 जयाचलमरुदुगन्धमादनदिवासुपर्वीदियवर्गयूषयूषनवन॥ नदीद्वानीमहाकालसंककर्षुद्वानयान

क४॥ कासं कृति नादसी उदनी विजया नयाधी काजादगी एव नद नमहावला जादगी पूत्रस्य माहाद
वयादुखरु॥ धसरासकू वैजव महादव नकासं धसरास पूत्रस्य माहादवस्य नश्रादो विद्या धं कू वैजस्य बल
नयाव आद अस्तु निधी संखनिधी यमनीधी मूरवनी धिधन युलि पूत्रवाकाल समस्त संनीधी व॥ कू वैजसः
सरा अति सुन्दर महादवस सरा विजयादि॥ चल सरा॥ ॥ मिश्री सरा यवनी कू वैजसरा वरुन नाम नमो
धाय॥ ॥ नानद उवाच॥ राजा ऊचु धसरा धमस्व या र्वे ददास्यामस्व॥ रायू धिस्मि नयि नामरु सु सरा या र्वे की
नद द वरु नायाय ज्ञायजा मजिव नाना नूयव र्वरु र्वरु र्वरु रायू धिस्मि नयि नामरु सु सरा या र्वे की नद द
पूर्व सऊन पृथी स गयेया दाव धव नस शदिरव वरु न नस्का नादिया दाव र्वरु ग नानव याध र्वे धायाव वः
क्राय सरान वया ध र्वे धाया गाधि द सरा ध र्वे ऊन द दाव र्वरु कर्न ऊ विन लयान विन लय मजिव ध र्वे
नानद उवाच॥ राजा अदि स वक्रा सरा र्वरु दया नसाय द य र्वे कू प्रका नन साय द यि व ध र्वे धायाव शदिरव र्वरु

यौ

कैजे दादिद्यवर्षसहस्रवर्ष१०००नययादावधधनगुनिशायदयिवधर्कधायववध्मदह्वनयादाहीम
लययादधुससृजस्यनंजननायनययादावसहस्रवर्षसंपूर्णरुयावसृजनंजननायवध्मासकवंधाव
नसायाद्यलिरवर्षसंपचनूयवध्मसहस्रकनमातनसहस्रपुरुवविसालनंदूयासंख्यामसयावध्मासहस्रवः
चनसहस्रवगुल्यमरुमरुववध्मायासहस्रगुलिसहस्रयासिनंशुषुधायासमदमावमदसूगन्धवायु
नानामनीमयअनंकप्रकाशचलअवलसयमदसहस्रकल्यगत्रसमर्कुरुचचनुअग्नियागिनंनवगजसहस्रमा
हानजसहस्रवध्मलाकलंपमुखनदिननाविर्षुषुषियादावनवप्रजापतिर्नशुषुषियायकाववात्रिषुषुष्यादि
मनगेजआकाशंजलवायुपृथ्वीयूनान१८रात्रग१८नामायन॥सर्वस्वर्गत्रयगन्धनस॥प्रकृतिविक्रयपुस्य
पापअनंनंदकगुल्मजगामूर्तिवन्॥अगस्त॥मार्कलुय॥जमदग्निअविष्टगंगनकादिज्ञागीसमर्कआयुर्वेद
आगिकचाकनलचनुनकगुआदित्यादिग्रहगनयसमर्कयानसंकल्यवाक्समर्कमूर्तिवन्समर्कगाथ

ज्ञाय संख्यामायुक्षाया धर्मा १० अर्थ कामधर्मनादव ॥ मातृ कुना मद्र ॥ हर्षधर्ममर्दगन्धर्व अयुजा गनः
दिगयाल १० ग्रहरेउपेग्रह १ कृपया लन ० मनुसमर्तु मूर्ति वक्तु वदरागरु विदुय द्वाजग आदित्य विश्वदे
व अरुवसु ८ पितृ गन ३० हविष्यदयजुव मूजादियेद ४ पर्वदीवस १० निलास ऊरुदंय समर्तु गायत्री संख्या ३
नागगीनादि नातक यथ काय कथक गुप्तर कजन कन मूद्रा ह दिन नागीयक मासमगु संमन संजग युग ४ की
लचक्र धर्मचक्र अदिनि ३ नूतनी ११ श्रीरुद्रासष्टि पृथ्वी गंगा साहा कर्हि सुजादवी सची पूष्टि अनूधुनि प
षादुग्गा जगि अनैकमु ॥ ॥ वेगयायउवा ॥ राजनमजय ॥ पितृ गन अग्नि नारु गहं स्य सनया यगुवर्तु १४
यापितृ गन ॥ नाक स पितृ च गुप्ता कादि मरुत रुद्र गदग लाकयाल १० कुमान ना नाय नदव विस्वर्ग मय
याल स दका वमु दव गजु पक्षी गवादि वगुयद नागादि स्नावन जंगम अस्वागी निसह अस्नात कडु अखा
॥ यचासुप्रजाय गि ४ अषि १०८ ॥ अति नाग मूर्ति समर्तु २ संख्या याय मजिव ॥ धन न प्रत्यह वक्षा सकस

वलपे वंदावधव २थाय संलिखताद ॥ दीन नागी ६ उर्थं सहा लाकं उर्थं भज मय सहा ॥ ॥ उकथ के अनक
स्वर्ग मध्या गाल संदुलर वेका सहा ॥ राय धिस्त्रि स्वर्ग स वेका या सहा (ग्र ४ मय ला क स क्त न सहा (ग्र
४ क्त न सहा क्त लाम्बु दव दव सहा संन नाम दू ॥ ॥ य धिस्त्रि उवावा ॥ हो नाम दं न्द सहा स वाक्म न अदिके दव
व नून या सहा स नाग अदिके दव नाग विस्त्रा न ॥ ज मया सहा स नाग विस्त्रा न दव ॥ कू व न सहा स रुका दि अनक ॥ ॥
वेका या सहा स ग म र्द दव ॥ रु त्रि व न्द नाग रुका न्द या सहा स रुका या ना ध्व गथ न कू या य माला पाधु न कू कूः
धाव ध्व के कुन ॥ नाम उवावा ॥ राय धिस्त्रि रु त्रि व न्द नाग या र्क के कुन पूर्व स अथा धा न ग न स नाग न क नाः
आ उय न स (ग्र ४ नाग यूर्ध्व स नाग य न र्थं कू व र्णं विया वेण न थ ध्व न र्थं रु त्रि व न्द स ध्व न थ सद दा व स फ दीय
दीय ज य ल पा व न क क्त गुन ना क या क अन क धन द या व नाग स य रु या य श्रान रु या दा व ल क नाग न
अन क धन विया व य रु या दा व अन क वा क्म हूं स म र्द धन का विया व सा क्त गं ला या (थं द या सिर्न दा द धा ल

उयलदकिनावियावक्कूयलंठाडादकिनावियावक्कूआलाऊनयावकावनवजलराऊनसमरुंवाऊ
नसंगुसुशयाववाऊनसमरुंस्थनंआगीवांदवियावसमरुंजाजायासिनं(ग्रुष)जाजाशयमालनऊस्वी
ऊयमालधर्कधनयाहलनरुनियन्दजाजा(ग्रुष)रुलंऊऊसंपूर्णशयावजऊजाजानंआगीवावियावधया
रुलनंऊन्दवगुल्यरुनंजाजसूयऊऊयाऊनंसमूखनसंग्रामसभाऊसंग्रामसत्याऊऊन्दपूनीसत्यानीव
॥शयूधिसिऊन॥ऊनयिनायाधुनंऊन्दसंग्रामसभाऊनसयाकावरुनियन्दसमागऊसायावयाधुयाविखा
दीअग्रयूधूनवाऊऊनसायावऊनमध्यमधुसंलेवनधयावयाधुनऊहावावरुलाऊकायशोधिसिऊन
हाकानंदीगीऊययाकावयथाऊयलपावजाजाऊयलपावजाजसूयऊऊयायमालधर्कऊहाखानऊन
धकानंधर्कधशरुलाशयूधिसिऊनऊनयिनायाधुनहावावरुंयाथंयावजाजसूयऊऊऊनयागकावधया
रुलनंऊरुनियन्दसवगुल्यरुयिवयाधुनरुनियन्दसमगुल्यरुयिवधसायावजाजसूयऊऊयावधजाजसूय

यं कृते स नृनक विघ्नदयित्वा कृत्तन विघ्नयायुश्च न च नृनक स्य दृष्ट न निदान यावत्थया रु ल न दूरवशय
थ व न स उगादा स न याय म न व नृनक विघ्नदूरवशयु ग्राह स्य रु रु संपूर्ण रु ल ना व वै ग स म स क स
रु यित्व स म स ग्रा क संप्रम मायित्व थ न न च न या ग सा या व थ या य रु न सा च पुर्व रु ल का या दा व ध म
या व च न ग्राह स्य रु रु या ग सा वा कृत्तन स म स द क्षी ना न संप्रम याय मा ल थ न न वा कृत्तन या आ गी र्वा न रु
मि च नु व पु र्ण सा दा व स्व र्ज स रु क ल प द यित्व च न या च न क दा व रु या र्व क न ध ना आ व उ द्वा मि का व
न आ क्ता वि दु न ध क ध या व आ क्ता वि ल ह ना न द वि क्ता दु न ध क ध र्ज ना न द द्वा मि का वि क्ता न नृनक स म
न स हि न या दा व वि क्ता क यु धि हि न स र्ही मा दि वा दा व थ व यी ना पा द न क दा व रु या र्व क न र्ही म स न न
गा द म धा या व रु धि हि न स वि स्वा दि न थ न ॥ ॥ नृनि ग्री स ल न च नि रु धि हि न ना न प र्ण क द र म धा या

१॥ नमो भगवते वासुदेवा ॥ राजन भक्त्य युधिष्ठिर न सम हविषा दिनचिन्ता शनं ॥ राजा पनी कृत्य लप गच्छ न
वनदक गच्छ न कुरु याय महाविषा दिनचानं आत्मा हर या दाव राजसूय कुरु याय निश्चय न याय सम
मुवा कन कणी वेष्म दि सहा या दाव या दा कन मागुन सहा या ला कं मभी चर्क कुरु सिधय क धर्क सहा स जा
कसूय कुरु याय सर्वज्ञा याव श्व सहा स चा कं न क ना जानं क पनी स क धन आ दिन का स्य विष्ठा कु मं जिव आ
दि नं विय क यरु याय माल स्वव धर्क धा याव कुरु याय निश्चय या दाव य न राजा व स ग्रा मन ला दाव स ग्रा म स
ला क भा रि न यरु याय मया य धर्क स्य व क या जी व भा रि न हय न विषा दि धन न युधिष्ठिर न नाम अज्ञा न सु क
धर्क ॥ युधिष्ठिर न ग विषा दि शव सा याव ही म अज्ञ न न कु ल सह द व व प द दा व हा क्ती द दा द व क्क क्का य विष्ठा
दि या दा ह्नु द्या दि द व कृत्य ल याव यरु याय क धर्क श्व न व च न क दा व यरु याय निश्चय या दाव य न या या व ध

वलससमस्तलाकनसुखीन्ननकन्ननचतुर्वर्ण्यसिद्धमनलेवेलावावसस्यादिनपालधालन्नखायादावन्नः
 शिन्नगजादिदग्धयायमरुन्नकाजमृत्तमदूकूकूमदून्नधमदून्नयूगकमदूमाचामदूमीममदूखाजमदून्न
 उसलसमिथ्याह्लायमदूसमस्तनाजानमालकाविन्नववधवगलसमथादजाजानसमस्तलाकवृद्धिमानला
 हमारुमदूसमस्तसंरुधिल्लिन्नस्यहीमादिआह्लाविर्यानाजस्यजह्मजिधकगथंनगीधनन्नर्थकुपनीह्यया
 कंमालधकंधायावहीमसननकाजंजाग्रवैकुन्नयह्यादून्नधकंधनहीममकीप्रधनयादधरावा
 नाजासमस्तगुमिक्कीनमिगुलावनायादून्नसमयादून्नगुलक्कीनमान्ययादून्नधकंधनहीमयामकीप्रध
 नयालाखादकावनानाविषादिममस्तस्यनजीवधनंकुलपालसुथूकायह्यादून्नधकंधायातलिपूनयुधिल्लि
 न्नस्यकुषूठंचिन्नलयावहीमादिस्य४पूनन्नगीकालयादावलोमयासर्थावावसमधालयादावधालंथय

ह्यायजिवला मजिवला धर्कंधायावद्यासदिन धालं होयुधिष्ठि न्धयद्गर्भं पूर्णं रुयवखे धर्कंधायावयूनय
 धिष्ठि न्धं नानाचिकलयावमगीदरमद्रुक्पूर्वचिकलयावकुष्मसुनलनयाप्रभादनधूकासिधयधर्कंधा
 सकंदूगच्छाहर्लं ह्युनधयावकुष्मर्तुगीद्युनवयावह्युपुष्टसकुष्मनरुधिष्ठि न्धं सकनमल्कात्रादियादाव
 ॥ रुधिष्ठि न्धं उवाच ॥ हो कुष्मर्तु न नारायण यद्गर्भं ह्यायलया कुनश्राग्भाविजसायाधर्कंधालं ॥ ॥ रुधिष्ठि न्धं
 ह्यवर्तनिकुष्मगमननामनकादसाभावा ॥ ॥ रुधिष्ठि न्धं उवाच ॥ हो कुष्मर्तु कुलयालस्यं श्राग्भावि यावनिश्च
 यसत्यं नारायण दत्तं लं रुयद्गर्भं सिधयं मजीव स्ववखे धर्कंधावमसुकसदायावधालं लात्रासमर्धवधवसज
 य्सरुकात्त्रायिवसहग्राह्यननाजाचक्रवर्तिनादल्लह हो कुष्मर्तु न नारायण धनवधनकाला कुलयालस्यनवी
 यायादावधयाला कुलयालस्ययामर्जागाधमचिचायादावमवगवधनकं स्वज्ञाला हो कुष्मर्तु आवयाम्यवे
 नाजानि रुयल्यलीर्थं नारायण मायकधर्कंधायावकुष्मर्तु हास्ययादावचानं ध्वज्याव रुधिष्ठि न्धं समनसविद्याः

दीर्घलं, ऊँ हूँ वायुमहात्राधर्कं ऊँ ग्यानी वधू हूँ गीसमस्तस्य न ऊँ हूँ रायन वरवधर्कं धायावसमस्तमूर्खरु
ह्यं ऊँ हूँ दावधर्कं चालं हीमस्तं वयावसं वाधया दावहानं शयुधिष्ठिरं वनवनं नाजावनिधववसायायउ
याययायमालासाकविखादीमनवऊयनिहाकादलं क्वायविखादि क्वायुयाउयायन वृद्धिवलनं ऊँ ऊँ ययुनं
ऊँ नयाध्वनं दावहीमस्तं नन श्रीगीकालयानं ऊँ नासं ऊँ नमावकधर्कं ॥ श्री हूँ उवाच ॥ ॥ शयुधिष्ठिरं ही
मनध्यायाऊँ ग्यवचनं ऊँ वालकया क्व वृद्धिधर्कं अर्थं न ऊँ मनसक का आदि सं ऊँ नासं धमावकं धर्कं गुनवपू
र्वसं ऊँ वनाध्वनाजान समस्त एधीया ला कगालताव चक्रवर्तिरु न रगी गधनाजान धर्मत्रयन एधीयनीया
लयादाव चक्रवर्तिरु लं कार्ति विऊ नाजान नययादाव चक्रवर्तिरु लं रनधनाजान धववाकुवलन चक्र
वर्तिरु लं मनुन नाजान क्व वनऊयलयाव चक्रवर्तिरु लं क्वपनी ह्यं क्व क्व याय रलासावावल श्री नाम ह्यं ल

अनपूर्वमंदिस्वनीधकं हाव वल्लनमवाकावल्लनदधुयादावधर्थुनीसमस्तनाजानं श्रीनामजवल्
यलंजनासंधयाकं खगागुनदधुलासंधवालकं संधवल्लमिनास्तसंयकावत्रल्लमिनास्तनजतामग्नकः
धनं नास्तनकुयाय दृथासमस्तमयासंधकं नावया अनेकनाजाधवगल्लगयधकं समस्तनास्तदकाधव
गल्लसगयावगवल्लनाजायनिदासदासीयायर्थं अनेकदव दृथासदकाजाजाधवगल्लसदवधर्थि
ग्वरुलासंधनाजाजयल्लप्रथादं अर्वचिवा क्वयनीर्वीवा ल्लनाजाजायावसंयामसयुद्धशास्यं नाजादका
जायावल्लिवल्लिवचानिव नाजायनिजकनाजादवधर्थिदकावगधं ल्यायशयूधिमिन्नअपनीसजीव
मालसर्नथमाले कुनजक्यावधकं रुलासंधवल्लायकठक चतुर्नगवल्लनमजिव उयायनरुजीलं धनं
नाजावूर् ८७०१४ यस्तथासल्लयार्थं धासल्लयावगयाश्च क्ववृवृदगी क्वस्तमस्तमाचकाव मालयासथम

वाढावचक्रवर्तिरुयवत्रावयाध्वननैत्रायाजीवलकायायनाजस्यउरुयासिनं(प्र)पूवनेलाकधकं
 ॥ ॥ ॥ निग्रीहलपर्वनिवायधयाय॥ १२ ॥ युधिष्ठिरउवाच ॥ ऐ कृष्णसकलमीचकावजचक्रवर्ति
 रुयावकायध्वननकृष्णायमजिवकृष्णं गथकायलीमश्रुनवगथकायउमनशकाशलेकलीमश्रु
 रुनरुचक्रुकायमजिवरुनासंधयासनासंख्यायायमजिववीनवीलश्रुनकंधननकायमजिव ॥ ॥
 वेमंयायउवाच ॥ एजनमंजयउनासंधयाकृष्णसंधनकायावयुधिष्ठिरवीखादीनाजस्यउरुमया
 यधकंधायावध्वनसायावकृष्णसंधनकायावश्रुननधालंशयुधिष्ठिरददादवकृष्णनजनासंधमाचः
 कृष्णवनकृष्णसाकृन्जवलकृष्णनसाकृन्नायस्यउरुसिद्धयकंवियधकंकृष्णसंख्यायायमनवध्वय
 थीजयलयाववियसामवंगसजायलयावमखूलाऊरयगीलंमश्रुवतलप्राकर्मदववेनीजयलधमः

न सानर्कस्य न सास्यवानिव नृमु समु आदा व वन मजीव उ पाय न तु जीयिव गफ यावल सायाव माचक थव क
ममव न संयक मगव संवया क मथ मसय क थव क ममव न मस यक पाक मस याव यूय याय उ थव व
द्विस्त्राय दद वे जी याक वन गुफ न यत्रिक्चि न नय न गथं धाल सा अर्थ न न सक व चादि वाह न स कृष्णी जि
न व मु आदि न गुफ न समु यन न कान क यादा व उ ना संध या निव उा व ल स माचक शं यूधिष्ठि न कृ विखा
दि मगव ही व न उ ना संध ना जा थ माचक लदा व संव माचक कृ ल्या ख उ य नी स्व र्म वे द्वा वा त्रि श या व व न
ही म न उ ना संध माच कि व ष ग मा ती सह म ना जा व न्ध न क्का द न या दा व उ स कृ लि का यं थ र्व द द वा व श धिष्ठि
जा दि द र्षे मा न र्क लं थ सा या व कृष्ण र्म उ ना संध या व च न र्व क न ॥ ग्री कृष्ण उ वां च ॥ शं यूधिष्ठि न उ ना संध या व ल र्व
का न द द उ ना संध उ ला हा न न माचक म दू उ न जि म या वा लं सह न या व लि क्का या व रु या पूर्व स द्ध मे द ग या ना जा व

हृदयं यथा राजा श्रद्धा निःसा ३ ध्वनं न गहि तनयं यव न धनं वनं यद्वि तसू न हृदयं गुल्यं न जनं सृजं वगुल्यं कमानं व
थी वगुल्यं का प्रसूयमं वगुल्यं श्री ग कुर्वं न वगुल्यं श्रया कर्हि वृथा सया पल पृथ्वी का गी नाज सयू गी कमल जा गी नू
यव न सून कन विवाहा या दा व न का वं गुल्य या द ग या अन क काल क्रि दा या दा व वृद्ध ला व रु व पू व पू वी म पू अन क
ना ना वि वि न द व वा क्र द्वा दि पू जा या दा व थ ध्व न म पू ऊ रू या दा न म पू द धु कृ धु गाल मा कल गी ल थ थ
न म पू का वि य द जि सि यू ग गो न म स वि यू व वृ को गी क स वि थ को गी क न स रु प्र व र्ष न य या दा व वा चा सि १०
वि रु ला द द दा व ना जा श्री न का स न स ही न या दा व वं दा व थ स वि यू जा या दा व ना ना प्र का न न थ प
जा न स वि र्सी ना प रु या वे ना जा या ना व ल वि य ध क धालं रों ना जा व ल रु द न ध क धालं थ न म वि स
श्रद्धा द दा व न म स्का ना दि या दा व का म ल व व न न ना य या न श रु ग वा न स वि सृ ज य नी श्रु गी नी नू

पूयकरुयाव जासुता जगाव वनवया शुदयादगसा पूयविक्रन जासुलखलय नीमिहिनधकं जाजावय
नद दाव मविन सायाव ४ अग्र पा गधव वसु संरु स्यंगया धसायाव अं वसि सु अं वग्व १ अ कालन रुपन खोखी
या दाव कागंदाव वव अं व कायाव आत्मा विरु मनु नया संया दाव नो जा विने ला जा ऊ नु अं व रु ल का व थ रु ल
चुन म्मी नं क व थ रु ल नं चुन पूग दं यि व ध कं जा जा न रु पं माने न थ अं व का या व थ व नासु गुरु व या व नं का सीः
या द व न ग या व न का स्य नं का ट का ठ र वा ला व न का स्य नं न या व वा रु ला धाल गं व स द रं दं ग मा स सं पू र्ण रु या व
जा जा जा ग रु लं नं का सं अं अं अं जा गं रु लं थ सा या व सं का सा क न रु य न न का सं सम धाल या दा व थ रु य ध कंः
जा जा म स य कं रु का स नं म स य कं थ मा वा वा ग क ल रु लं दू दू मा का या व ना गी ग न ग य वा रु ली स रु ल स मि य स
वद ना था व रु ना द वी न धालं ना गी स जा व ला क न ध न आदि न का या व य गु पी थ स ध वा ल क र्दं द ग व र्दं दा व रु जा
द वी न का या व न य या दा व न र व न्द क प ना य कं नं य ध कं क प ना य का व अ र्थ न ग य न रु लं रु ला व रु ना दे वी

नालरुयावपृथीकंपमानरुलंधसायावजना नाकगीनीविस्मयवायावधमाचावूयानवूयमजियावनय
 रीदावनयमजीवलाहाथककमहासदनहलंमद्यगजलपूर्यधरालागदसायावनगनसवाकालाककंपा
 माननग्याकरुलीजलादवीनधमाचागनयथादावजमाचाकलंधकंधमायावधवलसधयामामनकासंदू
 हायावचादसायावनाजासकवंधावधवृहोक्तुगोदवीननाजाकाननाजानधखंडकावधकविखादिः
 नचिन्तलपावधानधवलजनादवीनमाचाजादावनाजगृहयदावधजनानाकगीनस्त्रीनूपधललपाव
 धवालकवमुनतियकावयदावनाजाहर्ग॥ ॥ नाकगीनिउवावा॥ एवृहदुनधनाजाकनपूयानिमिरिन्
 लासाकरुलाधकनयवकाववृकोकंभाप्रिसववनदवधमाचावादनथलाजनलकलयरुयाकनमाचा
 काववादावनाथर्ववृहोक्तुर्वकंदावमाचीविमुवियीवधमाचासायावनाजाहर्माननवानस्त्रीनर्कसरास

वयावः श्रुतपूर्व्यादावमाचापिगुपियावहर्षमानयादावपूतनक्कासनं कालं ॥ ॥ जाऊउवाच ॥ सुखदवीह
गलाय गला सुखकंधायावदवीनिश्चया ॥ जाऊगीउवाच ॥ ऊं श्री जाऊगी ऊं नाम कामरूपी सु जाऊगृहसुखा
दाव हतवली कायावचादासंमसु जाकया गृहसंजु चादा गृहदवीधर्कं लोकनपूजायासिवं ऊं पूर्वसुवक्का
स्यं गृहियादाव हतपुनपिभाचदागीनीन पीदायादाव सुनलकलयधर्कं वक्कास्यं ऊं हादा ऊं पूतनवधिका
ऊं पनीनक्कासु रूपगृहपतिं आदगचास्यं तयिव पुनीमादयकिवरुला समसुसं मंगलरुयिवधप्रतीमा
मदूधायसु सुलक्ष्मी आनित सुमंगलरुयिव सुनकसं ऊं पुनिमादव ऊं पूतनक्का सुनऊं अनक पूतयादवाया
वदयाकावतर्न धननकनपूतनलं ऊं पूतनक्का वास्यं नैपुनीमादयकीर्नतयमालऊं जाजायाक जाऊगीरूप
गृहयाक गृहलक्ष्मी धवालकऊं न नययादहया नैखद्युजाऊं लयाव नयतं दावलसु धवालकम्बाकन

यमजीवमजीवयानिमिरिनमसूस्मन्नुक्तननयहयाकुनरुक्तीयादानमनयाधर्कंलालक्षीनथथप्रकल
॥ श्रीकृष्णउवाच ॥ ध्रुवालकनाजालवक्त्रास्यनाथावकुलाजादगीनीश्रुतध्यानरुजा ॥ नाजाहर्षमाननदूहायाः
वज्रातकर्मोदीयादावनाजासश्चाश्चानसमस्तलाकनंजलादवीयूजायानंरुहयतीनामन्त्रुयावकुलादवीनसं
धीयादावस्वाकधर्कध्वननजनासंधधर्कनामन्त्रुयावध्वमावायाजनीनदीनपनिवाधनयलंवर्षाध्ववेलस
चन्द्रकोमाकसषिटीवयावनाजानस्वलेनाजानस्वदावपाद्यार्घावमनीआदिनयादावनामनंयूयनअषिटीलव
कालं ॥ ॥ अविनूवाच ॥ एनाजकुलसमस्तंनसयादिवचकुननसयासमस्तजकुनआदिनसंयुक्तध्वचकुनयूयन
जवनसमस्तयासिनंलकनाजादवसायादगयिवसुनानध्ववजीयायमस्तलवेलिमाचकितवदवदानवश्रु
गकुनध्वयाककुनदावध्वयाजनीनसवंधाश्रयमदूश्रुहर्गंरुयूयवर्षाचक्रवरिंयागानंअष्टरुयिवध्वयाय

रावसुभवयाप्ररावमदूचतुर्नगदवनसहीगयादल्लगतवलसनंवेजीसमसंश्चनमाचकयितश्रुतिनासर्वम्
दाध्यंरावृहदन्धसमसुत्राज्ञायाधनकायावसुखनचानिव॥महावनीषुयूवचतुर्वर्णलक्षेणपिवश्चप
श्चासमंसंस्पर्शयित्वाज्ञासमसंसेवकपायनतायित्वंयश्चवकमहादवर्त्तयकनसायित्वाज्ञासंधयावल
विश्वैर्कदावअपिधवश्रमसवानं॥वृहदन्धनाज्ञानसूदिवससायावज्ञासंधनाकारिककयादवनाज्ञा
मालावपुत्रयागुनसायावनाज्ञाहर्षमानरुर्ल॥ध्वजसुपुत्रनायधललयेवरालयावधमवनवन
लयावश्रीनक्षसहीगयादाववनपृष्ठगथावनवन॥उज्ञासंधननायपतीयालयादावलक्षनाज्ञादधववाक
वलनउयलयावअनकड्यादिकायावसुखनचानी॥राजनभजयवृहदन्धनाज्ञानअनककालगयः
यादावकालंवगशयावश्रीसहीगनस्वर्गयाफिरुर्न॥ध्वनलितालानगीसुजनसन्धनगययादाववर्ष१२

माहदवसं कुनरुयाव वलरुहधयाव वलरुहर्नञ्जनां मलयादाव वलविदुर्नधर्कधयाव महादवस्य
 अञ्जना मलयाद वलविर्नष्टि उरुकाञ्चन मलनदवधर्कधयाव महादवस्य केलागविज्ञानं धवललादाव
 ऊलासन्त पृथीग्वज्ररुलं लयुधिष्ठिरञ्जनां मलस्रभोचकाव अञ्जिलमायकां लाधर्क कृष्णमाच कधर्क धध
 याक अने सयाव अने सनस्वगीलादा सनस्वगीनधर्ल अञ्जनायञ्चन विचालमयासेतया धर्क धकार्यल श्रीनेया
 युवधर्क सनस्वगीन धगदायप्रहज नञ्जमारी नधमविधवा रुयिवलीन अञ्जनासंधन गदायमनयादाव ल्याख
 नीस्यनयां व सगच्छि मदाद गतच्छि वद ललपाव गदातिदरुयाव अञ्जना मञ्जाव धगदायाप्रहज नमाल
 बाल अगम्यरुला ॥ लयुधिष्ठिरा ॥ धगदान अममोक पून ४ अञ्जनासंधन महा विज हंसदीपकनर्क कास्यरुलं
 वनरुदुन उपाययादाव गदाविज सञ्जयाव हंसमा कधर्क दिरु कर्कदाव धगदायाविवन सइहायावमाक

अमुसमुननकादभाक दयादुज्जासंधमभावकावजनकनधालसा ज्जासन्धनलद जाजाद वन्धन
यादगयिवज्जासंधभावकावलद जाजीवंधनकदलपावरुयकुधिष्ठिनन जायसूयज्जुयावकमाधक
हालपावशा ॥ ॐ तिग्रासहायवनित्राजसूयज्जु वगुदेवधाय ॥ १५ ॥ श्रीवासुदेवउवाच ॥ लोयुधिस्तीजहंस
दिरुकेनकावूउपायनभावकधूना कंभासूत्रभावकधूनादवसमस्तवगायादगवर्क कंभासूत्र नूनकदेव
भावकधूना आवज्जासंधयाकाववगाहला दवदवासूत्र संग्रामसूत्रयद यादावतया ज्जासन्धकुलयादव
थर्थनंजयलयमजीव आवयाजयनिस्रक्तं गीनव अग्निर्धर्मो मया प्राकर्म उपायज अर्शननलकायावक अ
यनिस्रक्तं युफनवदाव नीर्जनवलसूत्र जासंधभावकयक थर्थवार्ता मंनकुतादमधाव कृष्णस्य रुधिष्ठिर
हार्ग अननया सहप्रहृनोक्तुलिह नोन दधाधललयरुवंधका अन्तवरीमवत्वायसामर्थदवज्जासन्धवत्वाय
ना

कल्याणलीमरुलंजमवगुलधर्कध्वनशुधिसि नस्यददावशाकविरवादिगथयायधर्क ॥ वेगं पायउवाच ॥
 लाज नमजय ध्वन कृष्णयावय नददाव युधिसि नस्यधर्कलीम नृश नृलस्ययादावचाद शाक नधर्क धर्कलीज
 विग्वसधर्क धायमनवजयनिस् पितामागारुलं कथुकाधयाक सुखधर्क नृशने कृष्णलवलाली कलयालस्य
 धाकारवसय कृदयान समसमसु दयिवज नार्धभायिव समसु नाजाद प्रकिशयिव जाजस्यजल सिद्धशयि
 वशाद्युगकार्ययाकान ध्वशागाद कृ सकलसाकंद जमन सनगुथं शाक्कावाहिक न जम्भार्यमयया ध्वन नकः
 सकलकृ सलयादावनिहावयमाल लकृष्ण कृ नृशने न ज नार्धभावेन व न न ना नां यन नृवालधर्क व्यासस्यः
 जर्कदावगव गिगुवर्णजयलयरुव लीमन वेलिष्ठ कृयायमरू धकार्जलीम नयायूव क्लिपशका लीमकान मा
 ललकृष्ण स उपायवलकृ गनान धकार्जयायजियिव नृनान जर्क नयाकान धर्क कृष्ण नृशने लीम जगया

दावृक्षायावमगधदगर्वदावृद्वनकवचादि नाना अलंकालनगियावृपीवननद वमु कृष्णजिननीयावव
द वृद्धसूजं अग्निर्था ननकनदिलंघलयाववृदाव ॥ ॥ इति श्रीसहायवृनिर्वचद साध्याय ॥ १॥ श्री कृष्णः
उवाच ॥ अहिम अर्शं न श्वज्जासंधयानगज उरुमगृह लो कसमस्तु निशा गी श्वपर्वगजायाव नगज सायधर्कसाय
व विस्तृतपर्वगोदिजधपतलंघलयाव वनं गि ति गसं तु नाजा समस्तं वंधमया दतया द्रु सज कठक नयं यका
व गया सूतं वस्य वनमरु मूललं नक्तं वनं संत वला ध्रुव लं नवन वनससु मिवा गार्हस्य गमसवी
र्यनयू गु ३ ओ गालया सजी नसगर्हस्य गु ३ (गोतमसवीर्यं कांक्षितं गी सगर्हस्य गु ३ (गोतमवीर्यं ध
गुर्ह द मगधदगया नाजा धगुर्हस्य नं न्नासंधसंवलयं चाद ध (गोतमया अश्रम नाश्रु हं अर्चदयवर्गयास
मिपस आरुिक नाग मनिनाग न्नासंधव गुल्यवल श्वथायस सदायुषि श्वनं का सप्रभादन न्नासंधया धनः

सुनार्न कायमरु सुनार्न ऊयलयमरु धनगलद वासुन धनगनसवानमरु कुरुवानसावधकी ॥ वेसीयायउवाच ॥
राजनमऊय धनदावलीम अरु नैरुषमाननदानसपूजायादावदहायाव वक्रवालि नूपन धथायस समरु लाकस
स्वीर्तुवेवर्तुका गुदव नानावदघाषादि गीतवाद्यादि अनकवलियूजादि मषीदान सर्वदाव असह अष्टयाद अष्टरु
वृहदुनयनमाचकाव धयाद भुकासन सागलधाकदयकावगया सदाद धायममालर्क गस्यगया धदानसख
अनयूरुजा संधमाचकयादववर्क धखरुधम धधमं कदलययित ॥ कुरुलियवर्गदानयालसुत्रामरुषवि २२
नदेयादि धदानवर्तदावऊजा संधया कर्वदावगयादभीउपवासकुरुदवाचनवलससा कर्क उलादावधध
वानदास्यं कुरुमीदरुदराजनवमुजादावमरुसुदगिलकदसंरुका धेर्वदाव कषूस्यं चिकलयाव धमीमरु
जाजाऊधीधर्क अनकमीजनवव नानादवी नानावमुजादाववमुर्वदमालादि अर्लकालादि धसमरुलाया

वकायावस्वर्गद नानाप्रकाशमलयावर्षिधर्वदाध्वनिर्हययाद सागुलिदानं लंघलयावर्षदाव
ध्वर्षदावर्षजासंधवपदंदाव याद्याद्यावमनि आदिनयादाव पूजायादाव स्वर्गद पूजाध्वनकाव क
सकद्वजदंजनवया कसलनववेला धर्कसागकल अगिन वक्रचात्रिवलनाव लोणीसंधरु लयायमालः
महारुकिनजाज्ञानध्वस्वर्गद सोयाव कोयकचायावचानं बाधनयावर्षनमद् स्वर्गस्यर्नजाज्ञायार्ण
आजिषावियाव आसनं सचादावर्षजासंधरुमी सचादाव धर्लंशर्कगकल स्वर्गद म्पसनं नूयाधर्क
ध्यायावचाद स्वयाव महानजवन् अग्निप्रायस्क सकल वक्रचात्रिसख कपठनूपमनिमालादिश्रय
वहान नालागसरच्चतदव क्सकजसकगीयागंजदव बाधनमस्व नकवमु मशवगल्यश्यादाव ह्ना
हूनं श्रद्धाजगवयागध्वन क्सकलसवल विर्गगथसूडला श्रुकर्माकात्री क्सकल जंमस्वयधिरु क्काजन

पूजायादाकृष्णकादूनवलहननवयाधर्क॥ श्रीकृष्णउवाच॥ ॥ प्राग्वतविवि३कृष्णीयाशर्लकालत
 लनममालरीजजार्सधकृष्णीयावाकवलत्रमुजयनिकृषिवृक्षवात्रिहस्यवयाजयनिसवाकवलसायय
 लसासावत्रुदाजहावयागथधालेकृष्णत्रुदाजहानियो।ग्रहंदाजहासूदनागृहं।प्रविशानिनत्राविशानिन
 त्राविनादात्राधनाविधर्मन॥ जयनिगकार्यदवनवयाकृन्पूजायादाथकावजयनिवेनिधर्क॥ ॥
 नूनिग्रासरायवनिजजार्सधवधमादसाधाय॥ १७॥ जजार्सधउवाच॥ शवुर्कचात्रिकृसकलस्यंजवे
 जीधर्कधाला।ना।जनकृष्णकलसक।अनिति।नृपकालयादा।मदू।राजपाथननवेजीमरुव।अथनं।कृष्णका
 लसकृष्णकलसववेजीशर्लं।जनवेजीमरुवनायाधर्ककदूनं।जननृपकालयादा।मदू।जमाचकयादावव
 यालाकृष्णीयाधर्ममखू।कृष्णीयाधर्म।अधमीदूष्टजनमाचकावधर्मलकलयनिजायत्राधिमाचकमनव

अथ किं नृपयज्ञसहानि न पृथु न न स्य दाव न या कृत्रिया धर्म युजा लन या य चतुर्वर्ण लक्ष लया व स्वध
र्म न चल लय श्व कर्म जाऊ न या दा धू का अकर्म अनया दा मद्र थधिठ निना अय नाधिअ क्सक लस्य न ग
मुल मा च क र ल सा मा च क न क्क ग क ल स धे कं दा दा व क्क पू न न्ना सो दरी ॥ ॥ श्री कृष्ण उवाच ॥ राजा नार्थ क्क न्त
मि स क्क अय ना ध म या क ला कू न् व ग या ॥ ॥ ४ ॥ राजा न्ना ज्ञ स य ज्ञ रू या य ध क्क धा या व अ य नि क्क न क्क सा र्थ ह ला
कु न अय ना ध म या दा ध क्क धा ल ल क्क ना जा द्द कु न वी ध या द्द त व म हा दू ४ र व न क ल श्व ग न क्क न अय ना धि क्क व व
ल्य या पि मद्र म नू क्क न म नू षा मा च का व म हा द व य ना व लि य या द्द त व क्क न ना जा य नि मा च कि व अ य नि
सा म र्थ जा नि अ य नि स्य न ना जा य नि ग क ल य म रु त दा व श्व रु थ्सा अ य नि स क्क व र चि व म नू षा ना जा न
ना जा हि सा या दा व व लि वि या व म हा द व र्ग पू जा या क्क द न म न्या दा ना जा य नि य स्य ना म रु या

व मा च के ता ढ ध न न च न न च क म मा या दा या रु ल न च य स र या दा व च मा व का व स म स न आ डा न
 क ल य कू चूर्व ग या ण च ना जा या च न ण स च न स व ल य व न सा च न जि व या ल को र य व स ग म स उ
 या धू का ज य र य व ध क य द म वि ल दे व न का या व रु ला क गि या ध म न ण रु रु न स र ग ला य द व ध
 न न च क ज स र य न ण रु रु या य जि र य उ न म्वा र य न व स र ग वा न य न स र ग म ज य नि ल व को स व च य नि स
 क ट के व स र हि न या ढ ला य गा के ला य स म म रु व ध म रु र्ध ला य रु ल सा च मा च को ला य ज य नि च न श्र य
 ला या य म न व च व ज य नि स व गु ल्य रु व र व ज व च व स म रु व च स व ला यि व गु ल्य स म सा या व ला य स य स ध
 न धा या ढ दा व ज रा संध रा स या दा व चा न ध सा या व क पू र्ण धा ल र्हा ज रा संध च क ला व का य ज य नि
 सा मा स व ला य रु ल सा च न पू ग यू गा दि सं क ल मा च क पू र्व स ग रु ग रु न द स म रु व रा गि न श्रु र्वा

[illegible]

हृदयं गंगा मल धर्कं श्यावट का गंगा जाव के गिक चन्द्र स्यन धनं का सनायति जना सन्धन चिन्तल
 पावतवपुन हं सदी रुका चिन्त जपाव महा विष्णु गयो दाव वीदा ध्वपनिन का दंत सा धन का स्यन
 ध्वपनी माच की वधर्क ध्वज ना संध चाट सा याव कृष्ण ग विरु थी ल मरुव कं यमान ऊव ल्वा न वल साः
 ऊन माच के मजि व ग थ या य धर्क का न न वृद्धि रु लं ॥ १० ॥ ॐ निग्री स रं य व निज ना संध व ध स फः
 द सा ध्या य ॥ ॐ ॥ वे स म्या य उ वा च ॥ श ऊ न म ऊ य ऊ ना संध न रु ध नि ग्य य रु ला ॥ ॥ श्री कृष्ण उ वा च ॥ २५
 श ऊ ना संध ऊ य नि स र्क वाल क ऊ म रु सु व ल्वा यि व ऊ य नि ग व ल्वा य म काल सा प्र घृ म्ना दि व ल्वा व न कूल
 व ला स रु द वं ला ल्वा यि व धर्क धा या द दा व ऊ ना सन्ध न धाल नि क्ति ति ह य गी ल वं व स्य व स्य रु व ध्व व रु
 ल्वा य नू रू न वाल क व रु रु द्वा ही म व ल्वा य धर्क ग दा का या व सूर्व ल स ऊ या या दा व न ग ल वा हे ल वा न
 धर्क न ग ल वा हि न स वं दा व ही म व स न मूर्ख न वं दा व ही म या नू मु ग मु रु का सा या व ध व ग दा वि या व

अन्यगदापीमकायावमहाप्रिययूद्धगदानमदायूनवाक्ययूद्धसमरुद्धलीलारुद्धकत्रग्रतरुद्धयादनयाद
रुद्धअस्मगनमद्यगर्जलयूगद्यर्थस्वलेविग्रहसुर्द्धमहाप्रियरुद्धनानाप्रकाशनप्रहाजनपूर्वकमुवद्ध
अनंकानेन्द्रावाक्य(धर्मा)हादावमद्यगर्जलयूगद्यर्थमूखादिनत्रकग्रवरुद्धनकासंश्रक्तवर्द्धरुद्धअस्म
गप्रकाशनरुद्धवहप्रियकाजननसुपरुद्धमलयापृथामग्ररुद्धनकासंरुषमानन्यायरुद्धअन्यान्यय
रेष्टाश्चरुद्धअनंकलाकनस्त्रीवालकवृद्धादिनचंगुवर्द्धादिनसात्रवयावपृथास्वनमदूमनूषानरुद्धकाद
नकासंचलगिहायाववागकथंरुद्धवृतासूत्रवयूद्धयादार्थश्चरुद्धआधुनकषूत्रयोदगीसंक्रान्तिकुः
दूक्रीनचानरुद्धचंगुदगीक्रिच्छिरुद्धजागीयासमयसूत्रासंधद्वलरुद्धसायावकषूत्रसंकनलीमहानली
लीमज्जासंधयांमालाधर्कजाहागहोवनकादावलीमनचिकलयावकाचूदावचोर्नगंधमाचकंधर्ककषू
त्र्यद्यासहायावकनश्चसायावलीमनचिकनयावधत्रधर्मरुद्धमनवधर्कअज्ञाग्यधर्कयूनधिधिस्यनीवा

रुनवाकूजां दधीं दाव ॥ १८ ॥ ॥ निमिज्जासन्धवधसरावर्धनिश्रुष्टादसाश्चाय ॥ ॥ वेगम्यायनउवाच ॥
राजनमंजय हीमज्जासंधधियिजादावदादावधादाव हीमस्यभाचकलालपंधानेज्जासन्धनहीमयादद
यसकयावत्रकपागकयावधालंशकषूस्ज्जासंधकपागकवनश्रुग्यायममालधनिज्जासंधभाचकधकंधाय
वभावलपवंदाव ॥ ॥ कषूडवाच ॥ हा हीमचनवाकूवलनश्रुधिविज्जासंधभाचकयायिवचनश्रुष्टरुन
वयागज्जासंधनिज्जासंधनउनयंवागवायिवयावलचनकददनादिदंभाचकोवकनिवचनवलज्जासंध
संधनिहायधकंधायावधनददाव हीमकाधनलयाववंदावजासंधयागुनिजादाववंगवगकव
दावनखंधुयादावभाउशकामहास्रज्जासंधमल्लशलीगनीत्रकलावचूर्ध्वादाव हीमयागद्वनसमस्तक
यमान्गासमानरुलंगर्ज्जागद्वववनसमस्तयंगर्हसदेकासकादेस्यवर्ल हीमयासद्वन हीमस्यगिः
कक्काज्जासंधयदावनगत्रयादात्रसतयावत्रंगयूनीवदाव कषूस्यसमस्तजाजादभाचनयादा

२७

[illegible]

अथ नथ नलिथ वसू नाना सधन लिख वना जा सधन लिख वरु नथ नाना सधन लिख वरु नाना सधन लि
कषू सधन नथ क मंदा द्वा दा व वं द गि नि गण न पि हा या व सम ह मि स स र या दा व वा दा व च पु र्वे र्मु दि ना ना
उ या दि जा दा व ह न या न व या व रु नि का या व न न क ड वा दि सम स नाना न र्मु गु या दा व र्मु द व की न च न न
य नि या पि सम र्मु क व वे नि या दा नाना सधन या प क या द लो ग व या ध धि द पा पि य नि कु ल पो ल स द या न
अ य नि मा व न या दा कु ल पो ल द या व न क क अ य नि उ द्वा न या दा व जी व ल का या दा व प्र ग न रु य मा ल र्मु य
धारु म नाना व न न क स धा दा र्मु क ल पो ल र्मु ल का या क कु ल पो ल स दा स अ य नि अ य नि स न कू या य मा ला न २०
द ग वि दू न ध र्मु क ॥ ॥ श्री कृष्ण उ वा च ॥ ॥ र्मु ना र्मु रु धि मि न नाना या दा स क स क ल कषू स आ द ग न दा स
या द वा न य धि मि न र्मु ना य स य रु र्मु या य स क स क ल स म स स र य रु स न कषू स व व न स द वि या व स म स
नाना न र्मु धि मि न स दा स ध र्मु क नाना सधन या पू न स र द व थ व प्रा रि न ला क न स रि न या दा व न न क उ रु म न

त्वमनि रुसि शुभदिना नाड्यादि कव गाव कृष्ण सकन मस्का जादिया दाव सा समान या दाव चाने कृष्ण नन सा
 याव कृष्ण नन स्य अरय विलं यसा दवियाव कृष्ण स्य हिट नन का याव सहय वरं गी वल्य या दाव सवा धन याव धव
 नग नंदु का याव भाव धान याव धर्क का याव कृष्ण प्रमुख न ली कन या दाव समस्त ना जा दयः किं न धव धव धंग
 लका लं ऊय निस् गज द ग दाव वयं मा लधर्क कृष्ण ली म अरु न व गु म की न ना जाव याव नु प्र सु व ला अ न ग
 नन नला दि जा दाव रु धि धि नं ना जा सकन मस्का जादिया दाव चाने रु धि धि नस्य च तौ धाय मरु धर्क वला ध
 यनि मरु अग्ध ऊ न चाने ॥ श्री कृष्ण उवाच ॥ ए रु धि धि न ली म या वा दू वल न न ना संध मा च क धू ना ना
 जा समस्त मा च न या दाव कृ व सा या य धू ना ली म या वल न ध यानि न र्क स द्या ल प्र ह न म द य क धू ना ऊ व कृ न
 क मा या य मा ल य धि धि न न कृष्ण ठां श्री लिंग ना या दाव चू पा न या व मरु अ न च न चाने अ न ग न न रुं ज न
 ए न य या दाव समस्त कथा दं को वृ हं क ल कं दाव रु धि धि न रु र्ष मां न न ना र्प वा द ह या व ना जा य नि प्र भा वः

वियावक्कालं मनिमयिसुहासायावसमस्तु जाजापनिधवधवजाश्वानं ॥ ॥ वेसम्यायनउवाच ॥
राजनमऊये ॥ कृष्णगंगामाचकाव रुषमानन वैरुजथसकृष्णत्वं दंदावदात्रिकावर्तयधिष्ठि नस्य
नत्वादिमनि अर्नकसायाव रुषमानरुयावद्राय निध्वनन्त आदिननत्तायाव कृष्णस्य ऊसकृत् विद्यावहजाधक
गुनर्वक्तायाव धानं प्रत्यहं नानापूजाध्यास्यानकथमदंदावसुखनवानं ॥ ॥ कृष्णगंगानिकाससुखनवानं ॥
रुतिग्रासरापवनिजनासंधवधउनविश्वधाय ॥ १९ ॥ वेसम्यायउवाच ॥ राजनमऊये रुधिष्ठि नत्वं मनिमयस
रासविज्ञातदास्य अर्ननत्वं कवचनदनरि यावग्मातुवधनवशजव अक्षयता निनकां स्वायावसुहासवयावधा
लं रायधिष्ठि नददादवक्क कृष्णप्रत्यासधादू नऊयनिर्णयायधकं यधिष्ठि नस्य कृतादमधयावपूत अर्ननस्यः
धालं कृऊसधनचिहायगुनिधनसुहासयाय मगिलकृजाजायां कद कलकोयऊउरुं नदिभां सवादाव कृ
वलं लं ऊयलपावधनकास्य रुयधकं अर्ननं सवचनदंदाव यधिष्ठि नस्य धालं रा अर्नन कृजाजायादंदाव

वत्राजनगानमकुलागथगन श्रवयावाकनया श्रसिखाकायाववकृनिवेत्रिजयलपावमिगयायउया
गयादाववाधकं श्रनकं सनानसंरितयादाववदं (मनाश्वजथसदादावउरुत्रदिसासवादावे॥रीमकुंदि
गसवर्न॥नकुलं कुदिगं वाना॥सरुदवकुदिगं वाना॥श्रुननउरुत्रदिगसयाकाजाजयलपावदिगि
जययान॥रीमनपूर्वदिगसजाजसमसंजयलपनं सरुदवनादकिंदिगसजाजसमसंजयलपनं॥नकुल
नयकिमदिसासजाजसमसंजयलपाववानं॥॥जनमेजयउवावा॥रावसम्यायजश्रजापनिर्ह्यदिगिजययाः
दायाविस्त्रनंकोदावधकंधायाव॥॥वेसम्यायउवावा॥राजनमेजयउरुत्रदिगसकुलिन्ददगयाजाजा१३
श्रुतदगयाजाजा३कालकुटपर्वदयाजाजा१सिंगत्रदिययाजाजा१प्रतिविंधयाजाजा१सफदिययाजाजा१क
मनाश्रयाजाजा१रुगदरुजाजामहाप्रियरुद्धथाजायातत्रसवीदश्रनकजाजाकिनादिगंमसागनादि
जाश्रयाजाजासमसंजयलपाववश्रुननसवश्रुदिवस८५४जनंरुद्धथलकुनंरुगदरुजाजायाग्रमनं

क्रमनमदु युक्क कृद्गदरु न शून न श्रु कलपाव वृत्तनपाव हानं ल शून न कृ पिताया धु रलं थथ द कृ धन्य
 न्यः द व गे ल्य कृ न पिताया धु व ऊ व मि र ल व ना पूर्व स ऊ व न् नु व सं ग्राम या दा व न् नु व गी रू दा व न्
 नु व अ क स न ना ग न व या व ऊ पौ नि न् नु व स स्वा य या दा व न् नु व कान ग गृ व कान मि गु या दा व न् नु व शो व न्
 वाल क ब्या कृ धा लं सं ग्राम या दा व न् नु व कान न कृ य म डि व थ न न कृ ध न्य स म स ऊ थ व त ल स न या व न यो श्रा व
 न् नु व का ज व या ध क र ग द रु न थ न न कृ धा लं रू धि षि न ना जो स ना य स य ऊ रू या य थ न नि मि रू
 न दि ग्वि ऊ य या य न ध ना दि का य ध क व या र ग द रु कृ पिता व गु ल्य क ल धा या कृ धा य ध ना दि द व थ वि
 रू य क न ऊ रू या य न वि रू ह न ध क धा लं ॥ ॥ र ग द रु उ वा व ॥ र शून न ध न ना श्रु दि न स म स ना शून
 जी व न य धि षि न स रू धि षि न व क व रू ना जा थ रू ल ऊ न स वा शून क वा लं २ कृ न शून क ४ ख न या व व ला व
 कृ वि ग्रं म या कृ न ध क धा लं ॥ ॥ नि ग्री स र य व नि उ रु न दि ग्वि ऊ य ना म वि ग्वि धा य ॥ २० ॥ वे स म्पा य

२२

उवाच॥ राजन भजय न जाग अरु न धावा दावरु गदली सक नमस्का जया दाव धाली शायि ना स कुन जमि स
कारु सम स्याता ओ वरु उरु यदि भव न कुन क न क वि कु न भयाव से ना यति न का वि स्य रु याव अरु
न वा दाव अ गि त्रिय व न जय ल याव पूर्वा य न गो द व हि गि त्रिय व न जय ल याव पूर्व य न उ य गि त्रिय व न ज
य ल याव ध ग सम स जा जा जय ल याव क मु त्रि चाम न सु व र्ण ना ना उ या दि का याव मा ल द को मू दा व ना धा व उ
बू क द ग या जा जा व रु न द जा जा न न क ला क ज थ रु सि अ ग्ध स ना दि द ल ह्ना दा ग द न य धा क य मा न अरु न
या स द न न न क मा हा ग द रु ल अ न्या अ न्य रु द म हा प्र न य रु द रु ल अरु न व ल्या य म रु या व स म र्थ म द या व
अ न क न ला दि ड द द व ता व ग न ना ग न व या व ध व ना न या ड या दि ध व न ग न स ना धा व रु सि अ ग्ध दि ज थ
स ना व लि ष रु को र्य दा व म हा द व ना जा सु दा ना मे ना जा सु र्ग क न ज या जा धा व रु ३ ना जा जय ल या व उ रु न
स पा वा न द ग या जा जा सम स जय ल या व उ रु द ग न सु ला या ल ध र्व रु धि षि न या क क द रु या व रु धि षि

नस्यंजनामनथनाधनगजकुयमालधकंधयावन्नरुनस्यंधनंरुगंजावसलयावनगजदयकावन्न
 कडग्रभाचकावधदगलंदलयावदगयसुनगजवदावदवसमसुप्रत्यक्षनाविन्दुनाजाऊयलयावध
 नादिकायावधनाजायासेनानसहितयादावविश्वनाश्वनाजायाकमालकांयावधोत्रवनाजायाकमाल
 कायावसमसुयव्वनसवाढनाजायाकमालकायावधनंरुगंभनकानयाजायाधोत्रवनाजामहानाजामहस
 यानऊयलयावसमूद्रगिजसवाढधोत्रनाजासमसुऊयलयावद्रसदाननाजासमसुऊयलयलं२१२०कासि ३०
 ननाऊयाजाजा१३ऊयलयामाधुलीकनाजा१०प्रियगलंदगयाजाजाकुंनलदगयाजाजासंख्यानाजायामा
 लकायावन्नरुवाजिनाजाऊयलयावउजगवागिननाजालावमाननाजाऊयलयासिंदयूत्रिनगजयाजा
 जाऊयलयादवयाढदूलहनगजरुगयादावसूकदगावालकपठदगयावारिकननाजयूग१२महा
 विजण्डवगुल्यरुद्धदिनरुधननाऊऊयलयावधोत्रववसायादावधनादिधनाथाववदावकाभ्याऊदे

गङ्गायलपावदददगङ्गायलपावधयामधसुत्रोत्रदगयाजासमस्तङ्गायलपावलम्बकककुदगङ्गायलपाव
त्रयलकावाङ्गदगङ्गायलपावअधिकदगङ्गायलपाअधिकसर्वमहात्रयप्रययशुद्धगानकामयवमहायव
सदगुल्यशुद्धशुद्धनकैयमानशुद्धननअधिकजाजामाचकावेङ्गायलपावरुदवानिअसतालयाद्वं८मयूनय
दिप्रायशुद्धाजिमरवृक्ष१४नानावर्षशुद्धशुद्धनकमाल१०००वर्षवर्षनयादनाथाववैयाहिमाचलयागङ्गासवा
दजाजामाचकावेङ्गायलपावमागाचलयवर्षगयाजाङ्गायलपाव॥२१॥ॐतिग्रीसरायवर्षनिशुद्धनदिग्दि
यनामानकविंशध्याय॥॥वर्गम्यायउवाच॥॥राजनम्यङ्गायलपावमागाचलयवर्षगयाजाङ्गायलपाव
दुपदजाजायायूयूदुमस्तनवमहाशुद्धनङ्गायलपावमालदका मूढनाथावगुप्तकवनिषवर्षदातगातगुयन
समस्तस्यनरुजलयलववगुप्तकदवगनमानसमावलम्बअधिकल्यानदीयावसहागकश्वनजाङ्गायलपा
वत्रनकसर्ववर्षकायावगन्धर्वदगङ्गायलपावगिफिनकलमाषशुद्धमन्दकादशुद्धशुद्धनकशुद्धशुद्धनकधनरुया

कथा

[illegible]

नूनासिस्त्रुर्नयादावधननत्रुर्नयानामधननय ॥ ॥ निग्रीसुखयवनित्रुर्नदिग्विजयनामद्वविंश
 आयसमाफ ॥ २२ ॥ रुधिष्ठिरसकश्राद्धाकायावलीमपूर्वदिग्भगवर्नरुसि नथा १२००० अथ नथा १२००० महा
 चक्रसनाधायधननकसनांसहिनयादावर्वदोसमस्तनाजायापूर्वदिग्भयास्त्रीजनसमस्तनादनरुललीमल्ल
 ववर्वदावर्पांचाननगत्रवर्नद्रुपदनाजायादगगगुनयादससर्वांधयादावर्वदावगधुकीयादगजयलयाव
 घनादिकायावर्वदोविदहदगजयलयावदगधुदगमहादृष्टनस्यजयलयावदंभवधुदगयाससमाज
 जावमहाअध्याजरुद्धदिना ४ सूसर्माजागमस्यास्यजादावधवसनायगियादावशाग्रकलर्वदावर्वकस्य
 नानसहिनयादावअथमधेधननाजाजयलयावधववसांयादावनाजा १००१ धनपूर्वदीग १२ पूर्लिंगदग
 याजाजाजयलयावसूकमाननाजाजयलयासुमिपनाजाजयलयासिगुयालनाजाजयलयलाधकंजव
 आवहूकेजगथयायधकंरुधिष्ठिरकंदहयावलादावकावधकंलिसलकंदहयाववर्नधसयावगिगु

पालथमवयाव पाद्यार्घाचमनि आदि नया दाव ही मर्त्तु न्या न्यचू म्नादिकु गलवाग्रादिया दाव जाऊ निवद
 नया दाव ही मन धालं कु जाऊ ऊ जाऊ कु ह ही मर्त्तु काऊ यांय स कु व या ध क ही मन धालं रु धिष्ठि न स्या जाय स्य
 ऊरू याय यां गंध नादि अऊ नयांय न कु क व या ध क ही मर्त्तु जाऊ न ऊ जीवं न रु धिष्ठि न सध क दिन १० धि वा दा
 व व न ॥ ॥ ॐ नि ग्री स हा य व नि हि म दि ग्वि ऊ य नो म ग यो विं म्भ आ य ॥ २३ ॥ वे ग म्या य उ वा वा ॥ हा ऊ न म ऊ य
 न लं ग द ग व दा व (ग्रही व न जाऊ ऊ य ल पा क स ना द ग या जाऊ व रु द न जाऊ ऊ य ल पा जाऊ २००० थ ग ऊ ल पा ३२
 व न्या ध्या या जाऊ हा र्घ ऊरू जाऊ ऊ य ल पा व (गया ल क क द ग लं द ल पा व पाल ध द स या जाऊ ऊ य ल पा उ रु न
 सां म क द ग ऊ य ल पा कु द्वि व न जाऊ ऊ य ल पा हि म व न या र्घ या ऊ न म व जाऊ ऊ य ल पा व रु रू ग या जाऊ थ श क
 द ग या जाऊ ऊ य ल पा का जि नाऊ जाऊ ऊ य ल पा व न न या दा व न यं य दा व स पा र्घ जाऊ व ल व न ऊ य ल पा म स्य
 द ग या जाऊ म ल य द ग या जाऊ (गया ल क मि द ग या जाऊ म ध धी न द स या जाऊ हा र्घ द ग या जाऊ या धु ल द ग

या नाराजयलपामनिमनप्ररुति अनक नाराजयलपादक्षिणमल्लदगशगवनकयव्वतगकना नाराजस
धर्मा नाराजप्रोति योदा विदहद सयाजनकं नाराजं ह्ययव्वतगया कि नाराज नाराज ॥ गुणदगप्रगुणदगस
यकदगजयलपामदयदगयादधुदधुनकगजजांति ५ गितिगदवयावसरुदव नाराज नक नदवतावव
यात्रगदगयाकधू हीमव्वदाव हीमकं यमानं महारुय रुद्र दिन १० कधू म्वाचकावजादावकंधिष्ठिन ससंव
सगैयाव कलकायाववयाव ह्यव्वतवासी नाराजयलपाव महारुयलपव्वतया नाराज महारुयलव नमोचकाववया
याधुक वासुदवजयलपावव नो क स नाराजयलपा मार्व गया धथाय सनय नाराज न महारुय नजयलपा समुद
स्यन नाराज समुद गिति प्रुज नं अगन ना नासुव सु मनिमूकादि कांच न नजगप्रवा न अनक नाराज न गते कोति
धालधन विस्तरु या अनक धन रुयाव रुधिष्ठिन सक ह्यवतावन मस्का नादिया दाव हीमवादाव प्रगदवि
याव गृह काल ॥ ॥ गिति ग्री हीमदिग्गियस ह्ययव्वतनि यो विंश्वधाय ॥ २४ ॥ वेग म्या यउवाच ॥ ॥

द्व

राजनमंजया॥ द्रुवर्षुर्न प्रगिया लयादावधवधवसत्राचालधर्मयादावसमर्षु लयादाव न्यायमर्जगायादा
वसमर्षु लार्क सुखिन्नयानश्रनकश्रनसंस्थं संपूर्ण मिथ्यावचनमदू समर्षु लार्क निजागिअग्निनश्रुदग्धम
याकपृथीश्रकलंकशुमिरुलंश्रनकधर्मवृद्धिमानरुलं॥ पृथीक्षियालार्कनसंगवर्षनस्थनं माचमजीवधनादिरु
धिरुजसद नं धनदयावरुधिरुजसं नायसूयज्जुयायनिश्चययार्ग लार्क समर्षु लार्क नंधं लंश्रुक्षिंक्षिं वया
वधालंश्रुधिरुजमाहजोश्रुक्षलया लंश्रुज्जुयायकाजनवलाज्जुयाद विष्काकुनं धर्कथधिदं वंनसंश्रुपूर्वधा
त्रिकानविष्काकवलंश्रुनकं दयादिजंनमनिहयावश्रनक लार्कन सहितयादावहसिअग्धनथादिश्रनक
धनद्ववगावश्रनक जलौदियागजन सूजसतजमदू श्रुक्षिंक्षिंश्रुधिरुजसकनमस्काजयादाव॥ श्रुधिरुजउवावा
श्रुक्षुसंश्रुयोदूकायाप्रगादनपृथीक्षिदं नाकश्रु लार्क श्रनकधनादिक्षुलया लंश्रुधर्कक्षुया लसदासंश्रुवनिक्षुलया
लंश्रुनज्जुयाद विष्काकुनंक्षुलया लंश्रुनज्जुयातदावश्रयनिश्चयापमायिवक्षुलया लंश्रुनमयातसांश्रुताश्रुक्षु

३३

33

५२

स्य

विदुनधर्कं धर्मवचनददावा ॥ श्री कृष्ण उवाच ॥ शरुधिष्ठिर ननु न जातस्य जह्याव चक्रवर्तिरु सनया ग्धखवच
 नमनसगन्धं यत्नं अथ जह्यावधर्कं ॥ शरुधिष्ठिर उवाच ॥ शकृष्ण सुजमनस आबहुनि सिद्धं लब्धं कंशलपाकुंद
 यादव नधर्कं ॥ वसंम्याय उवाच ॥ ॥ राजन भर्तृय कृष्णस्य आह्वा विद्यावशुधिष्ठिर हर्षमानया दवाव जह्यायेया
 नं वाक्मनयता विषयागं समस्तकार्जया दवाव सुषद को गुधवर्तं दद्यधर्कं शं सरुदव जह्यागं मालका वाक्मनादिः
 विषयागं मालका समस्तं सर्वलपव वागकायेदय कं नवधर्कं धवसात्रधिष्णु सनं हीमया सात्रधिसू सनं अर्ह
 नससात्रधियूत्रं शंसात्रधिसमस्तं जायायागं सामा मालका विनायावधर्कं शनकूल गन्धगन्धहिर्नं अथ अथ
 वाक्मन राजन यागकयता अर्न्नादि यकानादि वसुगन्धमाला विनायावधर्कं जह्यागं मालका समस्तं सयूः
 ह्नु रूपावेक्षलं शयासु धोम्ये वाक्मनादि वाक्मने क्षयाव वाक्मनं आमनु यादो व समस्तं वाक्मनवर्लं वाक्मनया
 ससविसफा विं सति अग्निसहितं सुधम्मा वाक्मनवा दवाव जह्यावल्कं होमकलवसंयूय पोल होमकलं नक्मा धो

मयश्वायार्थः॥थ सकलससिष्यसहस्रधालेधनसमृद्धिहानायादावा००८ ब्राह्मनसूत्रकन वृषरुनेकाजालका
 वसुवर्धुहंजनसावायावक्रिचिनेकाकारुमिश्रलेहसिगयावशुधिविजयाऊरुसवयमालेधकंदरिविगत्य
 तुनश्रदिनसमस्तसफयालप्रजंनकायावनाहजकावश्रनकवेवऊरुसालाश्रदिनयकावशुधिविजसं
 श्रयादकावब्राह्मनश्रामनुनयाचकलकायावब्राह्मनकालनाजासमस्तसकंदश्रामनुयाचकलकायाव
 ब्राह्मननशुधिविजयांनदिकामनुवियावऊरुमधुयवकावकेषुकीननतीयावसमस्तब्राह्मनववयाद्याः
 धावमनिश्रदिनयादावेश्रनकविश्वकमान्शुरुदयकावेध्वस्तवियावषदेअगुयादवाश्रनादिरुल
 पूष्यादिनदेवनयाखंनुनादेनदवदीयतीदीयतीगदसंश्रु॥१०००॥श्रुधिविजसंश्रुप्रीयतीप्रीयतीसेदुयतीगु
 यतीसदब्राह्मन॥१०००॥कीकीश्रुब्राह्मनयानलककीधेन॥१०००००॥चिचिर्कयानमीसहृ॥१०००॥संश्रु॥१०००॥
 शुधिविजसंश्रुनकलवादावहसिनायुजिसककयलकांलीलीषधननाश्रुदनावायकपावायविदूनदू

अधनकिजायनिसदयादगसावकमालधर्क ॥ ॥ गिग्रीसरायवनिपवविश्वधायश ॥ २५ ॥ ॥
 वेगम्यायउवाच ॥ ॥ राजनमेजयशुधिष्ठिरस्य आत्माविषावनकुलरुं सिनायूजीवन्दावरीषात्वीयहृति
 नश्रामनुयादावदुर्धनत्वं सुरुयादावधानदास्यं नकुलस्यं नमस्कात्रादियादावरीषात्वीधुगेजाकुदिद्रान
 कृपाचार्यविदुर्नादिदुर्धनोदिश्रामनुयादावमाहोप्रीतिराखानेधयावसमस्तं श्रयमानयायाववयधर्क
 धयाववर्नरुधिष्ठिरनाजायाजांसूयजसूसावददावसमस्तं आर्कवादाव रुधिष्ठिरत्वं सायनैवादाव
 यथायांसमस्तं नाजाद ॥ ॥ नुपुष्टवर्नरीषास्यनधुगेजाकुस्यनैः नैकहिरिदहिरिदन्तमर्धेयहृतिनर्वदा
 वसूमनासुकुनिर्नैर्नरुकिजनैः नैकनाजोऽवेलनाजापृथक्नाजाकर्तुं गत्यनाजायाक्षिकनाजायुगेसा
 मदरुनाजाहृतिनाजाहृतिग्रवागं ॥ ॥ श्रवस्त्वामाकृपदानेजयदधजयसंनगालोहगंदरुनाजागंगनप्रज
 नयास्तुक्तनाजासमस्तं यवर्गयानाजासरुदनाजायूनकवांसदवर्गदगयानाजाकलिंगदगयानाजाशक

मनाजाकुन नद गया नाजा अंधकद सया नाजा विनात नाजा पूर २ पृथी याद नाजा समरु नाजा कुमान समरु सि
 गुया लया पूर सहित याद वल रुद्र अनि नूद प्रधु मनादि अन के कुमाल वव समरु नाजा द पां द्या द्या च मनि आदि ने
 यादा व वाग मन्त्राल के ला गं पर्वे गर्थ गं रु नाना जल न च ल न या व ग या अन के अन पान रु द ला कृ षण विध आसन आदि
 न वरु संस्कादि संयुग्म यादा व ग रु प निर्ग स्या ग या व समरु नाजान समरु ब्राह्म न नं ऊरु मधु प सवान ॥
 वृं ति ग्री सहा पर्वे नि नाज सूर्य ऊरु कृ विं श्व धाय ॥ २७ ॥ वेग म्या य उ वा च ॥ राज न म्य ऊरु रिष्मादि को न व ग न या घा
 द्या च मनि आदि न या दा व न म स्का नादि या दा व ॥ ॥ रु धि वि न उ वा च ॥ ॥ हा रिष्मा पि ना म रु संध न ना
 द्यु स दान स कृ प स द्वा धि नादि स ऊ न या य म जि व क र्म आ न रु या दा के क ल से न वि ना या का न ध्व ऊरु कृ सक
 ल स ध्व न के सक ले स ध्व कं समरु नाजा द संगी ष या दा व प्री ति रा वा ने आ द न या दा व वि ना या का न ध्व कं का
 ल पा व ऊरु मधु प वा दा व के पू से व क्का ना या दा व का र्ज से क लं समरु दू ४ म स न रु के ला जन स व मु दं द वा

क्रान्ता पूजाय सः श्रीसामादं नानासमस्तपूजायाय सः उरुममध्वमश्वमऊनाश्रुआयाववियससंजयदं
द्वान्नामनादानेनालीमनासमस्तकार्जसंजिवमजिवशोचकयाननया हिनेन्यललेमनित्रोद्यादिकय
दं दक्षिनादिवियसधनयांश्चययादावदूर्ध्वननने वियकयानकधूतलं वीक्षीकसामंदरुं जयदं ध
धृगनाश्रु ऊरुयांश्चययादावतयावतलं विदूतवववोद सातकसथायकसंनलं आयद्विको हंगन
याल्याययायसकृपगया मालकायायसदूर्ध्वननयावतलं समस्तलाकैरुर्ममानरुवसमस्तसंगावशवस
मस्तप्रीतिरुवसमस्तनाजाप्रत्यगितनं अनके नलादिरुयावद्वेवगावगुरुसमस्तविमानवगुल्यथं वाक्मनना
सकलविसृजयाश्रुधिष्ठिसमाहादियमानवद्युयायसमस्तनाजादनालकायाय ऊरुसः अग्निदक्षिनावरुन
काकसमस्तंश्चो राजनादियावकाव सुवर्णयागसलोजनप्रत्यहं कूलकूलथाला आश्रितिनसमस्तदवगादसं
गुरुवाक्मनसमस्तं रक्त राजदक्षिना नसंगुरुसमस्तलाकैरुसंगुरुशव रक्त राजनादिसंगुरुशुलं ॥ ॥

ॐ तिग्रीसहायवर्षनिजायसूयऊरू सफाविंशधाय ॥ २० ॥ वेसं पायउवाच ॥ राजनमजयसमसु वाक्कनअनवदि
वादावनात्रदयमूरवनअपिलाकसमसु वक्कयुनिथरुलंअनेकवाक्कनधिधिवादअनोन्यवादधधंठेवमगव
जिवमजीवधर्कअनेककलरुषणुनवाक्कादिमीथावादगवगवयन्दिनधायाननिंदायार्गगुलिंदिनवादविवा
दगुलिंदिनधम्मकथादियुलिंदिनवदघाषादिअऊरूअअनेकवदिससूउवनयमदूनाजदसुंरुधिधिअससहालत्ता
दिसायावलालयलंरुविचंदुनाजायासिनंयधर्करुविचंदुनाजासनाजसूयऊरूसनाजायानिअनेकमउदवधउ
रूसनाजामउमदुअऊरूसविघ्नशयिवनिधयधर्कविनेलपावपूर्वयाकथावक्कनाकसहायारवममादावक्कषूअवेना
लसअघरुअनयायिवधवअसकषूसमाचकयिवधनयादावचानंदवदेत्यअवालखंममादावक्कयाहायाथरुयि
वनाधर्कअयअवातालगियालयासूकिशयिवनाधर्कधनिमूकिशयदेवतासमसुअवेनालकालवंनमालधर्करुदा
वेदवतानधालंअयनिमूकिशयगर्थधायवधिधिसंमनत्वादावमसूशयावमूकिशयवधर्करुदावदवतासम

३५

रूजाय लयलववधनिमयशलां दुःखादिदवतानसवलयंगया क्रीन कृष्ण श्रवणालरुयावरुधिरिज
 रूके सवलयं नमस्कां नादिया दाववाढ धसायाव श्रुतिर्न कन कसु धरुलंकां लवसाया कनो श्रयं गु ना
 जायन स्यं धमं गज लयाव धर्म संहान यायूव धर्कं मेहा चिका धनियो सिगु याजन विना धमं याग साम्भ
 यूव विना धयाग साम्भ रूयिव धर्कं चिक लयाव वाढ नानंद लं रूधिरिज स्यं प्रथम श्रयं वियू स
 यगा धर्कं जाजान चिक लयाव वाढ धसायाव रीष्म स्यं हानं रूधिरिज पधुग नाका नन गु दग्न नयो दा
 क्री धर्थिं ग्वेना जायनि श्रयं विव सादं प्रकां न यूजायाव वनिष्ठ (ग्रंथ प्रथम श्रयं विव॥ ॥ रूधिरिज
 उवां वा श्रयिना मह समरु स (ग्रंथ सुधर्कं कादू न धर्कं रावै समाय॥ ॥ रीष्म उवाव॥ श्रनेक प्रकालन वि
 क लयाव समरु स (ग्रंथ कृष्ण लं रू लयाव रू रूधिरिज समरु नाजा यासिर्न समरु प्रकान न कृष्ण (ग्रंथ कृ
 ष्ण सगज सं समरु सगज मद् ध कृष्ण श्रयं वियधर्कं धसायाव रूधिरिज स्यं सुरुद वे हादाव श्रयं वमु समरु

ह्याव पूजाया दाव अर्घ्यवियठं दा सीयाव गिगुयान महाकाधन पाव धालं हा हीममूर्ख हा रु धिष्ठि नमूर्ख धर्क
 हा दाव कुषुम अनक निन्दाया दाव हा दा कुषुम गिगुया लव रुद्र यार्त ॥ ॥ ॐ गिग्री सहाय वं निगि सुया लव व अ
 र्घ्य रुद्र (६) ॥ २६ ॥ गिगुया ल उवाच ॥ ॥ हा रु धिष्ठि नमहा २ ना जाय नी दय कं न याव नी च कुषुम गथ अर्घ्यवियना
 दा स्यव ना जा धा धव धर्क पूजाया यव हा न पा विष्ठ कुषुम गथ पूजाया यत नं कुन कुद्र ४ स्यन कुपे निवो लक ना जा
 या मर्जा ना म सैव अर्घ्य नि वन वा सिया रुद्र व गं ग पा गृहीष्म धर्न धर्म सैव ध्या उ व दं न न कुन पूजाया र्क कुधर्म ना
 ऊ धर्क समस्त स्य नं धा व धे नि न लि कु अ धर्म ना रु रु लो अ पूष्म कं जा द वे वं ग पूजाया र्क समस्त स्य नं हीष्म धन्य
 धन्य धर्क कृति हा व कं वा द आव नी हीष्म नी न्दा या यूव जा द वे वं ग पूजा या दा धर्क कुषुम रु लं दा स वे पु ल्य य
 जा या य अ जी ग्म धर्न न दा सा रु रु लं कुषुम न थ व अ जी ग्म पूजा गथ को लं कुन रु का गं थ पूजाया र्क ना रु म दू ला
 धर्क वृद्ध रु ल सा पूजा या यव हा न वृद्ध पूजा या य रु न सा वे स द व पूजा या य म न व ला ऊ य नी स रु व नी स यी

यवाश्वकृष्णपूजायायधर्कधालसाकृपनिस्त्वयासिर्नपीयवान्धवदायनियानिनायापदनाजापूजा
यायमठवलादाक्राससस्तगुनूधर्कपूजायायरुलसादानावायपूजायायमठवलात्रिलिङ्गधर्क
पूजायायरुलसावासपूजायायमठवलावयसवृधरुनेसाश्वकृन्दमृत्थार्थिग्वपूजायायधनसार्ण
पूजायायमठवलागयालपूजायानैरुमधुपस्तयमठवलावीनपेदिनपूजायायरुनसाश्र
ग्वस्त्रामापूजायायमठवलानीचगर्थपूजायानै॥पूत्रस्वसुउर्लमैनाजापूजायायरुलसादूर्जधनपूजा
यायमठवलापूत्रपाधमलापूजायायश्वायधर्कपूजायायरुलसाकृपावायपूजायायमठवलाहीन
गर्थपूजायानैस्वर्गसष्टपूजायायरुलसाकिंपूत्रषयाष्टकूमलाजागर्थपूजामयानैनीचकृष्णपूजा
यानैगजस्त्रीपूजायायरुलसाहीष्मकनाजागर्थपूजामयानैधार्थिदग्वालपूजायानैचतुर्लज्जलसापूत्रक

वासुदेव पूजा या यमन वलाहीन ला पूजा या यधनूक स (ग्रह धर्म) पूजा या यरुल सा व क ल म ग थ पूजा म
 यार्त वा धु ल व लु ल्य क भू ग थ पूजा या र्त अ न क क न का य न स ही न र्क पूजा या यरुल सा ग ल्य ना जा पूजा या य
 म न व ला नी व जा नी पूजा या र्त दा ना रा का र्ते ला क स प्र का न ध र्क पूजा या यरुल सा र्ते ला क य क या र्द ला य क्का
 ल व त्रि ष प न सू नाम म दू ला धि र्क पूजा म या र्ते न पू स क व लु ल्य र्ता स ध या र्य न समू द स व स वा द धा धि र्क
 भू ग थ पूजा या र्त ध जा त्रि लि र्क म रु व ना जा द म रु व उ य र्ते न या दा स व ल व न म रु व व ल व न ध र्क पूजा या यरुल
 सा व ल र्द पूजा या यमन व ला र्क नि मि र्ते न अ या ग्य र्क पूजा या र्त ॥ हा रु धि र्क अ क्क य नी स क ना न रु भू गु पूजा य
 य र्ते ल म व पूजा या यमन र्ते अ थ गु ला रु र सा ॥ अ य नी क्क य का क य क ल रु या क्क य नी ग रु खी रु व ला क्क य नी रु य
 न ग्या दा ना ना रु या नि मि र्ते न ला प्री नी द व ला क्क य नी नि ग नि रु न दा व रु रु या य ध ल दा व क ल विया अ य नी वी ध
 व रु ल दा व अ य नी र्ते क्क य नि क्क य व क्क व र्ते य द विया द या नू व न विया अ य नि अ य मा न या दा व ग्या न पूजा या र्ते

कृत्वा जालाक आचर्य साकृन् रुधिरि न अन्धशला अलकनर्क पूजायार्ग लकनवनर्क मखाढ पूजायाय धर्मात्मा धर्क
पृथी स्वर्ग्याय लयू रुधिरि न पूर्वजर्म या पुन्य न लार्ग आवथथ्य अजाग्यर्क पूजायार्ग सनददवेला थगन अधर्मा
त्मा रुधिरि न अर्धवियायाह गुजन सयाक रुधिरि न मूर्ख मखू पूर्वसृज नार्धमाचक स कृष्ण न ऊपनी स कूल अ
पूष धर्क कृन् ऊरू या न दा वं र्य ऊं अर्धवियमा लधर्क धा याव युधिरि न न विय धर्क अग्निका ल या दा निमिहिन
विल्वृष्टि कूल सृज न शयाव णा कूल सया दा वधवमा ए समान म्नी समर्क व क्री दा या क धार्थि दर्क कृष्ण ऊ नाध
अमहो पूष धर्मात्मा अजाग्य कर्म न ब्राह्मन या नूय धल लयाव वं दा व ऊ नार्धमाचक व धार्थि गं पायिष्ठ धर्क
पूजाया कर्क पायिष्ठ थग पूजाया यश न दा व श कृष्ण पाहु व या रुय गि न रु ल जाव कृन् लेख लय धर्क वयाला
कृन् लेख लय रू वे ला लेख लय कृन् नाज मद्र ला मूजा काय पाहु व धन हिन नीच कृन् नीच थग न नीच न नीच पूजा
यार्ग पूजा काय पावहन काव थ पूजा कृन् अजाग्य मश व द वं दु या अजाग्य पूजा नीच न न व पूजा काय व शो का प्रष्ट

रुजा ला गुफ था य स त र्थ न या रु विष्वा र्ध न न न या व र्वा न गृह न र्व द व दा या र्थ रु जा रु क षू रु धि षि न न रु कू पू
जा या दा व ऊ प नि स वि र्वा दि म द न स म रु जा न र्च म य रु ला अ न क प्र का त न स र्वि या दा न रु का स र्वि रु ला ला थ
रु ला गु वि या य र्थ रु सू च नी म्नी या र्ग न य स क वि या र्थ अ न्ध या र्ग क स क न वि या र्थ थ व तु ल्य रु ध नि सा य धू नो
रु धि षि न या र्ही षा या ॥ व स द व पू ण क षू या र्ग स म रु स न रु ला या र्थ रु क षू नी ल क ध क धा या ध नि सो य धू ना थ र्थि द
या पि षू या रु स वा दा व क्का य ध क म रु का ध या दा व मि गु या ल अ न क जा जा न लि च क व प दा दा व वा द ॥ ॥ ३९
रु मि ग्री म रु रु न थ स रु य र्व नि नो य स य रु रु अ र्थ रु न ध्य ४ ॥ २९ ॥ वे र्ग या य उ वा वा ॥ रु रु न म रु य मि गु या ल वा दः
रु वा दा व रु धि षि न र्व वा दा व अ न क म रु क व व न न धा या व लि वा दा व रु या व न र्ग रु मि गु या ल रु क रु न रु का ग र्ग क
रु या मा वा रु ग्धा नि रु न थ र्थ ग थ सा दा रु मि र्व धू स व वा स र्व लि म रु क षू र्व नि दा या य रु का रु य रु षू नी न्दा या
य रु का य अ र्ध म म रु ला ध क रु या सि र्ग वृ द्ध रु न र्ग मा न्द रु न र्ग रु नी म धा व रु न रु रु वि द्र या य जा वि द्र या य म र्ग व रु षू

संगत्वसकाचनमसंनकुषुर्वैरुलंपनवद्वमूर्तिचुनमसवधकं नानायकाजनवाधयादावतलंश्चसा
यावहीषात्वंकोधयादावधालं॥शेषाउवाच॥शरुधिंष्टिजगामाजिगुयालनीवपापिषुधार्थिग्वर्कचुनवत्
लयावश्रादजयादवादावरुयमालाकायश्रामाजिगुयालकोवधकं करियोऊरुलंवेनीसमसंऊयलपाव
म्वचकंआदावरुयावधवतलसगवसमसुप्रकाजननवत्रिषुगुषुधार्थिग्वर्कलंकुषुधकषुस्यमऊयलपाः
नाजाकलंसुधसंश्रुयमंविपावश्रुयविषयलंसुधयापिषुचुज्जानयूजामकावनचुधनकंषुपूजामयाकनकुषु
कुरयिवतुंवांऊनयूजायादतयाऊधकषुसंगतवाजधालंकुठिऊयलपावतवलोकेधिष्टिनचुनश्रुत्यवृद्धिः
श्रावकलंजिगुयालचुनवाधयादाकायंवृद्धनाजानचुगादमधवेचुनगधधायधकंधायर्वश्रुआधर्वचुनधालंस
मसंयासिनंवृद्धलंकुषुसमसुयूजानसंदडाऊनकुषुसमहिमाखासमसुवाऊनयाकेदकागुषुष्टिनिर्हाः
जकेलीकुषुर्वैरुस्यनयादेव॥शमूर्खजिगुयालश्रुयानियादनाजायनर्त्तकंजगुलवधयायनऊर्मकालवर्त्तक

भूत्रवगालधर्कं भूतकञ्जनदं दालाशुधिविनिस्समसुप्रकाशनं (ग्रुष्टगुननं धननं स्नाननं वलनं समसुनं (ग्रुष्टधननं क
 पूपूजायादाधनाजापनिसमसुञ्जनयलयमरुयाला समसुयासिनं वृद्धकषूस्नानवृद्धोद्विगोतिनी कृषियां नीवजा
 धिकं ४ वेम्भानी धान्यधनवानसुजातीभवज्जर्मनशा कर्त्तव्यावलन (ग्रुष्टर्क्येजायां यथसुनं नानं वृद्धवलवृद्धधननय
 पृथीसकषूत्वंवाहिकन (ग्रुष्टसुनं ददवला समसुप्रकाशनं सुनं ददवलामदूला ॥ वृद्धिस्नानवललेकीधेनी मुनिं विनयः
 पूषि धन धान्यलककगुल समसुगुननं संपूर्ण समसुदवकषूधनन गीधनपूजायावलिलिखि हामकहोत्रत्यागतवा
 न्धवगुंनसमसु कषू शगिगुयाल वालक सुषि कर्त्तव्यालन कर्त्तव्यं संहनकलधस्वतादकषू श्रीमूर्तिपूजेषमूर्ति कं
 पूयवमाहुरुनं कषू वन्दसूर्यादिनकग्रग्रह दिगम्भवनजं गमसमसु कषू सनी नसदव शशुधिविनि गिगुयालवा
 लकञ्जनक सवधननं वेननिद्यायाता मूर्त्तनक सव कषूसुतवर्धनाया यरु वद्वीदवला पृथीयावा नूकागननय
 रुवधमूर्त्तगिगुयालन रुकम सवधसरासदका सकद कषूटी नूत्यन न सवधधर्थिक कषूगथपूजामया यजि

गुयालनचनऊरुनिसूत्रधर्कयापयूजाधर्कधयावधयापिषुदधुलयमा लधर्कधयावलीषाठाधध्यावादा
 व॥ ॥ निग्रीमहालात्रथसहायवर्निनायसूयऊरुअधरुनध्या॥३०॥ वेसैयायउवाच॥ राजनेम्यऊयलीषाठाक्रा
 धनयावसहृदवउपदादावक्राधनयावउर्धवाकूयादावधालंलनाऊलाकऊनकषूत्तयूजायादावत्रयनंप्राक
 मयानंसेयायायेमजिवकषूयूजायादायासूनानंसहलयमरुतंउक्तापिरुकुंनिध्वंकायामादगऊखवःनयिः
 नकनंजावगयत्रावसूनानधायगानधाययधुगसनंआवायनंप्रीयवाधवसनंकषूधनकषूठयूजायायसूनान
 यूजायालंसहलयलंउक्तायाकऊननमस्कात्रयूजायालंसूनानमसहंयलंउक्तायामालसध्वःनगलधर्कधध्यास
 रुदववानेदास्यधयामसुकसपूषवृष्टिनानोपूषगधूवाद्यधन्यधर्कसहृदवत्वंहानंधवलसनाजदत्वंकषूठा
 क्राधनयावचादविननयावसूनिधादिवादावगीनवांद्यादिध्वावंधर्कशुधिविजलंअनिकऊनेनस्नानकषूस्यंगकोसावा
 दशुधिविजलंध्रवादावसमस्तनाक्रादक्राधलयावधालंऊरुसलाहंगनगंकागंलनऊमिसनगंकामवियकवध

कं उच्यते दादाव हाहा कालन गद्य कला लगद्य समस्त ना जाद रुद्र या दाव माव काव दू जो धन चक्र वह्निया य हा ल याव स
सु अस्मादि जा दाव वाद ही मा दी स्य वा द्म हा पू जा या दाव पू जा सं पू र्ण रु या व शासन चो न कृष्ण स वृ जा धून काव शासन स वा
शं दाव ध सा या व गि गु या ल या ग न ना जा ह नि ध न धा लं हा ना रु द्र अ स नो प गि रु य वृ षि र्व ग या द्रु व मा च का व दू जो
ध न च क्रं व ह्निया य ध कं गि गु या ल हा जा दा व ग नं रु द्र वि द्म या य ध कं श्व व ध कं हा नं स म र्क ॥ ध व ल स ही म का व न पा व
वा द स्वा दा व रु धि षि न स्य वा ध या दा व ही षा लं का ध न पू सं वा ध या दा व धा लं हा पि ना म ह स स म र्क ना जा द का ध
त्रय ना ध उ य सा म्य प्रा य ग र्थं स म ता वि दू न ग र्थ न ध रु द्र वि द्म म रु लं अ र्थ को यो न ध र्क ॥ ॥ वे ग या य उ वा च ॥ ॥
हा रु न मं उ य ध न व च न द दा व ही षा स्य हा नं हा रु धि षि न रु द्र ग्म य मू मा लं खि वा न सिं ध र्वा य रु व ला कृष्ण र्व अ र्थ
वि या न रु द्र न रु र्थ सिं ध दा दा व वा न दा स्यं खि वा हा ला र्थं हा ला धू का जा ग लं प दा व सिरु न खि वा मा च का र्थं ना जा य

नीसमस्तं कृष्णस्य मावकितं जिगुपालधूर्तमजितदार्ढ्यं नाजायनि धवनायास्यायनं खिक्कं दावन्नयकलं धनिकृष्ण
रुक्मनं जिगुपालमीयवधकं कृष्णं क्रोधनपाव मोनयादं वानं जिगुपालयागिजं कृष्णस्य दुकायवधयामरूकात्रयावद्वि
रुलं धनिमायिवधकं ॥ ॥ वेसपायंडवाच ॥ एतं नम्यजय ह्रीषस्यं क्षाया निन्दावाक्कदं दाव जिगुपालमरुक्रोधनपाव
धार्ज ॥ ॥ ॥ जिगुपालमहाराजसहायवर्धनिजिसुपालवधे अर्थहर्ष ॥ ॥ ३१ ॥ जिगुपालउवाच ॥ एहि श्रीलक्ष्मणा
खिवावगुल्ययादावक्कनक्षायानाजमदला वृद्धशयावनाजमद कुलीगलकुलाधमक्क नितियप्रकृतिमद वृद्धशयाव
धर्मिष्ठायापिष्ठरुला नामसुनंक्षायादाव नदाद खवायादाव नामक्षाकथं कानन कानलं गीवायादाथं हाक्षा क
यायाकायानं कृष्णननपूतना लंकजिति मावकाधकं कृष्णक्षायवज्जुगलमाव अमर्जातात मावकवधकं आमाकृष्ण
नायुनवर्द्धं सर्वक्षाकक्षा नीचलेयमालथमनीच नययकन कृष्णवर्द्धनयलं लवदं वधं वर्द्धलपलं हारीषा कृष्णस्य पूतना
मावकाक्क कोठुकपूतूषजातिन श्रीमावक कृष्णपूतूषाहं नउलं यकीमावकाक्क कोठुक वृषह मावका २ कृष्ण कोठुक जिवम

दुसकन हंजन याद कृष्ण न सुफ दिन (ग) वद न वाम ह सु न व ज ल पा व कू को तु क ऊ न र्या ॐ नु सम व र य या दा व अ
 न के अर्ण पं चाम गा दिन व ध के धा व ऊ क रु ग श व न ध गे अ न न ल क स भा च के व ध के धा व कू को तु क थ ज क नू प न ह त नू प
 न अ न क अ नो दि न या व व ल न मा च क लं आ व थ गे व ल थ द न रं अ ध मि वा सा दि स्यं क्ता ध म क थ क्ता या म क्ता ला ध म
 सा मु द ड क्ता य म्जी ज न वं अ मु स मु या का (ग) व द पा स न मा च का व स ख व न व्रा क्ता न व व थ द मा च क व थ व स्वा मी कं ग स व
 थ मा च क व स न ध ग ग व व क्ता मा च क व थ गे द कृष्ण न या क थ र्थि ग व व नू न पं ध लं (ग) व व नू ष श या व क्ता नी व कृष्ण या क
 म्ता ग या नं ला ज म दू ला (ग) व व म्जी व ध या क क्ता ग थं क्ता ग या नं स व क दा स प्रा य क्ता क्ता न रु नी या नं म रु मा या द वा द क्ता
 नं अ जा ग य क्ता य जा ग य क्ता अ य ग जा गि क्ता न अ ल ग क्ता या या क्ता उ स मि त क मा ल ह लि प की न अ हं का ल क्ता स्यं अ गि क दा
 व व स वा द थं क्ता न मू र्व स अ गि न द ह ल य मा ल थ थ या दा व ला क्ता य क्ता न जा ज म द ग स नं ज ला ज वा या थ न न म या न (ग)
 क्ता जा दा व न म दू क्ता म र्जा ता पा धु व या दा व न ॥ स त्प नू ष या क म स्य य क व कृष्ण या दा स क्ता दा स न थ व थो कू ल या र्हि न कं क्ता

नमः कृष्णाय पुष्पकान्तकपाययून्याविवालयमाकञ्चुधर्माय धनदावब्राह्मणसत्पुत्रपुत्राभ्यामर्थयापिष्टपूजायार्गं ॥
कृञ्चुधर्मीपूर्वसंजनसेयाश्चम्बादिकन्याश्चभवयांकवर्नयादवाधमहयावविचिंतयार्गं विलेश्चम्बागाश्चनावदूषः
यादावक्कालं नैकाददूषयागं विचिंतयिष्यमायावजाऊनर्गंधानेकनकावधयावल्लभानमकायावद्यासयाः
वीर्यधपूतश्चकुलयाभजागादधधजाकृगियाश्चैवभवाजिधकैधयावकपतनैवभवायलोकनसत्यकाः
लयाचकनधधमखनसाचुनयसकनिधयधनगासचुगायकहधर्मास्त्रानिधुऊरुसिद्धयसनेलाकमीलसर्गं ॥
चुनगधनदनेवधधरुवनेमखाग्मलयूजायागादहदानऊरुधर्मादिअपूतयानिहूलधननभवयानिहूलयायन
चुनयार्गं तीर्थऊरुदियाकंदनिहूलअपूतयावृद्धरुयावमिथ्यावचनयार्गं धरुलनचैस्त्रानिजननमाचकिवहंसनहंस
माचकाश्चकुदनयलसाददपूर्वडयाख्यानअभिलाकनधयाखाहसायाख्यानपूर्वससमूहनीनसवृद्धगलसवृद्धगाऊह
सकृष्णादवधससुमेग्यातिगगुनिधविलेश्चर्वदाधधर्मायावअधर्मायायमनवधकैसावसागनसकृऊकुदाधर्मा

गुयाव्यापमगवधकं समसुयकिर्णं धृढदावगादलपं गलं मान्यायादगलं श्रयासलपं गलं समसुस्यनं अतगजागियदि
 हं स्ययकावधनिददधेर्मकथागुकार्णं धननसमसुस्यनं विष्णुसयादावधवश्रुदकादलवहास्यनाथावधश्रुदका
 दसमसुयकिर्णं अश्रुगधकं धयावश्रुधजनमखादासुनानमावकलं धकं धृढदावकायश्रुधर्मायायुवेधकं वानं
 अनेकश्रुगानायादावकुर्णं वाजहंसनेधालं अश्रुदवधया निदानयादावसायधकं महावगुनहंसजधृढध
 यावधनश्रुगानादसायावसमसुयकिर्णं गितमश्रुवकुर्णगादसमसुकादावसमसुस्यनं वलेनकवयूयावेकादावमाव
 कलं धनाधं दकुर्णं वाजहंसचगुनवाजहंसजसमसुवाजादवाजहंसधयनिकाधनयावकुर्णमावकिवसावश्रुनकयू
 धकथाददकुर्णार्थं लारनवलस्यदानयार्थं नूयावमायुवहंसमाकथं मायुव॥ ॥ ॐ निग्रीमहालननं सलीयव
 निगिगुयालवेध॥ ॥ ३२ ॥ गिगुयालउवाच॥ शरीमजनासंवगुल्यसुनदमदूजनगुमयाउयावलकुषूवीरुद
 मल्वार्णं कानधालसावालकवकुशदयायधकं मल्वकलीमश्रुनं संगयादाववल्लिषूसंगयादावधमधालयायन

४३

वृद्धिं नृणां यादाव वादावभाचकाव अनकृष्णगोसंवज्ञासंधं वल कृष्णनसंवध्याहयनवासरुव जनासंध धर्म्म
 सा आभायनिस्वर्ग ३६ वं नृणां निरुयाव वादावस्वप्नादयुजायानं याद्याधोचमं नि आदिनयादाव होम अरुनयादा
 षष्ठीमदू आमादू नात्मा कृष्णयादाखन मोचकला आमी मूर्खकृष्ण कृपावाक्काधयाव लिख्यवे नि कृषिधर्क धायावल
 कामदू अंधर्म्म कृष्णयादायाव लिख्यवे नि कृषिधर्क धला कृष्णयादायाव कृष्णयादायाव होम वं सगवा दशव
 नधालं पादुवयाद मति रं गरुला हीनसंगयादाषन हो नो जाला क यादुवन धर्म्म गोलगाव अंधर्म्म यादाव दाखन
 मदू श्रीवगुल्य हीष्मयाखानधालदाव आग्वर्ग मदू अंधर्म्म यादाधर्क ॥ ॥ वेसं प्रायउवाच ॥ राजन मीजय हीष्मं त्वं अत्र
 कनिन्दावाक्कादादाव होम मंहकाधनयाव समस्त नाजादू ग्रासमान हीमया मूर्ख सा याव कृष्णस्य न धा
 यमकालस्वगहाव गंगं प्रायथं कांन मूर्खप्राय दादाव पृथी कं यानं हीष्मस्य जादाव मुनिवचन यादाव न यागिष्ठ
 याल कृष्ण मग्धा कल्पायवाधर्क धायाव वयाव जाद यदाव न याव ॥ गिष्ठुयाल उवाच ॥ राजा हीष्म आमा हीमना लगेवः

अथ निष्ठा यजुः कुरु लं अग्नि आमा रु लं यनं ग मा च क धर्क ॥ ॥ शीष्म उवाच ॥ शरी म सुष्म क चाद ॥ ॥ निग्री म हा
 रा न थ स रु य व नि नि शु या ल व धे ॥ ३३ ॥ शीष्म उवाच ॥ शी म पू द्य स च दि न जा या की र्थ नि पू ग जा न रु लं गी नः
 गु व गु गु जा या दा व जा न रु लं गं गं ग र स च स मा मा न म र वू ध ग द न लो क स म र्कं ग स मा न मा म न व वू न ध र वा दा व
 ग्मं दा व वा च क ल क्क य ध र्कं चो न दा र्थं थ थ वा ल आ का स वा नि न ध र्कं श च दि न जा क्क न पू ग म हा व ल व न रु यिव
 न रु स्त्री शी व न रु य थ र वा दा न रु य म न व नि दा न या दा व ल हि व थ यो मृ ए म दू का ल म दू अ म ल अ रु ल थ र्थं थ मा च
 क यू व रु क्का द व थ यो नि न दा या जा न रु व क्का न ध र्कं थ द दा व पि नो मा ना या ग्मा क रु लं नि गुं या ल या मा म न य व्था थ
 लि जा दा व न म र्कां न या दा व ध र्कं क्क स स्त्री ला पू नू ष ला म स या ऊ का य या ऊ व स या रु रु न मृ ए रु यू व ध र्कं आ मी क्कः
 न का य मू द ग वू र्थं ग ल दा र्थं मि र वा क्क य म ल म रु क स चो द लू फे रु यू व ला हा थ न पा का ठ द व यू व थ यो ला हा न न
 मा यू व ध र्कं का दा व लि थ थ यो प नि र्था सा य न दृ थो या ना जा स म र्कं व व पा द्या द्या च म नि या दि न या दा व स म र्कं न

जाने श्वयंक नयाका आद नन मस्का लर्वा यादाव समस्त ना जाद सा याव जाद वंग मव याव निगुया लया मामन ऊ
नविस्व वल ह्य सक कृष्ण सक क्का याव समस्त वव नाना कथा यादाव पाद्या र्धा वमनि आदि नयादाव वल ह्य कृष्ण
स्वर्न नमस्का लादे यात वदि ना जान आद नयादाव आलिंगन यादाव नाना कथा यादाव सुख नया न गुलि कि नी दि नवा
दाव जाद वमद या नलि वल ह्य या मुद ग निगुया लन याव सा याव या न को गु क वा या वलि स्थ कृष्ण ल वय क न दाव कृष्ण
स्वर्न अनव यम स या धर्क क्का दा याव मुद स ग य का व ग ल्क न न मस्त क स वा द न गु ल फ र ल वा द न या द को ना दा व व व थ सा
याव या दे वि स्थ कृष्ण सक ल क पू या व धर्क ल ऊ ना क्का ना व ल य सा दे क्क न वि द न धर्क धा या व क्क व ल क्क य ला डा व ल र्हा द धर्क
धा या व जाद व वि स्थ धर्क ल ऊ का य क्क ला हा न न म् लू रू य व सा ना अ य ना ध या ग ल क्क न स र्द न य माल धर्क धा या व सु ल कि
१०० अ य ना ध या ग ल ऊ न स र्द ल य धू ना स न कि स अ दि के अ य ना ध या न दा व ऊ न स र्द ल य म जिव धर्क कृष्ण स्थ धा या
व जाद वी ल्वा ह र्म मा न न ऊ का य या म् लू म् मा ला धर्क ल लं या व कृष्ण ल्वा य ह नि न ना ना प्र का न न यू जा या दा व क्का या व

सुखनमावात्रहिर्ष्यानी ॥ ॥ गीतिग्रीसरायव्वनिगिगुयालयाहसुयुननगुत्तफ ॥ ३४ ॥ लीमउवाच ॥ लीमगिगुः
 यालन्वाढायागिगुयालयावृद्धिमखूकषूयनमात्मायूयधयासलिलसद्वियावत्रयनाधयाचकावधनिठूयस्यमा
 चकलालयावधनिगुयालजाऊलाहंधनैकूनलाहंधनैमोचकमजिवधननजनसेनढमकाढधनिगुयालमवमखूवि
 ब्रूयागैऊऊजायेलयूधननयंतापिरुलंधनिविषूयैगऊयेकायनयकंलासावकषूयैसहलयंनानागुनी ॥ वेसम्याये
 उवाच ॥ राजनमऊयहीमस्यैऊमकथाकाढकावनिगुयालनकांधनयावधालैलीमयापिषूयलकषूयैऊनवधू
 नयैकाळैकलगतमखूलाभवमुगियायसलयऊनऊनगाऊवियिवऊनयसायकाययलसावाफिकनागादत्रदनागाध
 यनिगकऊनिमुगियावकधूयाकमुगियावलीमयाकउग्रसेनयाकमुगियावपूनअर्थनमुगियायरुलसाऊनिसकैः
 सुखसुमायाकमुगितियावलीमयाकमुगियाकावकायदूऊधनयाकमुगियावऊयदधयाकक्रमनाजायाकधयनि
 सकमुगियावकूपयाकमुगियाववीलकषूयाकऊनमुगियार्णयूयूयाहमनूऊरैशयाकमुगियावकषूयाककूमु

५५

गियाय हीष्मकनाजा दंगवकुनाजाध्वयनिसकमुनियावमहावलिष्ठ हिनकषूयाकुमुनियायहगदहमयूजकगु
हदवजयसैलेन विनागशकुनिसोवल वृद्धनसुबुकु वृषस्यनकलिक नकनम्वध्वयनिगकमुनिमयास्यकषू
याकमुनियार्गलकनाजानमानयादावगेवकु धार्थिगवजुषुन नीवकुषूयाकमुनियार्गमल्ययाकमुनियायमगेवलाः
वृद्धरुयवमूर्खरुलंथमनिन्दायार्यमगेवमगेवनिन्दायार्यमगेवमुनिमगेवमठदालाकनमुनियायस्वरावरुलसाहि
दन्तमुनियायमठवेला नीवलामुनियाय पूर्वया राजनाजामद्यर्पध्वयादवेवगकषू धनकूवियूडनिदलकनकूय
काजलनाजामदकूहलिंगयदिवगुल्यशहीष्महीमवेगगसहलिंगयदिवीदर्थमहास्वजहालावदिनचा
नसिंहननानाजंगुनयाव निन्दाधनानंददावसाठ सिंहया वासथाकीलाननर्यदावयुयह सिंहनजागलयाव
वाहनखायावत्रादध्वयद्विजिज्ञानयलयाव सिंहनसयाववाननयचियावध्वयकिमावकाथं कनमृल्यक
षूनननामावकिवनाजायनिस्यनलाभावकयिवनगाकूगारुयिव॥ वेगम्यायउवाच॥ राजनमजय गिगुयालयाक

इकवचनददावलीषाक्रोधनयावधाल्यापिषु निगुपालजल्लिंगपदि कुनक्षयाक्काधनाजायनिकाकृष्णाय
 धूकाधवचनददावसमस्तजाजादादावक्रोधनयावधाल्यालवियावदल्लोवजाजमदूधकैलादावजुपनिगृह्यवगुल्य
 धर्कैलादाजयनिस्यसंल्लयमजिवसमस्तस्यनवयावधूयावमियाकमिनयूवकधर्कधर्तजाजायनिसवचनददावध
 ल्लेलाजनमजयक्रुधूधयावक्रुयजनधयक्रुयनिजाजासमस्तजवामयादनयिनकक्रुयायूधकषूवरुद्धयायसामर्थदनसा
 ल्लायधर्कसुनमोलसाधर्गनिजसंद्वियदव॥ ॥ ॥ निग्रीसंल्लयवनिगिगुपालवधे॥ ३७ ॥ वेसियायउवाच॥ ॥
 लाजनमजयसमस्तजाजानंक्रुनादमधवलीषासवचनददावगिगुपालनक्रुषूहर्गलाकषूक्रुवायारुद्धयायश्रुक्रु
 जूयाधुवयायधनिक्रुजमयावेनिधर्तनजंश्रुलश्रुमल्लशयायाधुवमाचकंश्रुजाम्भक्कायूजायाकंजाजायाहस्यक्रु
 श्रुयूधधार्थिकयूजायाकधर्तनमाचकंलायदिजाजाजवनीक्रुषूवेनिमाचकंक्रुगकल्लादिधयापिमोचकलग्न
 लगीमदयावधर्क॥ ॥ ग्रीकषूउवाच॥ लाजनजल्लायपनाधजयाजाश्रुपनाधजवजवद्रुकिजकांमनूजवानदास्यधः

[illegible]

मदादावधयमालगावचक्रकायावचक्रनमस्तुक्तद्वयवावमस्तुक्तमलागसंगनिनयदलयावपृथीकं
यमानमस्तुक्तकदाया॥नक्तमनाकृष्णसंकंदविकथनजंदविकसंमस्तुक्तनसायावमस्तुक्तनकृष्णसंकंसागया
दावमस्तुक्तकागंदवधखर्वदावसंमस्तुक्तजाडाकौतुकवायावगिगुपालनकृष्णयोनधर्कधयावचानत्रनग
वृष्टिरुववजयागपृथीकंयमानसमस्तुक्तजाडानवाकयावनाहाधयाववाढगिगुपालयावकृष्णकागुलिक्कीस्य
नक्तमस्तुक्तवर्णनयाववाढनानयादिमपिस्तुक्तयादावक्कालं॥॥रुधिरिजउवावा॥शहीमादिगीघनदाहाः
दिदगक्रियायादावगिगुपालयापूगनाजासालावसंमस्तुक्तजाडानकृष्णवगुयादावधगिगुपालधवसनिनगालगा
वसंखचक्रधलनयावविष्णुनिर्वद॥जयदात्रयानकपूर्वदालयालकधजस्तुक्तधनलिअविद्यरुयावसुखः
नक्तमस्तुक्तननयाववियावनाजापनिस्तुक्तनाभयमस्तुक्तलसंमस्तुक्तजाडापूजायादाववाकृष्णनपूजायादावक
पूचगुर्जयादावजस्तुक्तननयावजस्तुक्तसंपूष्पादिगानिजस्तुक्तलनरुधिरिजल्वशुर्लकालनगियावसंमस्तुक्तजाडान

सदा सुगियादावजयनि च लया लंदासधर्कं जयनिथवथवनासुवनन आसुविदुन धर्कं लोहीमादिश्च नाजाय
 निसदयानजसुसिधनाथवनासुसंगाथवधर्कं अनकजथहसि नृगजलादियगादवियावकालं कृष्णस्यव
 नध्यायावशुधिष्ठिरस्य कृष्णवर्णनपावकुमिसक आसुकायाव कृष्णवर्णवादाव समसुजादवन सहितयादा
 वद्धानिकावार्ज ॥ लोशुधिष्ठिर नृहं कालमनवप्रजायनिया लयायमा लधर्कं कालयाववाढ दूजोधनगकुनिसो
 वनसरासायावचार्ज ॥ ॥ निग्रा म्हा लोअथसरायव्वनिजिगुया लवधसमोफ ॥ ॥ ३४ ॥ वेसयायउवाव ॥
 लोअनमजयसुकुनिनसहितयादावदूजोधनल्वमनिमयसरासात्रदेवोवहसि नृयूजीससायमदयनार्गथि
 सायदवधर्कवादाव शुधिष्ठिरजायायधूनकाव मनिमयसरास्वादावधध्वचो लंदूजोधननाजावादाव सु
 निकरुमिजुलथवाढ लयावन्नदथासायाव वादाव समसुस्यनरवादाव लाजवायाव काचुदाववादाव च्छेरी
 नाजलरुतिकवर्णनवाढ सु लरा लयाववादाव वसुधनगर्पकार्गदाव वसुध्याक किंकलनाकस्यनिहलाव

कर्त्तुं ललथलमस्य धर्कं रुधिरि न स्यात्वा दाव व सुवियाव लीम न कु न सह्यव द्राय निश्रदिन महाहास्यन क ला
 व दूर्जाधिन लीम क ला व द्राय नि क ला म सह लया व ध स रा स चान म ग व ध क वा द खि दू ल य द्रा दि वा दा व ज न न
 या व लं द थ सा या व स म रु न हा स या ग स म रु मि ध क वा दा व गु धि स का गा द वा द थ का या व का न वा द थ वा द
 दान रात्र या व वा द दान म र व सु वि वि द म रु क स हा र रु धि रि न स्या सह्य व वा दा व दान क न का व रु धि रि न
 स्या न क य सा द वि या व रु सि ना यू नि क्को ल च न न्य द म द थै व स्या वा द ॥ ॥ या धुं या ग्री सा रा व ध ग्री ग थ ला व क
 ध क रु र्हुं या दा या डाय नि ग म व न स र्हुं ग या य द यि व ध क ना ना वि न ल या व वि षा दि या दा व वा द वि व र्नु य या
 दा व वा द म नि म य स र्हा थि द ग ल ला य द यि व ध क उ स र्हुं थ वा द ग क नी न न्र न क ध स्य न दूर्जाधिन न क्क गी म धा
 व रा दूर्जाधिन कू नू र्व म स थ ष क्क न वि षा दि क्का य ध क ॥ ॥ दूर्जाधिन उ वा च ॥ रा ग क नी क्क न र्हा सा क या खा म स
 व ला रु धि रि न या ग्री स य द सा या व रु य नि म्वा य मू मा ला द व ग न स र्हुं द भा थ्य ना ग न स रु धि रि न यो व का

४८

लनत्रत्यजलसाधनयुथं जडधथमहावलिष्ठ निगुयालनिमिषमाणनमाचकर्ज ॥ कृष्णस्य समस्तनाजानक
भूतसहलपलं कानक्षलसाधुधिष्ठिनयायगायनमिखाणं सायमन्यादानत्वादिवमुजाजायनिर्णयिद्यावय
वगयमानधसायावज्याददहलपूवर्कधयावलासकृन्निपाशुक्कं ज्ञानप्रवगयादावसियत्रधवाजलप
वगयादावसियत्रधवं विषनयावसियत्रेनियातवग्रीसूनातसास्यं चानिवजधवनाक्षरुकायाधनदगैरुधिहि
नयापृथीकियादधनत्रादिनैसमस्तकालं ज्ञानीमरुवयूषमरुवनयूषकं ज्ञानधिष्ठिनयाधनखादावसूनातः
हरयायहयिवरुधिष्ठिनयाग्रीकायमजितरुद्रादिनयातसर्जं जधंवसखायमंदनरुधिष्ठिनजानयूषकप्रायधुः
काथर्थे(ग)ग्रीसंयदधरुलाजमहावलिष्ठरुयावधकलालायजिंवदेवप्रमाणदेवनक्षुयायरुतुरुधिष्ठिनादित्र
नकयुकात्रनमाचकलालयावयादाधधनममाकदेवननक्षयादावयूषार्थधयाललदेव(ग)॥ ॐ नु या
प्रियासिनैरुधिष्ठिनयातवग्रीदेवनयादानलसकृन्निष्ठरुहिनापूत्रिवादावजववूरुयाकधवधर्क ॥ ॥

ॐ मिश्री महाशयनसहस्रनिद्राधनवाक् ॥ ३१ ॥ सकुनी नृवाच ॥ शदर्धाधनश्चसंपदसायावत्तुनविषादिमन
 वत्तथासायावत्कायकाधरुलंथयनिस्यंथवनाकास्यंवाढधूकात्तुनधायथश्रुनकप्रकाशनउयाययाढानमाचक
 मजिबवगुगृहदाहयाढानममाकडापनिसखायादवनधूकाडापनिधिंढश्रीप्राफरुलंरुषूथिंढसखायशुलंरु
 यनिस्यंमनरागपृथीकृवालगत्तुनडापनिसदालगपृथीलगलाहदवडापनिसवाकृविर्जवलनपृथीज
 यलपावत्तुनकधनरुनंथथ्रहयाधनसकायत्तुनविषादिधर्कहाढावश्रुगिसकंदश्रुदयत्तुप्राफिरुवग
 नदिवधनंप्राफिरुव ॥ पृथीयीनाजाढवसायाकस्वाधुवदाहयागदास्यंवनाग्रिनमायगंढावमयासूत्रगेः
 जेढवयावलकलपावमयासूलनश्चसहादयकंविषावधमनिमयसहासुकिंकजनाकसनवसत्तयंवाढधन
 तुनविषादियायकायनिन्दलयेढमनंवयाधुवडाकाधयायकायसाहयमदसाहयदगसासंग्रामयाढावखाढाः
 वत्तसंपरिंकायधायश्रुजाग्यदानश्रुवस्ममाकर्णमकुनीरुसौवलमिगुर्विदाजयनीखेकासखाययाढावप

थिऊयलपावऊरूयावधकी॥ ॥दूऊधनउवाच॥थयनिऊसखायमरुवचुचुक्रासखायरुलसायाधुवऊयल
यैपृथीवैसायांयपृथीऊयलपावआकाक्रायमनिमयसहामदूयाधुवऊयैलपलसासमरूंदवसहोआदिनंद
वा॥ ॥गकूनिउवाच॥एदूऊधनअरुनहीमकूषूशधिष्ठिननकूलसहदवजायदनाजाकयूगंरथयनिदकी
कसूनानैऊयलयमरूमाहानथीवलवनसमुअमुरूरुंदरूरुइनमावकैमजिवथयनिशधिष्ठिनचक्रागुऊयल
यसावधकी॥ ॥दूऊधनउवाच॥एगकूनिममरूलाकममावकैऊयलयचूप्रकानेनदगैआप्रकानेनसीवधकी॥ ॥
गकूनिउवाच॥एदूऊधनशधिष्ठिनसगालिरुलसमहानयरुलमसवमखायमरून्यलनास्यनदगयाकगलऊधः
ननऊनरुलनरूदावसमरूंकनावियखाकाजाऊआदिनैमनिमयसहोआदिनैकायावचुवियमखाधननाडुस
कआग्याकायावरुलखाय॥ ॥दूऊधनउवाच॥एमूयासकूनिचुथवृरूकनऊववूरूयाककूनधाव॥ॐनिग्रीमहा
एननसहायवैगिदूगवाकू॥३८॥वैसंपायउवाच॥एनाऊनशधिष्ठिनसनायसूयऊरूसदूऊधनयाचिखादिम

नीमयसहस्रलाजलश्रावसमस्तसुकुनीनधुतनाकुलंकादावकायशवविवर्धुशवगर्जमदुदुस्वीहाहाकालः
गमकादिदुर्जाधनधधशवधयावधुतनाकुलंकादावकायशवदुर्जाधनसंवाधनाहावानहार्गहाय
रुक्मनदुःखसंतापगमकशवखादावसमस्तनामयानिमिलिनकुमुदहशवस्त्रीवकुणयनधवलगुरुदवजाम्भ
दयनलमनिआदिनअनकदलंकायविषादिसंतापमालं॥॥दुर्जाधनउवांवांहायितासमस्तजदवनानास्वा
दिजंकाधकृतानदहनयलंथदुःखजंयूषमखुवेनिनधवरिगर्वाधवश्रुपमानयागदास्यपिदायागदास्य
वेनिमावर्कंरुगसाधयूषधायनागासंताखशयमगेवदयावकशयनवधायवमान्यवाकायायमालधायववि
क्रागसायमालधायोवधुतमदुक्नाजाशुविष्ठिनयाग्रासोयावअग्निनजदहलपावेजविवर्धुशलेधयनीसग्रीसा
यावधनादिसंपर्हिसायावजमहाकधयनिसहयकृष्टिधयनिसायममालर्कजनयायम्वानालंथुकासायमा
लिवधयनीससंपदज्ञायावकायपूर्वनाजायासिनगवस्नानकश्रुमिनीसहस्र८८००००नजगत्पागुदानिविस्थ

१०

[illegible]

[illegible]

या ॥ हायिगाविदूजनरुलखाचक क्कादागनयकयिव विदूजयावचनढदाव कुनरुलखाचकलसानिम्बयज
सिगदाव विदूजनसहितयादाव कुननाझयाव रुकनयथाढ मिदानला कुनजाकुशयिवधक थथ्थक रुगंधायाव
उानढदाव धुननाझुनसवक र्वथंयावहार्ग हांलाका रिनकं सहादयकं रुधिष्ठिनयासिर्न रुवधाढ सहायादा
व दानसगच्छि १०० र्वमृसगच्छि १०० सुगिकसुवर्ण नलमनिधननदयकाव थसिधलदाव थिरुलखाचकधक
दुर्गाधनयाविक्का गानियायन धुननाझुस्य विदूजवांनकलक्कायाव दूगनरुलखादाव रुलनरू दा व या धुवया
हीसंपरि कायधकंधायाढदाव थथ्थरुलसान कोनवर्वसमायिव निम्बयधकंधायाव वयाव धुननाझुसक
नमस्कात्रयादाव धालं हाजाउनरुं नयाया ला रुलखाव धकंधाग्रयं नर्मगल महिद कुमोवाता सकल समरुसं
महिद धकंधाग्रवाढदाव धुननाझुस्य धालं हाविदूजउापनिरुलखानदास्यं कुंरुसमरुं विनांदनवांनखाव
कक्षन कीदाधका कुंरुदलउापनिल्याय धाय क्कायिवमखू कुंरुमयलसर्न श्रावया कुवादाव रुधिष्ठिनवा

दावहिवधकं धरवा वाधयायमगव देवनयादावहया च्छुल्लंशशयिवधकं धरवदाव विदूत्रयामहाविवादि
 दू४खयादाव हिष्म संकवादाव धरुल्लान्नधालं ॥ ॥ ण्मिथीमहाहजग संशयव निदूतवाक् ॥ ॥ ३२ ॥
 ऊमा ऊउवाव ॥ रावेसंवाय ऊमाय निर्य सर्वसमाव काव गथरुल्लान्नं गथरुल्लान्नं धरुल्लान्नं सहास सहास
 वसमसं विस्मान्नकाद्रुनधकं यथा या नाजा समसं माक धध निमिहिनधकं ॥ ॥ वेसं वाय उवाव ॥ शाना न स न
 र्य सोनकोदिमपिकानं धननां सुखं नाक च्छुल्लान्नं मययकं गुफथाय सवादाव दूजधिनलानं शयूग रुल्लान्नं यच्छुय
 विदूत्रस्यमगव धालं धरुल्लान्नं दूजधिनया महाक सं या दाव चानं धरुल्लान्नं दूजधिनवादाव दूजधिनवादाव गदूनि कर्णश
 दिन गुफनद दाव याद विदूत्रनजक हि गयलन अहिगमयाक अनधकाहि नर्व हयूग रुल्लान्नं धरुल्लान्नं दूजधिन
 मययायू रुल्लान्नं सा च्छुल्लान्नं कल्यानशयिव दूहस्य मिठां रुदुर्गं गका श्रुसुसु विद्याद विदूत्रसव प्रिकानरुधः
 धिद विदूत्रया वचनमद नमगव विदूत्रसमान हानि हनं मयू धयावचनवाधयायमग शयूग वव श्रुजाया नाजस

[illegible]

१ सहाय्यनि

१ सहायवर्णि मयुः जमस्य २ रुतदया रुतकार्यं नरुयाव सुवकनकाय का मायापुननविन्दसगनावजस
रुनिकरुयाव रुतधलसयमययकं च वलपनया सनरुं मनिनयसहास थसहावनकाय
रुनरुलरुलयाव लंदयासायाव वंदा थर्वंदाव हीमनरुहायया न थलरुलमसंवधकं थव
लसऊ रुलथथं थथं वंदाव रुलरुलयाव वंदाव रुलसलायगादाव समरुं लोके हास्यरुवधवलसहीममांव
केरुलया थवं लसऊ वापीसंजापद विया वंदायगिदहास्यरुलं मुासमरुं हास्यरुलं थवनसऊ मरुज नरुं रू
याव गिय रुलयाव याकवमुर्णं वंदाव किं कनजासहादाव वमुवियकाव गियाव थवलसऊ सिदाहा
लया थथं दयिहावयाव दालरुलयाव वंदाव दानमरुवमने मरुक सहादाव लिं थनरुल सहयव
नधसयूदाव दानमसंवधमने थनावाधकं लंकेदावकास्यरुयकाव कानकास्यरुयाथं सहयवनेरु
या समरु नलया नाम सायमन्या दा नलया नाम ॥ ॥ रुतिग्रीमरुहानन सहायवर्णिदूत ॥ ४० ॥ ॥

१३

दूर्जोधन उवाच ॥ शयिना समस्त जाजान उरुम २ वसुहयाव सायाव ऊथव नाम ममूमादा वाज्ञीक जाजान ह
या कदत्रियुसमान कवल कुषू सातच मर्वसु हानुल्य सुवर्णन विगु विविगु याद यागवसु अनक गिरिह नवः
हू नृग्व ८ हू उत नृग्व ३० उ हू हान ३०००० नत सुवर्ण श्रीदिन नाम धनीक जाजा या र्व कंदा वाक्क हा जाजा १२३
यक क जाजान हया सुन्द वी श्री या अर्ज काल हखन १००००० अग्व १००००० यीवन समस्त हू द क च जाजान हः
या श्री १००००० अग्व १००००० सुवर्ण अर्ज काल हखन समस्त समुद्र क जाजान हया नत कुषू दिन अग्व अनक
दगु याल दगया जाजा माल दगया जाजा र्व गद गया जाजा अर्ग दगया जाजा अनक द वृहव याल मूदि १०००००
उ हू गद हू महिष वासी आदिन नाना जनु नवूय कं हया नं उवा अर्ग र्वा थिद मनि द्वात्रि नदू मधो क हू गद हू जाजा
हू द्वात्रि न र्ग द्वा व दू हा वान मदू यवन वृगी अग्व ने जाव न याय हू सि अनक मन क नदयका कलश समागिक नत
नयूर्ण यादा व द्वात्रि विया वं नलि हू गद हू दू हा वन दनं समस्त क सुव हू द यग वनं गृणी अक च क नाना द सया थ

धिठववउर्ध्वमुखश्चमुखः॥ एकपादधधिठवव द्वात्रिंशदसंज्ञकं नत्तसंविन्नकचक्रनत्तसद्विचक्ररश्चिचक्र
 धधिठववदवधधिठववद्विहवद्विहयमदसुवर्णनौयश्चसंख्याहिन्नवर्णश्चन्द्रायुमवर्णश्चहनुनउन्नश्च
 स्वर्णनकाचक्रक एकपादनहयाचनदगयाजाजाद्वनदगयाजाजागुक्कदगयाजाजाचनकय्यठदगयाजा
 जायात्रिषदगयाजाजाहिमवन्तदगयाजाजाध्वनद्वात्रिंशदधनिमसंज्ञकं उगुगीवाश्चमनवगश्च १०००० क
 वल्लवृक्षचर्मयातवमुक्तिनञ्जवमुक्तानाविचित्रवमुक्तप्लाजिनश्चनकश्चसुसुश्चनकनगगधनिनानाजत्त
 धधिठद्विहवन्तमदगकंदगयाजाजाकैवाजदयाजागुखानदगयाजाजामदगयाजाजादगकाठिश्च १०
 ००००० स्वर्णनदयकावगयायमध्वयासिर्नश्चदिकश्चनदद्वात्रिंशदसंज्ञकं पूर्वदगयाहगंदर्हजाजायाश्च
 गनश्चनकयर्नकिन्नानाजत्तमनिहसिद्धकञ्चिन्नश्चनकनानावमुक्तानाजप्रकाञ्चनकं नत्तचक्रध्वनविया
 वल्लिचक्रगदनवदं वाक्कनयाथयद्विहयावे॥ ॥ इति धिनउवाचा॥ हापिनाथदकोदइमकास्यं नयाज्जहं सदकाया

५४

[illegible]

जायनि अनक नल लकावधि कल पूछुक नम निफ द विद पाथे चीन द कूल क गिक यग धू धन द ग या
 नाजाठ दानि नंद म क्का क धन द ग या नाजा थ व क्का य ल ल गा व अलं काल न गिया व दू हा या व हं नी व मु ँ सा
 द क म नी वृ वि श्री क्का द गं व र्वा का न श्री रु यं रु म क दं म धि य र्व गा का लं ध म धी द व क्का दू रु य द ग गु दी ध न न ल
 क्का निं स्य नं व रु द क रु सि १०० क्का व गिं स्य नं स म क्का नाजा या र्व ना रं ल सा सु ना न क्का य रु यि व दं व गा या माल वि रु न थ
 ग न्ध र्व नाजा न वा यू य ग न रु य रु व अग् ५ ल थ व रु ग न अग् १०० आ का ग गं व ल ल र्थ रु व गा मा दि हा ला या अग् १००
 क द स या नाजा या क रुि अ र्सा र्वा रु सि व रु द न म ल द स या वि ना न नाजा सु व र्ण सा न र्सा र्क रु सी २०० सु ना व रु द
 ग या नाजा या रु सी २५ ध न न वू य क रु का रु का रु य का व न ल सु व र्ण मा ला अग् २००० सु स म्मा नाजा या ध न ध न
 द व सा या हा यि ना दू प द नाजा या सु न्द वि दा गी ५००० सु व र्ण लं का न रु ष न द्रा य गि स रं वि या ग र्व नं का न न र्सा
 रु क दा गी १०००० दा स १०००० रु सि न थ २५ न ल य र्ण या दा व थ व ना रु न र्थ रु व ना व न र्सा ॥ क पू र्ण रु या रु धि

जनधनराययकनडापतिनविवाल्याकधनविर्यदृक्कयालाहधनवियाधाधिदशविस्त्रियामहिमाध
नर्जनविद्यादिशर्ल॥ ॥ ॥ गिग्रीमहाराजगोसरायवर्षनिर्दुर्गाधनदुर्गवाक् ॥ ५१ ॥ ॥ दुर्गाधनउवाच॥ रापिगावृद्ध
२नाजानेनशुधिस्त्रिजसकसवायादावयादचक्रवर्हियायनाजानेसमस्तजाजावाक्नकिर्हिसवादशुधिसिजसः
ऊरुसंपूर्णयादावतलकनाजानेसुवर्णकलससुगिर्थजलथदावहिर्धूरतिर्थजलनस्त्रानयादागाकिजलनस्त्रानयाकसुव
र्णनथसशुधिसिजवाक्कीकालथावदीयतिनधजदक्षानदगयाजाजानयुष्मालानेगुपतिस्त्रुदववसुदामाजाजानयाग
हसीमस्यदगयाजाजासालिशुक्तिप्रकलम्बनलस्त्रयायादूकानवकिगाननधनूस्वज्जगल्यदावचूनिजेवजाजान
सुवर्णदिशुर्लंकालस्यासमपिर्ह्यशुहिसकयादायनसुनामप्रहतिनवाक्ननाजाशूनकसात्यकिनसुवर्णकुगुश
ननहिमनराजनमालनकुलसहृदवनवगीनवनूनस्यसंखनशुहिसवनशुमल्यसंखनधसंखनशुहिसककुपू

स्यंयानं धनं यावत्तु कष्टं विखादि शून्यक संख्यं नमहा ग्राहमानं जातमसं धनं दानं स शून्यं न वंदा वधसा
१०० ब्राह्मणं क्रायति विद्या पूर्वया नाजा न किं दत्तं यौवनाय मनूयुश्च रुगी न थ धनं या सिर्नं ग्रीव न रुधिष्ठिलह
त्रिचन्द्र वगुल्य रुलं धया सिर्नं ग्रीव रुलं श्राव या रुम्बा य या उ या य द व लाम्बा य ध्य ग्रीम का स्यं म्बा र्यं म यं या पिनाम
दूपाधु व या थ गुलि ग्री संपद अ य नि स थ गुलि ग्री हि न थ न न रु चि व र्ण रुलं ॥ १ ॥ क रुलं द ४ ख रुलं क रुलं ॥ ॥
॥ ति ग्रीम हा रु न ग स हा य र्वं नि द नं द रु ध न वा र्क ॥ ४२ ॥ ध न ना रु उ वा च ॥ हा य र्वं क रु र्कं ग्री रु र्कं कू पाधु व या क
ध म या य म न व पाधु व न कू द ४ ख वि या म दू थ धि ढाल पाधु व द ४ ख न क ल सा कू नं द ४ ख रु यि व रु धि ष्ठि ल या क वि
का न या य म न व ध म म न व कू ल नी रु या व थ ध र्म न म ठ व रु धि ष्ठि न न या दार्थं कू नं रु रु या य य ल सा रु रु या व
कू रु र्कं शून्यक धनं समस्तं ना जानं शून्यक रु य व थ न न कू नं रु रु या व हा य र्वं य न ध न का य म हि ढ य न ध न स वि नाः

यायमनवधवधनसचिकायावत्यावायायावश्रायदासगंहिनमतिरुयमालुङ्गागयायहायुगुरुधिसिन्नवधेख
यायमनवमिगुदाहामनवयितामहडागुनिश्रजाउगुनिसमस्तुक्तुशयावउनुगल्यादाववानमालुसाकिविह
रुसंभ्रनकदर्हदानयावनानायकाननसुखगुक्तुनयवाधकी॥ ॥॥तिथीमहाराजतसुखयवनिदुत॥५३॥
श्रयापाल४यनाथेषूनीत्याग४स्वकर्मसुउयमानक(धस्वतामनद्वहयलक्ष्मी॥ ॥॥दुर्जधनउवाच॥श
यिताकुवदुगुतरुयावश्रथमस्यवपकिनिनयजिनस्वादमस्यवथीकुश्रुद्वानिशयावजमतिगुषुयायनना
नायकाननकुनक्कालुङ्गासंयहिरिनीवहिनकुनवर्हसमउकुनवचननयादानमखाजपनिसुनाजामरु
लपागुवयाश्रायदाहहिनकुनहयजयनीसश्रायदाहयनवकुश्रुधकुनश्रुगीकुतयाववदकीयादु४खयन
नसुखकुदयिवकुवृद्धवृद्धनसवधम्मकथाआदिनंददधधर्माज्ञानीशयावजपनिसउत्साहार्हगयार्हवृहस्य

गीर्णधायालाकवृत्तान्ननक्तुनाजावृत्तान्ननक्तुनाधर्कविद्वन्ननमसंवत्तकनानयावृत्तयाग्रास्यदमाकनक्तु
 इयिवत्तस्यहृदस्यनमगकलाविधानादसृष्टियादहयाकृष्टियांजयकर्मश्चननक्तुभवत्तयलप्यनिह्ययू
 न्यपाययाविचालमूमालशुधिष्ठिनयाग्रास्यहृदमकास्यंक्तुगमदानंजिलंतादोनकायंरुल्ल्वाढनंथरुल्ल्वाढ
 मनेथरुल्ल्वाढयलप्यंशुधिष्ठिनयादिनमावकावश्चयथास्निर्वदनयायसूयाकनथवसंगापशुल्ल्वाढंथर्वंवेनिधाय
 तापनीग्रास्यदन्नजदग्धरुवश्चननवेनीजश्रसंगापिशुयगुययासंगापशुयमययावेनीयासिननीचयाढावचान
 मगवत्तुर्चशुयगुनेवगकुनीनधायढावकयगुरुल्ल्वाढयचर्कधायवश्चढावक्तुनविद्यादिवेनीजानीक्तुप्रका
 न्ननमावकमालपूर्वसनमूचिः॥२॥स्यमावकामददलाजायामननक्तुनाकार्जनक्तुनायायनाजावस्यवत्तुधर्मः
 थवनाश्चसुगुल्ल्वाढनयंथादधर्मनाजालक्ष्मीनगालनायेवव्राक्षनथवक्तुसुगुवान्नावल्क्ष्मीनगालनायेवक्तुसंक्तु
 सदकाग्रास्यदन्नानमगकजगगुयाधनादीग्रास्यदकायमयवर्कधर्मग्रास्यदन्नल्ल्वाढनायेवगुरुजातिवि

वाधकं दुर्बलं धर्कं ल्याखमयास्यं नयमनं वक्रमूकन वृद्धमावकार्थं मावकयित्व धर्माथं हायिना च न हल
 पलं याधुवया ग्रीसं पद याधुवया नाज धवा न ऊक नानया लुं या ग्रीथमका यावधानं कुरुमा न्न न जाय न ग्री क्य
 काय यायित्व मरुदं न याधुवया ग्रीसं पद कायावदू रवी मया ठा न ज ह किमदू मनी मय सहा स ऊरुं लुया दा
 उपहास्य या दा या धर्मा मका सक् याधुवमूर्त या धर्मा गुलि संयर्हि जयनी स धर्मा गुलि दू रवधकं धर्मा दा व धर्मा ना धु विः
 धादि रु लं ॥ ॥ ॥ निग्राम हा हा न न सहा य व नि दू ता ॥ ५५ ॥ वे सं या य उ वा च ॥ हा ज न म्य ज य धर्मा र्वं ज्ञा या व गु फ न
 ढ ढा व ढ व न व या व ज्ञा लं हा दू र्जा धन काय च न व व न हा र्म मू मा लं रु न ल्वा दा व रु दा व धर्मा सं पद का या व वि य
 संग्राम मू मा ल कं रु धि धि न च्छ कं वि न ज च्छ कं वि न व ला रु लं पा व ध न रु लं हा न ल हा न धर्मा न प्र का न न संग्राम न ल
 दा व रु दा व ना य आ दि न वि य ध कं धर्मा षा ढ दा व दू र्जा धन न धा लं हा यि ना ग कू नि न रु धि धि न या ग्री सं पद काः

यावद्वियधालंशुलत्वादावहृदावद्वियधकंधालंश्चक्रनश्राद्धाविद्वनधकंशयूयविद्वनयाववनसृजयादाज्ञन
धायमच्छालाविद्वनयाकनिद्वनधकंशयिगाविद्वनयाकच्छायद्वनधालंशयागुवयाहिनर्कंक्रनहिनमरुव
क्रनविद्वनयाकसयकंशंनधमहयाथकार्जयोयनक्षसंउषाशुलदावक्रनजिवलायनयूयषवशुलदावध
क्षंशायनंमायूवधमनीनागरुलदासंशायनंसमक्षकार्जयाय॥ ॥धृगनाकुडवाव॥ ॥शयूययागुववलि
षुवविलाधमठवविलाधयायजमययाकुयनिनीव्लवलहिनधतनजमययाश्रजाग्यकर्मसंक्रनहिद्वहान
यनधगुलिनिमिरिंनसंग्रामशयूवपृथीक्षयशयूवश्रनकलाकमायूवक्रयनीम्वाययलसावेनीयायमगव॥ ॥
दूर्जोधनउवाव॥ ॥शयिगाश्रुसंक्रादिदयकंश्यायमखूयहानधनशदिनजिवयहानयायमखूयसक्रनियाववन
संक्रद्विसंगरासशुलत्वायदयकंशाययावजयनीसवक्रनयीतिशुलसाशुलत्वावकासमक्षस्यनंनयकवक्रनसाया

[illegible]

मालहलपावदेवनहयाधर्कधयावश्राद्धाविलंविदूतली॥ ॥विदूतउवाच॥ ॥शानाशुश्राननन्दमवायाकृतधलसाः
शधिमिनवादावरुयश्रग्यादाशमययाकनरुशयिवकनरुशत्रदावश्रमंगनरुशयिवधननम्यवदुतकृतधर्कविदूतनध
लंधनवचनददावधननाकुनधलंकृतधयासर्वश्रवहानखवधसर्वनश्रसंगायमदूशोधनादिमानसर्नधमालधर्क
श्रसंगायमाकदेवनहयागुलिमरुयमरुताश्रुखानश्रधिमिनवादावरुधर्ककालं॥ ॥श्रुतिग्रीमहाश्रुनगसिहाय
वृत्तिदूत॥४॥वेसंयायउवाच॥ ॥श्रुतनभेकयविदूतमयमयवानकलकायावन्धसर्दकावर्तकावश्रुदुपुष्टया
लाकनवाकृतसर्जनलाकश्रनकसुक्तानीयादावश्रगीर्वादवियावसुखवर्तकावश्रधिमिनर्तुहर्षमानयादावसः
कानयाकृगनवागादिददावधननाकुयादूशोधनादियाकृगनवागाददावश्रविदूतकृतविलहर्षमानमश्वर्तस
दूश्वकसुशलालादूशोधनयाहकिशकलहलाश्रुलंश्रुलंधननाकुसपूगपूगपनीधववसासर्वदलालाकयासू

खदवला लाकनजागामानयाकलाधनढदाव विदूजस्य समस्तं कृगलशवखधृगनाकुस्यंगरादयकलंदूजोध
 नादिहफियायनश्चसरासाचकनवानवयाश्चसरासवादावसूदनशनल्लादावर्कनावथवथवगनाचवनिवधर्क
 यथकादावरुगाहानाऊनुश्चनकरुवाल्दयकावमूनर्कगलागकूनीप्रहतिनमाहाश्चूरुहवालयनीमूनाश्चनरर्व
 ढदावशधिशिनस्यधालंराविदूजशल्लागदावकरुपननमवगामदूकनर्कनगथवननामवानल्लायालामख
 यलाधावधर्कविदूजनधालंरागाऊनुकनधायारवशल्लायमहिढ ॥ ॥रुधिशिनउवाच॥ ॥राविदूजऊवरुशल्ला
 यसूतहानाऊनुगकूनिवश्चरुवकुलवलकनरुनीददवथयक्रासवदकसंगकूनीप्रहृराविदूजकनधायारव
 धपनीकयगिरुवालसवानगथवनगथधृगनाकुसआहगथमयायधृगनाकुसदूजोधनयाकश्रदयादवश्चन
 श्रनप्रस्मावसंगकूनिनऊशननरुहूर्यढडावरुशल्लायऊमहिढमूमानावयाधृगनाकुसआग्यानवनशल्लाधर्क

समस्तवर्गयनयार्तहयकली ॥ वेसंयायउवावा ॥ राजनमंजयविदूत्रयावचनदढावरुधिष्ठिजयहृतिस्त्रीपू
 णादिअनकनाजाद्रायगियहृतिस्त्रीअथअथरुसिअथअनकनलुद्रयादिनसहिगयादावरुसिनायूनीवडावदू
 नसहंगरुयिवरुलयावमनसुवगमकानकावर्वडासुधिष्ठिअयूणादियुविविधनगत्रसुताथावराविदूत्रअथसमय
 सज्जमंगलरुयिवरुलयावआयदासुयिवदुर्जोधननवानकनहराथर्वनवेनीनधायार्थवनविश्रमजधर्वकाध
 यादाववर्नरुसिनाजीवडावलाकनरुसिनायूत्रगर्पहृकदादधुननासुसगृहर्वडावदानहीष्मकयनमस्काय
 यादावअथहमावाह्मीकसामदर्दुर्जोधनादिगर्गकनीसोवत्रधूसानादिस्यंदायगियहृतीस्त्रीसायावध
 लंदुर्जोधनयार्तद्रायगिवियधर्वकंधालंदुर्जोधनादियास्त्रीनद्रायगिसंवाधयकाववानंरुक्माहजनादियादावः
 निद्रासवलयावनानागीनवाद्यादिदढावनिद्रायादावजानकालरुयावनिहृकमर्मादियादावसुहासदुहायाव

शबालमयसहस्रवार्त॥ ॥ॐ निग्रीमहराजगसहस्रवर्षदिदुगश्रानम्॥ ४५॥ वेसंवायउवाच॥ राजनमजयमना
त्रमसहस्रगवादावनानाशसनसवादावसमस्तथथवालंगकुनीनधालं॥ हरिषिष्ठिनसुवक्रवर्हिसुधदुगसहस्रः
वाचयिकायावक्तुवक्तुवसातिरुल्लङ्घनधर्कधालं॥ ॥ हरिषिष्ठिनउवाच॥ ॥ राजकुनिद्वनजवशुल्लवायधालं॥
वज्रवर्षग्रामयायवाशुल्लङ्घनं॥ वीनकर्मश्रसत्यत्राकयामर्जातास्युन्नययामर्जातामखूधुर्लनकायदुगयामहिमा
मज्ञायुवर्हिनयामर्जाताधर्क॥ ॥ गकुनीउवाच॥ ॥ राजाजनुक्तुननिन्दायातानीन्दाधर्मकथुकाशुनयामर्जा
तामसवचगुनमशुवगियुहिनग्याकथननक्तुदुगमसवश्रुदुगसूगलं॥ अर्कज्ञानीविचकनधायक्तुविषयभा
रिनग्याकं॥ विहायविहाययायमखाकयठनल्लायकायमगेवक्तुज्ञायमूमालविनम्रयायक्तुयवल्दुयुनाधर्क
धालं॥ राजकुनीदवल्त्रसितमषिस्यनधायीनाजादुगवधर्मदुगकाशुगयागवथगतानागहउविष

षनच्यपनीधूर्लुंरुलमस्याश्रवयाच्यपनिच्यपकृज्यपनिच्यपकृयादावस्यमनत्वादावयवधवत्वात्
वास्त्राफनवाहिकनश्रुसुसुसुर्द्धनत्वायययाच्यपनीवादूठनजत्यातसर्ननाच्यआदिनंदतसर्नजमययात्या
तसर्नवृत्तसर्नश्रुयकिरिध्वगतजमययाधकंरुधिरिजनतथथधालं॥॥गकुनिउवाच॥शरुधिरिजवाफन
श्रुत्येहास्यंत्वागदावश्रुवाफनधायधर्मदूतत्वागसावायमदूदूतसमानधर्ममदूययानंतवदूतकागविश्रा
दयकंरुवववववववश्रुवनीर्वीगवश्रुलत्वायस्यमसुववववववश्रुवनीवचूश्रुर्द्धंरुसकनवववववध्वगतनस्य
मधालंरुग्यागसामत्वायमय्यागसात्वाफनधकंश्वगतसकुनियाववववववददाव॥॥रुधिरिजउवाच॥॥शगकुनी
मवनरुगकननाववातनावत्वायधकंसुत्ययादावगयात्वायरुलाविधगावामरुलदास्यंमत्वामगाकलांरुलत्वा
यसुववृत्तदावधनसूयाककायधकंधयाव॥॥दूर्जधिनउवाच॥॥शनाजुश्रुधिरिजश्रुलनवृकयाधनयाव

त्रया नाश आदिन ऊन विय ऊ या ग क नी ध व र ल ख व क ॥ ॥ रु धि षि न उ वा च ॥ ॥ रु दू र्ज धि न कृ न वि र्त्स
 ग क नी ख व क क य कृ व ऊ व ख य वा ध क धा ल ॥ ॥ दू र्ज धि न उ वा च ॥ ॥ रु ना ऊ नु र्त्स क ल्या या द न या द न या सू ना
 न वा ना सू ना न अ व ख य ध क न या ऊ न कृ वा न क न रु या म दू ग क नी न वा न क न रु र्त्स ग क नि व कृ ल सा ख व
 व ध क धा या व द न न मू या दा व ध न ना षु ग री षु दा न कृ य वि दू न ध न स वि षा दि स म रु ना ज्ञा सिं हा स न स वा
 दा व द व स हा व रु ल्य स म रु द व र्त्स दा म रु या क मि र्त्स रु र्त्स स म रु ॥ न क पी दि या दा गु लि या क या र्त्स म दू स रु या र्त्स
 क यि दि या दा ध म नी ध क न या ध म नि क्षी न स मू द म ध न या व ल स ज्ञा य ल यू क न रु व न म नि र्त्स र्त्स ग क प्रा य ऊ ध म
 नि कृ न कृ ध क ॥ ॥ दू र्ज धि न उ वा च ॥ ॥ रु ना ऊ नु र्त्स क म नि द व वृ न दा व ऊ न विय आ मा व रु ल्य र्त्स व ध क ॥ ॥
 व र्त्स या य उ वा च ॥ रु ऊ न मू र्त्स ग क नी न या व क्ता दा व सा नी रु नी ख दा य जि न मि ल्य व ऊ ल्या न म ध क धा या व म नी का

यावश्चमनियामूलरुकोधनवियधकं वियाव॥ ॥ गिग्रीमहाह्वनसहायवनिप्रथमदूत॥ ४०॥ रुधिरिष्ठिउ
वाव॥ रुगकूनीकनउमकथंमजिव्श्रवयानगच्छिद्यधलपूष्पयर्मश्याक्रीनलर्मनउरथथिग्वसलुक्ति॥ १००॥
मूनदसुवर्ध्मगूनीनजीगमीश्वरायावत्याककायावधलरुधिरिष्ठिउकधनदवनिलाकूनपीदियायआव
॥ ॥ रुधिरिष्ठिउवाव॥ ॥ अथकूकनभवसलादालुक्तिवगुल्यधलगजीगवक्रयावद्रुआर्कश्रव॥ १०१॥
यासलाउगवथसजाजलयाकवसथयासिनजिद्यधधकंथनखंगकूनीनढदावयावकायावकादावजिन
मित्यधकंश्रयावगलाकायाववाने॥ ॥ रुधिरिष्ठिउवाव॥ ॥ रुगकूनिआवयाहसि॥ १०००॥ सुवर्ध्मश्रुलकावननसं
रुकाकयायासिनजिद्यधकंधलथढदावगकूनीकलावयावकायावकादावजिनमित्यधकंकादावत्यावका
वकायाव॥ रुधिरिष्ठिनधलरुगकूनीदागी॥ १०००००००॥ गवनीसुवर्लकावननसंरुकादवाकवमुनरुधिरिष्ठिउमवि

कलानसंशकानागगीनादिह उहमवस्यहसीयागदेगुनधधकंगकनिनपाचकादावजित्यवमित्यधकं त्याग
कावकालं॥॥शुधिशिञ्जवाच॥॥रागकनिश्चक्रियापूत्रुषयनि॥००००००॥सुनसमर्थप्रज्ञावन्तदुसहजीवनसर्वा
लंकाजलसंशकधयनिस्यंक्रिथं२श्रुतिगतकीवश्रवयाधयनीधकंगकनीनकादावजित्यमित्यवहाषगयोधो
वर्यदाव॥॥शुधिशिञ्जवाच॥॥रागकनिश्चक्रियापूत्रुषयनि॥००००००॥श्रुत्यनध४सुवर्णदधुयगाकाआधासुन
सात्रधियायकरनधयनिंश्चगलक्किनदात्रिठकाकुगुलिनवयवियधगयायागकनिनधगयंदावकायावद
यायासिनंगतद्विद्यनमव॥॥शुधिशिञ्जवाच॥॥रागकनीतिहिनिक्लमायश्रुत्यश्रुमूल्यसुवर्णलंकाजनसंश
कदायायासिनंजिर्थधधकंगकनिनकादावजितमित्यवधकंधायावकायाव॥॥शुधिशिञ्जवाच॥॥रागक
नीनधगकठकथंदावहयाश्रुसुसुउतनव्यकंहयागधूनववदनमनूषानव्यकंहकाश्रुसुसुसुवसमर्थपूत्र

षष्ठं मन्त्रविन ॥ ॥ वेसंयायउवाच ॥ ॥ राजनमजयगकुनीन जिह्वामित्यवधकं कपटनत्याचकं कायावचा
 नी ॥ ॥ रुधिरिषिउवाच ॥ ॥ राजगकुनीयं वदामि कृपुणितियदासंधालं ६०० धनं दमकुनीन जिह्वामित्यवधकं त्याचकी
 या ॥ स्वदूतश्च न धनमाक ॥ ॥ गिरिग्रीमहाराजगं सहायवर्षिदूतगोहाराजम ॥ ॥ ४८ ॥ वेसंयायउवाच ॥ राजनमः
 जयदूतसहायादाववादावयंकूकूल्यानदास्यं शूनकहस्मिन्धश्रुग्वनानानलसुवर्णं दिमायावविदूतस्य
 रुल्ल्यायमगवधकं गंदाव विदूतउवाच ॥ ॥ राजगनाकुजनस्विकृतास्त्रायददूतदूतधिननत्याकं ददावक
 नसनायालातवनागीनवासंलनयमययार्थं कृयार्थं रुला राजाज्यदूतधिनजगलदास्यं जम्बुकलार्थं
 हलकुलमाचकीवधयाजनश्चत्याजलयमालधकंधाया कनमदकं पापवसाधर्यायापवसाकनधवग
 हसंमगलजनुगं गनयासुनयं गयावगं गलनधमवादागहसंयागिमाचकचिन्तयार्थं धदधार्थं मद्यया

नया कलान मयता लत मरुया थं क मयया य मययान या द न द ४ ख थं क न द ४ ख न यिव दूर्जधन नयूत म द न काया
व प व पा धु व वे नी या तै म लू रू य या द न रु व द म र्वा थ थ या तै रा ना रु द्य ध न ना रु क मू ख र्वा रु वं ग या कं गी स न
या नू नी नी रु या व स म रु ना कं न ता ल ना व व स्य व नं कू मू र्थ कं ग मा व का व र्वा रु वं ग या स ख न वा नं कू न दूर्जध
न म ता ल ना या रु य नी स द ४ ख रु लं रा ना रु द्य कू न आ ग्या वि दू न म र्क न न म रु क कू द ल या व स म रु स ख न न य द
य क या तै या धु व रु य व म यू न कू का य रु लं का ख का ख न म यू न दा द य दार्थ कू का य धा ल धा ल न ग दा ल दा या
थं थ या नि मि र्ति न मा यिव थ गे न कू सा क ना ग न ग द वि यिव ॥ ॥ वि दू न उ वा च ॥ ॥ ए उ द कं कू ल स्या र्थ ग्रा म स्फू
र्थ कू ल स्य उ न ॥ ग्र मं रु न य द स्या र्थ आत्मा र्थ य धी वि स्य उ न ॥ थ कू मा त्व ल ना व कू ल स क ल द ल कू ल य मा ल कू न ॥
पूर्व स द वा सू न स ग्रा म स र्हा गु न वे मू व गु व र्थ धा लं थ कू र्क ता ल न मा न धा या व दे ल न त्व ल ना व दे ल स ख न वा

नं हीनव्यष्टिवयकि वृक्षसंवाढ गृहया समीपगवाढ थपकि अनकन नृष्वत्वाहादिउवा मावकायूव न्यायूकयरुयि
वथगार्थं कुनं थपकीया सत्यंगला धनादिमायूथव कुथगार्थं कुक्का सववनन पकीया सनयंगया पकीयनिस् न
ग्वलधालं कुरुयूव कुक्का यायूव स्यावस् पकीऊनु मलाढाव थपकी स्यादावनयाव लिथ कुरुमदयाव महासन्नाय कुथ
थं पावुवयाधनकायूरुलसा सहावनका स्थंमगा कलायूषकायनिमिहिने वृक्षघदाव कायार्थं पावुवनदूखन
यूमखू कुयूगादिस्यनदूखनयूव आवया पावुवडापी नीयादाव कुक्का न संग्राम स्यावुवडा गुल्वायूव थव कायय
नीमावक याढ कुसनी ॥ कुनगंन मूमा ललाधकंधाली ॥ ॥ गिगीमहा राजन सहायव निदुत नं म् ॥ ५९ ॥ विदूज
उवाच ॥ हा लाकादुत कलहया वीऊ विरुलरुययाहू गु दूर्जाधनन थवता वेनी मा ना वेनी खऊन थममा यूव हा सहा
नाक कुसकलवृद्ध कुसकनस्थंमगाढ थरुगुनं कुसकनं मायूव दूर्जाधनन नामहानय थवहाल कुसकलस्यनं

थथ नाम धार्यं चान्ती कृत्वा गच्छेत्तु वृषहन्तधवग्नान् पाषाणान् नदीन कयावमाव कार्थं दुर्गा धननं धवग्रीमावः
यूव नोकादत्यं नारा नन नानोकावाल् समूह पा लयायनं वदं पुनूषथं रुपिव दुर्गा धनयादु ४ खनमदुक्तं गृह्यणि
शयाकं बुधायं मकुल हयनं कनदु ४ खनयाथं सुनानं मददं लूनधायार्थं दकां कनयाधीशं नयाधुवनदुर्गा
धनया जिवपीदीया कावस्वप्नया सन प्रहानया कावमाव कयिव हीष्मदानं कृपं श्रुषुमा कृ सकलस्यं ददुनरु
धिष्ठि नव सुनानं वेनीयाय मगवथ सव वेनीया कक्का कोवेने वं गमायिव निश्वय हा नाऊ नु द्वाजी नागिरुलना
व सुनानं सान्नीयायूव रुधिष्ठि नरुनं द्वाजी नाग्री श्रावता लया उयाय या यदवनीया दन रुधिष्ठि न सदा सहीमा
दियर्का ५ कृष्ण कृष्ण १ धनं दवनी धयनि सव सुखायायूव धनं धननं कृष्ण माव कया ताह गुया ता धनमग्न
सा रुधिष्ठि नया क धाव न विरयक पाधुवया नन क धन का याव कृष्ण नया गन प्रहानन कृष्ण काय वनी मालना

वध्वनक्तं गाक्कायध्वनसक्तं कायमभावकलसागकृतीभावकमाल्हितकंशुलसाध्वनयादूनंमभावकजसा
धवजाशक्तवध्वकं ध्वनविद्वजयावचनददावदुजोधनक्राधयादावचानं॥ ॥ॐतिश्रीमहाह्वनतसहायवनि
दूतविद्वजवाक्कं॥५०॥दुजोधनउवाच॥हायापिष्ठविद्वजक्तनकयतविर्हिंश्रुर्नधनादिनयावजयनिनिन्दय
वयाधुवयातं हिनकं गुह्यालं जयनिवनक्तं यावयाधुवयातं नाश्वियथथक्तनमगिस्दवयून्मयामनीसव
मदूरवमनं जयनिर्ह्यनमिगयादतयाक्तयाधुवयाकरुतिक्तनजामदुजयनीस्मागुत्रयवादह्यालं थर्धिदयामग
थक्किन्नमरुलंक्तसूर्यथंजनवूर्यं गयाध्वनदायावधवमलूरुयिवमहालयाक्तवर्हिवनायं गयाथं कुरुति शक्तु
स्वामिक्तुसंवकथधिद्वानक्तनध्वनाथं याकक्तस्वामीदाहि॥शुधिविद्वजयाधनआदिनसमस्तं कायधूनाक्तनवियक
रुवलांशुकवानमयलसायाधुवयाकदूनी आवनदाह्याना आवनलियांशुदावनमदुधकंधायावधमधायामद

दावधालं कनकायटवमटवमसवश्रवननीकवेनीहलयलग्नदयायुफवेनिरुलं कनकहादधकं श्रयमानः
धकं गायमालथं गायमनं वलाकृशासादियाकवृद्धि सनवनि कृञनवृद्धी सनं ऊमी सका र्जगज्ञायमनं वश्र
वनलि निद्रावचन कनकायमनं वृ। गिरवनयलसादुनि पृथा सश्रास्त्रा कर्त्तृ सृञ्च क्कायननववून कृयायवद
लुप्रसादयायजनं कनकूयायर्त्तं उयाव कनउयदं गसूनानद निव कनउयदं गयायर्वं रुलसा पृथा समर्त्तं क
नकयावयर्वं कनकयावजवाधयादार्थं कृज्ञानी रुयावकाय पावुवया निमिर्त्तिनं ऊवनीयातवर्त्तं कनगायगा
ददयित्व क्कायाया विरुगुध्वमरुलदावसामीयाप्रीतिमदू पूत्रुषन श्रीयनपूत्रुषगमीत्तलगाथं कृञनगालगाध
नदुर्जाधनयाखं ददाव विदूजनधर्त्तं रुधृननाकुञनवृवहनखं द्वायान क्कायनजगोलगा ऊयावुवया कर्त्तं नगं
नकास्यं न कनगं ददावजमर्वं द कनऊकाययनी नीदान याकमालधर्त्तं धयावथधनऊवादा श्रयायगी रुलनऊक

नहावकलाधर्कं विदुननधालं हामन्दवृद्धिर्दुर्ज्ञानननुधायार्थं ज्वालकधर्कं ज्वेनीद्वयां वादावनयावशव
कनयथ्यहादाजं ॥ ॥ विदुनउवाच ॥ ज्वालकमखुच्चवालकं कनकसुधानंदपानीसंजमयया हिद्वान्
नयाकदम्बस्त्रीवादाथं ज्वालकं षष्ठिवत्सलयायूषं षड्वायग्रीजं स्त्रीसंगाप्रयायमरूपनूषथं कनक
मरुलाश्रवननी कनकनिश्रदिन मलीयाव ॥ लह्यः खलुषतिपीयसर्वं पीयवागीह ॥ श्रुपीयस्यवपथस्यव
काश्रिग्रावदलह ॥ श्रवचुनजनहायानहीतिमहाजयलालिथस्यवधूका ॥ नाजायापीयकार्जयायठवश्रुपीय
कार्जयायमनवगायित्वागीनकद्वकवमुनयमयवर्थं याधिमाचकमयवस्यनूषयावचनठनमयवश्रुस्यपू
नूषयावचनकनकं मक्षिकानचदनकायययित्वा दूर्गन्धवमुसपीयश्वर्थं जनहालपाकूगुयाधुवयासुखसं
यदनवाठस्वयहालयाश्रवयाउयाथवसुखर्थं धंसनहायापीरुदूर्जधनकननं कनगायाधीवियपाधुवकाल

सूर्यरुलं धवस्तु नमस्तव कुपनीमायिव ॥ ॥ गिग्रीमहाहानन सहायवनि विद्वजपुत्राधनानाम ॥ ॥
 गकुनीउवाच ॥ हाशुधिशि नकु कुपनीस्य कायधूना कुधनदवनीला मदत साकुल्लाय ॥ शुधिशि नउवाच ॥ हामूधः
 गकुनि कुधनस्यनी त्रसंथा कुन च यरुत का अयूतल क यमवर्ष अर्धद संखय नाध्व थाय २ सध जग या वायि गकुठि
 २२००००००० कच नाम धयनिक वधाय पीयका ति गमव धाय पूयका ठि कुन संया धन सं संया अनक दवनी
 हाजन मंजय धत ठ दाव गकुनी न यदाव जित्यवमित्यव धायाव त्यावर्क का याव वाढ सर्वसं कायधूनाधर्क ॥ ॥
 शुधिशि नउवाच ॥ हा गकुनी कुधन मदाता ला कुयधन धर्क धावर्क सदं घूदी रुखी नी ह्यु ए षु सया सिंदूर वंद धन
 गुं गनया धन आवया धन याय धर्क धद दाव गकुनी न पा सहन नयाव दाय वियाव जित्यमित्यव धर्क धाया
 व गकुनी या महागद्य कुय गद्य रुली ॥ ॥ शुधिशि नउवाच ॥ हा गकुनि ह्यु ए षु आदिन नग्न पुत्र ग्राम सम

हं वाक् नया ह्मि गमधनवाहिक न समरुधनं धर्कं ॥ ॥ वे संपा यन उवाच ॥ राजा ऊचुश्च नया यावददाव गं क
नी नयावका यावदा यविया व जियवमि सवहा वत धर्कं धायाव समरु यथा दूर्जोधनया रुता ॥ ॥ रुधिरि उवाच ॥
राग कृ निज मावा ता गि स्या का शूलं काल समरु पी दिवर्कं धा याव गं कृ निनयाव का दाव जियवमी सव धा याव का
याव ॥ ॥ रुधिरि उवाच ॥ राजा कृ नी महा सुन्द नत्र विष्ठ न कूल ध्या रुधु न् आदि न् श्रव या श्व न पी दिवर्कं धा याव
॥ गं कृ नी उवाच ॥ राजा ऊचुश्च न न कूल प्रिय श्व गश्च ऊन काय लिथ कृ पी दि या यू धा कृ न् धद दाव रु धि। ष्ट न न् आ क
या दाव त्या न् गं कृ नी नयाव का दाव जियवमि सव धा याव न कूल का याव वा न् ॥ ॥ रुधिरि उवाच ॥ राजा कृ नी श्रव
या सु रु द व् उ या ध न् आदि न् ध पी दी या य ऊ वि या दि कृ न धा ल स ऊ म ली ध् ऊ व द्ध ध म हा र्प दि न् श्र जी ग्य रु ल स न्
म या म ग म् ॥ ॥ राजा न भ ऊ य ॥ थ ध् क नू ना न धा ल स न् गं कृ नी या द या म दू गं कृ नी नयाव का दाव जियवमि स

वधकंधायावगहदवकायावतर्लं॥ ॥ गकुनीउवाच॥ माडियापूतनर्जंजनकायधूनाकंचमायाकायथयनीश्रामान
 र्जंथवकिजायनीरुकादवनिधायावहोयापीष्ठगकुनीकृतश्रधर्मग्यानजकनानपक्कादहिनमदूकृतहिनधर्कः
 क्कालंयाचनसादाव॥ ॥ गकुनिउवाच॥ कर्महंपूतनजदायानकुरुयिवजमान्यकूपदलययूनाकूदाययावयाकूः
 दूखनरुलसनीफूतववनक्कायशवहनथकाथनगकुनीयाखंडदावशुधिक्षिनयामहाकाकयादावचानं॥ गकुनि
 नहानंदुस्वकालसुउदलययूवशूनधर्थिग्विदीयासश्रजगधजनयायरुलसनंकूपायथशूनपीदियातमाधकं ७८
 शूनपीदीयावी॥ वेसंयायउवाच॥ राजनमंजयधददावगकुनितयावक्कादावजीत्यवमितवधकंधायावशूनक
 यावचानी॥ ॥ गकुनिउवाच॥ राजाजुधनूधनसुष्टशूनकायधूनाश्रामाहीमकृक्कादवनीकालसायावशुल्ला
 दूनमकालसादूनीधर्कगकुनितधालं॥ ॥ शधिक्षिनउवाच॥ हीमस्यनयागुनप्रसंसायादाववनध्यादावधहीम

आवयापीदिधर्कधालं धरुदावगकुनिनयावकायावकादावदायवियावजीत्यवमित्यवधर्कधयावहीमका
यावतर्लं ॥ गकुनिनउवाच ॥ शरुधिशिञ्जु
संजुञ्जु
ऊञ्जु
वियावजीत्यवमित्यवधर्कधयावशुधिशिञ्जु
॥ गकुनिनउवाच ॥ शरुञ्जु
धनममावकावधननकावधवधर्कमावकलंधर्कगुंगनरुदावधववांरुहसुयाप्रसंसायादावज्ञायावदाकर्क
रूकिञ्जुदाहिनाहीनरननतयावसर्मतयाहितथाधतर्लं ॥ गकुनिनउवाच ॥ शमरुञ्जुञ्जुञ्जुञ्जुञ्जुञ्जुञ्जुञ्जुञ्जुञ्जुञ्जु
रूकिञ्जुदाहिनाहीनरननतयावसर्मतयाहितथाधतर्लं ॥ गकुनिनउवाच ॥ शमरुञ्जुञ्जुञ्जुञ्जुञ्जुञ्जुञ्जुञ्जुञ्जुञ्जुञ्जु

दायगिश्चरुकादवनी दायगिषीदिया दून जयगिश्चरुका यमजित्वथपीदी यादोनकु त्यानक थननकुमावनया
यमत्यानसादायगिजियनीसाधकं ॥ ॥ रुधिरिष्ठिउवाच ॥ राजकुनी कुनधायार्थं दायगिसूदनी अनिदिनामीस
वेलकनसंरुक गुननसंरुक थर्थिग्वमीसुनानखलनपीव जयावासा रुनाकु याय थदं पीदी याय समसुं दायगिया
गुनवेदनाकायाव कार्जमर्जा ना न्यायगितिगि ॥ सोयमदवीयसवधकं समसुं नीनया गुनवर्णना यादावधालं रु
गकुनी दायगि आवपीदिधकं गकुनीनयावकादाव कियवमित्यवधकं धयाव जत्यानाधकं थनठ दावधसराग
वाढ वृद्धरुननधिकानयानं रुधिरिष्ठिउवाच ॥ माहागदन रुषा दाढ कयविदूत्र सदरुकन काधरुकन विदूत्र
॥ ॥ मुखयादाव ॥ माकयादाव वानं ॥ थथवाढ वलस धृगना सुख आवसुत्यानं धकं वालरधालं थथ धायानं काययनीत्य
नं पाधुवनं नकास्यनं कुदिगिमताव कर्मादि दुःखासन दुर्जाधन गकुनि सोवत्र हास्ययादाव गकुनि अकयागयादा

वदायवियावज्ज्ञानाधर्कं डायति ज्ञानाधर्कं श्रद्धावत्पात्रुवनीरुजनवानं श्रद्धास्वाकासमस्तलाकं (अकया
 दावचानी ॥ दुर्ज्ञानधनउवाच ॥ श्रद्धाविदू नपात्रुवया हृदयवत्तुल्यनतया मुनि डायति कायाव हृयक्तिवधर्कं जनः
 श्रीयायमखनं ज्ञायायनीसव डायति नय वं यउ श्रद्धादिहजनया दाव सुखेन धवानधर्कं ॥ विदू नउवाच ॥
 हादुर्ज्ञानधनं कुम्भा नीयति नरुयाव धरवकुन कुनरुहाय कूया ॥ कुशिकायाहि नं नृधम कूयासन च यावतया मगर्थं
 दाता कुनश्चायावचन पात्रुवन कूया सहलं ययिव कुरुलं मग पात्रुवशुलं याद्यु कूमायुव मुखे कूथ सहस्वाका
 मुखे यं च पात्रुवशुलं कालस्य धनमस्तु कस्तला श्रद्धायाव कूमायिव कूमाययलसा डायति त्वलतव पात्रुवता
 लनव डायति कूया दागीरुयिव रुधिरि नृधमदासीरुलनाव श्रीनृधीका नमद् धमदा समरुलसा डायति पीदिया
 यदतज्जुद्धिसुध धवानं हा नाकादुर्ज्ञानधनं कृतकवर्गया वृक्षया यधृत नाशु याका मयनी कृतकवर्ग वृक्ष सुखरुल

सलनाववाहालनावसमस्तवंगमायितवधमस्तवराजाकाभवयाववनददावकुनवनज्ञायमतवधधरुलसर्न
ऊनज्ञायउायाहिकयायनऊनधयाहादूर्जाधनलाहानश्रुमखसुनमस्तककुदलयमजितकुनकीधन
हाहानिष्टनवाकुस्रप्रनकुनमस्तककुदलययितवकुनयादाधसमानपायमदुदायगियागंधायाखंधयायः
धादयोपकुनमदुधकंसमस्तुसर्नधायितवमविलाकसमस्तुसर्नधायितवकुननककात्ररुलाकुनसंगनननक
पानीवशमूरदूर्जाधनऊनकुयनीसाहितखाज्ञायामददुनयुदालखसकाविकथंलादथंदायावलखसयादथं ॥०
ऊकाहियावदूर्जाधनसमस्तुथंदालादूर्जाधनयादावननसमस्तुमायावधयावंगुनमदसमायितवपिगुशदि
नधवमदयितवधयाहलकुगकलस्यनसायमदतसाऊनधसायदयितवधालं ॥ ॥ ॥ गिग्रीमहाहागतसहायवः
निविदूत्रवाकी ॥ ॥ ॥ ॥ वेसयायउवाच ॥ हाऊनमऊयधनविदूत्रनखंज्ञाकददावदूर्जाधननश्रुहकावनक्राध

दल्लयाव विदुनरुगं नूनक निन्दावाक नरुगं श्वनलिदुर्ज्ञधननया नीकामीवादाव सिगलवचननधालिं कुर्वन्
वदायति श्वसलसह यमाल पाधुवयाहयन कुम्भायममाल विदुनग्नहलिश्वनमर्वद कुर्वन्दावदायति धनारुवध
कं भयावथयाची कामीवर्न सिंघयाक सखी ~~का~~र्वन्दाथवर्न ॥ ॥ यतिकामी उवाच ॥ हादायति कुश विष्टि नस्व दूतमरु
नकायाव कुशलयनयादाववृताश्वकुदुर्ज्ञधनयाशला दुर्ज्ञधनयागुरु वननून दायुकमीसायादाव वाहनधर्कलार्ग ॥ ॥
दायति उवाच ॥ हापनी कामी कुनठवक सुवचननलालं श्वनखं मखूधर्क समरुशला वृक्षीकदकाढकं दाव कुदगीसवधर्क भया
वा ॥ ॥ दायति उवाच ॥ हादानी यतिकामी रुधिविष्टि नस्व कु निपीदीयादाथमनिला पीदीयादाधर्क श्वनरुधिविष्टि नयाकढका
व कुवायाधर्क श्वनलिङ्गनउरु नविय श्वनरु सलसकु यतावयधर्क श्वनरु ददाव यातिकामिन रुधिविष्टि नर्वन्दाव दायति नधा
लाधर्क श्वनलिं थमनिलावूर्तं निलेलावृताधर्क रुधिविष्टि नन श्वनखं ददाव कुनाधायमरुस्वार्न ॥ ॥ दुर्ज्ञधन उवाच ॥ हायतिका

मिदागामाकुमहीमाथ्सरुसथस्यकलश्रीयूनुषमालथवादथयार्त्तुनगीधुवादावकास्यहवधर्कधयावप्रतिका
मीर्वदावधालंरुदायतिसंगरुसकुसोययंलाधननकोत्रवर्वंगमायिवनिश्वयरुलाऊवत्रुप्रसन्नमतेवदयायायमाल
ऊदुखनमदुक्कविष्ठादुनधर्कधालंरुप्रतिका मिक्कनकुदुखनविधाननलिस्थरुलदावक्कनमरुयिवऊसरासवनवल
मयूओवनवलवाल्दुद्धरुलसाथुकाकुनलमदुधर्कधयावत्रावयाधर्मनलकलयलसालकाश्रयिव॥॥वेसीयायउवावा॥
रुऊनमेऊयदुऊधननडापतिमरुवयामननसयावथवरुतिक्कऊदुतक्कायावडापतिस्वकधालंरुधिविष्ठनस्यक्कुरुधुयायिव ॥॥
निदाननवाऊनीदुपावूगात्रीथक्कयायावक्कवूगाधर्कधयावर्कदावक्कायावदुतर्वदप्रतिका मिनडापतिवाढरुयावधालंरु
नऊखजासरासऊगथवानधर्कधयावधुतजाकुयादुवनवादावदागयायनवाढथययावपावुवमरुदुखयादाववानडा
यतिमस्वसवानंऊयायदुमसंस्थवानं॥॥दुऊधनउवावा॥रुप्रतिकामीआमावग्धाथुकाधनाहीवधर्कथददावप्रतीकामिया

संदह रुत्तं यत गथ मय न गथ रुदा यति कु न ज व द या या दा व विष्का रु न ध कं धा या व वानं ॥ ॥ पूजा धन उवाच ॥ हा धू ४ ॥
ग न ही म या रु य न ड न रु य म क्क ला कु वं दा व का स्य रु व पा धु व न कु या यि व ध कं ॥ ॥ धू ४ ॥ स न उवाच ॥ हा या ध्वा लि कु स हा य
न नू ध कं ल क्क म या स्यं पूजा धन सा या व सा र्य म न थं रु गी या म र्जा ना थं रु य ल पा कु व ध्वा ध कं जा न नं दा व ग धा जी या का थ
स व स्य व न या दा व व नं थ व ल स धू ४ ॥ स न न दा य ति या व सा जा दा व लू या व रु या व दा य ति या क ग ग कि ज ल न गु स्नान या दा व
न या ध्वा क ग जा दा व रु या व स हा स म ध्वा स न या व न व कं २ रु न रु स न ध कं धा २ र्यं दा वि स्य व न रु क व मु न रु स न ग र्थं व न ध कं
धा या व थ व दा व धू ४ ॥ ग न क्का ध या दा व स हा स म ध्वा र्यं दा व ॥ ध व ल स दा य ति न ग णि क षू ग णि क षू ग णि क स न रु न रु नी रु नि
ध कं धा ली ॥ धू ४ ॥ स न न ध र्त्तं कु न ज रु स न रु ल स्य नं रु क व मु रु न स नं वि व मु रु ल स नं स हा य न कु व ध्वा धू का रु ल न रु दा व
का या ध कं थ ध्वा धू ४ ॥ स न न रु नं ॥ ॥ वे स पा य उवाच ॥ हा रु न म रु य दा य ति स हा स न या व न रु ध न या न थ व र्वा ल यू या व

मृष्यायथ्यादावदायतिनधालंरुसरा लाक कृ सकलसमस्तं ग्यानी पंचित धर्मिष्ठ ग्रीवक गुनूतन ददून ऊथनाचान
जुआ ग्य म्यलक्कादूनधर्काधायवधददावधू४४सुनन विवमुयायठंदावदायतिनधालंरुधू४४सुन क्कायऊ विवमु यायठं
दा कृ नऊ नगयातसायवपाधुवन कृमावकि व रुधिशिनधर्मपूनुषरुवन कृपनिम्वायद रं रुधिशिनसुगुधयननदाषनमदूऊसा
मिधयिद रुधू४४सुन कृन अधर्म यातं ऊ नऊध्वनागविवमुयादानं थथ्यनंथ्वसुसुक्कासनं कृतादमधावसुमरु नाकं पाः
यिकू नूवंगसंधर्मधायामदताषमं रुधिमर्ममदता सुननागत ववर्कं लकलपंतवं मदताषमं अधर्मया कस्वयावयानं डानकय ॥२
हीष्मधृतनासु विदूनध्वतया सत्यमदूधृतनासु या अधर्मनूतक ॥ ॥ वेसं पायउवावा ॥ रुऊनमऊयथथ्यदायतिदू४४वनकावपू
नूषनसावकावपाधुवया नूनीकाधयादावचानं थवलसधू४४सुनन पूनुषनसावकावदू४४वनकलं कृदागीवग्याधर्कं सरु
यदाव कर्णुगकृति सोवन रुस्ययादावजिवधर्कधालं पाधुवदकृ वाहिकनसमस्तं नादनयाक ॥ ॥ हीष्मउवावा ॥ रुडाव

मिऊन कूधाय पूरुवदागुरुल नावजा श्री आयितमदुधुन नकुन सव ऊन कन मधायारु धिष्ठि न सुधमवूढाधन नावऊन धाय
मकुलारु धिष्ठि न सुगल्लर त्वलमनव अमर्जा नासुगकुनीव समरुल सव सुन मवमदु मसवक्काव सवक्काव कुरुल ॥ ॥ डायमिउवा
वा ॥ रुहीष्मक सकलस्यन कयठन ॥ ॥ दुपु सुवानक लहयाव स्वायकलाश्चन न ऊक नान ऊ स्वामी कुगाढ मवूक कु सकल
सुत्रधर्मशिला कु सकलजाटाव कु न धर्क स्वायकावरु नाश्चलावू नाऊन खंझा यायाडरु न विदु न धर्क धायाव ॥ ॥ वेसं पायउ
वावा ॥ रुऊन मऊय साकया टाव चान्दीयायति सायाव महादू ४ स्वयाटाव वाट सायाव हीमन रु धिष्ठि न सायाव धालं ॥ ॥ ॥ निजी
महारु न गसरुय च निदुत ॥ ५४ ॥ रुमसन उवावा ॥ रु रु धिष्ठि न थपुथा सरुवाल मदूलाश्चरुवाल पनी सु श्री मदूला वग्धा श्री आ
दिन रुल सयायामदू कु थधिठ पापीमवमदु डायमिथिठ श्री रुल सयाला ऊपनी यक्क सन दिग्विऊय याटावरु का नल्लमनि
दु र्गदु ऊधन न काला ऊरु सुनाजायनी संहया नलादि काला अश्वरु सी नथ अमु सुमु नाकादि काला ऊपनी यक्क वृता थमवू

गाथश्च नञ्काधमदूदेवनरुयाहलयावदायगियायावयापीरुयनीस्यंयनकास्यंश्चनलिञ्काधजायलपवर्लंदायगियादू
४खरुयकसाडायनीस्यनमखूचुनदू४खनकलंक्ववञ्जनथनीकाधयायहसहृदवहृनकास्यंरुअग्निनञ्जवाद्ददग्धयाया॥ ॥
अर्शनउवाच॥ह्रीमश्रावचुनश्चर्वज्ञासंश्रावतलिश्चर्वज्ञायमनवशुधिक्षिन्नसदासनयायमनववाद्दुल्लयंगयमालवाद्दु
वल्लनचुञ्जस्यनसुहृमाचकमासुञ्जुलनवूकयाञ्जुसुहृरियाफीरुयिवश्चलासहृलयवधर्कञ्जुधिथात्वायमनवदूर्जध
नयावान्वायूनरुयिवरुधीक्षिन्नयामनसंयुक्तयावदायगियादू४खरुलसाहृवंरुधिक्षिन्नयाचूदासनदू४खनमदूमयमयदत्वाच ॥३
कावमयवध्रधार्दलानकास्यंअयकिहिरुहिनल्वार्गञ्जुञ्जुलनवूकयासुहृमथपागालसंकिहिरुयिव॥श्चलागास्यहृल
यंवाढधर्क॥ ॥ह्रीमश्रनउवाच॥ह्रीमश्रनचुनधयास्वखवदकायाचूदासनञ्जनगलवियाञ्जनायायहृलधर्कञ्जनथ
ववाद्दुरुकादग्धयायधर्कह्रीमश्रनवाढरुधिक्षिन्ननञ्जानवतयाश्चर्वलसदासंमहाकसुनवाढ॥धू४सासननडापनी

महादृष्टवतकावध्वसायावदुर्जाधनया किञ्चित्कर्मनधालं हाक्क नाजा नाकदायगितनज्ञायायाउरुनक्क सकलस्य
 नगथनमवियाक्क सकलस्यथायन ननकवासुरयिवधनिरुला ननकवासुरक सकलस्यरुयिवदायगितनज्ञायागीरु
 वमरुवधयायाउरुन मविवहीष्मधुगनाष्टादि वृद्धरुयावधकाल उम्मविदूननमज्ञाक उपमाक कृपयुगुध्वसकल
 स्यनं कानज्ञायमठलं कूरुयिवदार्कं सनं कवासुरयिव वृद्धयनीसवृद्धि रुद्धरुहिनमधालं समरु नाजानं कूनं दमधव
 क सकलसं ननकवासुरयिव धम्मकथा तुल्ययादनं क सकलसनधयममालला क सकलसव संगतजनकवनमजि
 वजनज्ञायधर्क नाजायनिश्रुधवदनयादनका कूदाव उधयह मस्यावचानं हा नाजा लोकदायगिमाता गन्धविवः
 तुल्यदायगितन वृद्धया दवला श्रवज्ञालं उदागीरुवमरुव विवालयका नधर्क थयाविवालयगथनमयानं कृयादृष्टव
 नकं ॥ वेसंयायउवाच ॥ हाजनमंजय विकर्णन ननकववनज्ञायानं समरु नाजानं कूता दमधव विकर्णयाकाधय

दावलाहान्धाह्लादावधाल्लहा नाऊनूँ सकलस्यंमधालालाऊवलनूँ सकलसमस्तकसदुर्ज्ञानादियाकवामचनन
धर्कंरुणियावगुकाजलदुखंमृगयामधूनसपानरश्मिगादी३स्त्रीसंहागादि५धननाजायानासरुगुदायगियादुश्चया
धुवनस्तुयसायूधननूँकोनवशुयिवशुधिष्ठित्रवानकलच्छायावल्वायमयवधधधल्वावकावहृदावदूतमनका
यावत्रयनायादावयनयाकधननडापतिदासिमरुवदार्कंरुकिऊयास्त्रीयाकाठनयन्यार्यमदधननमरुवशुधिष्ठि
नसुधवसूत्रीनवूँदावलिथेगुनीयनयादाथधननमरुवधपायिषूशकूनिनडुग्रदस्यनधमनिपीदोयादाधयावंडाय
नियनयानंधननऊनधर्मसंज्ञायादायतिदासिमरुवधनविकर्णनधयावसमस्तनाऊनसुखवचनरधन्यरधर्कंरुय
निस्यनंऊनधयाथधर्कंमहासूदनसमस्तस्यनदुर्ज्ञानादिसमस्तस्यननिन्दायादावधददावदुर्ज्ञानादिविषादि
रुलंयधयाधुवदार्कंरुधदंदावकाधयादावधानंधनविकर्णयावचनददावमहाकाधयादावकर्णनधाल्लहा

नाजालाकथविकर्णयापिऊयनीसकवादावऊयनिमहिन्नकाव(थातथवहकिऊयनिकिऊयनीमाचकयिवडा
यगिनधालंऊकास्यनंमधालसावूकनिश्चयअधर्मरुहितमधालंधर्मरूपनदायगिऊयनिस्यनरूदावकायाहावि
कध्वश्चऊयनिसववननदुर्जाधनयामरूकऊदनयागाऊवालकमूर्खनऊयथ(थह्नायाऊनददास्यानाजायाकिः
जाहवनश्चववनसरूल्याधर्ममर्जागतल्याकदायगिऊनमल्याकधर्कधालंऊनयागुवयाकसवादनादायगिमवूकः
धर्कऊनजाकाधालाएथाऊीयामनूषाआदिनवाऊलवाहिकनधालंगथनदायगिदासिमरूलंरुधिरिजयासर्वश्चः
धालरूवमुपूयादिमरूवलाथ(थनंदायागेदासीरूवसर्वश्चकायधूनागकूनिनधनदल्यंथमनियिठियादाऊायधर्कडा
यगिदल्यंधर्कदायगियिठियावकारुकागकूनियामजितवचगुनमरूवथ(थरूलंऊकायधावदायगिऊकवमुनसरूस
हयावदावनमदूवूकानगुठियादाऊीऊकायात्रैयूषऊऊंथयादाऊंयूषगथननवश्चासरूसरूयाआय्यनकव

व

मुवग्ग्यायाओअनुकवमुननवविवमुनंतवरवग्ग्यायाकुलाज्जावुवयाहतिदवदूर्जाधनयाहतिमदूर्जनंज्ञायधूनाः
यावुवयाधनत्रासुनंदायति सहितनधम्मत्रूपनरुल्लखादावत्यातकाऊवामयादवुनमसस॥ ॥ कर्णुउवाच॥ ॥ राध
॥ सनयावुयावमुदिकावदायतियीवमुदिकावधर्कं धायावध्वखंडं दावयावुवनसुचीलं कालं लताववमुमागन
वानंदुग्ग्यासनंदायतियावमुलायावजादावविलिखिलिहलकावगारिहकपूगारिहकपूधर्कं समतायादावधम्मयूय
नात्रायनल्लंगत्रिलसद्वियाववमुकाकाकाकानंमहक॥ ॥ वेसंयायउवाच॥ ॥ राजनमज्जयसमसुवसुउथं दवतिथं
वादाथंअनकवमुदादायमानरुवनानावल्लवमुनंतशाहप्रसंख्यायायमजीववतुंदिगसंवमुआकाससंमहाद्यहने
हनेमालमालधर्कं धसदनुदूर्जाधनादिगमनाजावतिथं धन्यरदायतिपुतीवताधर्कं धसायावहिमक्रोधयादावगर्जमा
नयादाववयदंदावलाहानथायावधालंराजाजालकऊवचनदंनं ह्यासनानंमधवलंवचनज्ञायआवधायाथं

ऊनमया तसा ऊपी नामहादि न न क सवा सवा निव ऊन न क सवा निव थद ॥ सनया ह न विदा न नया दा व न क
 या नमया तसा थया न क न न य नमया तसा ऊन क सवा स रय मा ल ध र्क ॥ ॥ वे स या य उ वा वा ॥ ॥ हा ना ऊ नु थ रु बा र्द दा
 व स म रु ना जा न ला क न ध न्य ध न्य ध र्क यू जा या र्ग हि म न धा या रा यि व ध र्क दू ॥ सनया ना नि द्या या दा व व रु का का या
 जा या व दू ॥ सन ल छा वा या व वा न स म रु स्य न दा र्क धि का न या र्ग ध न ना र्क या पी ध र्क नि द्या या र्ग थ स दा ष न ध र्क ॥ ॥
 वि दू न उ वा वा ॥ ॥ हा स रु ना क दा य ति न खा र्ग ज्ञा या न रु द्वा स्य न म धा व थ र्ग न रु स क ल स ध र्म वि ना स रु यू स रु स वः
 यि व वा द वि वा या दि न का ध या दा व वू थ थि दा ल न स रु ज्ञा ल दा व रु र्ग न स का ध रु यू स रु धा या ज न न मि द्वा क थ
 थ र्ग न रु स क ल स्य न स रु ज्ञा क न न व धा र्क व वी वा व वा द रु ल दा र्ग स रु थ का ज्ञा य का ध न ला रु न रु स रु ज्ञा य म न व
 ग रु गु ज्ञा व वि क र्क न न धा या ला स रु र्ग क र्क न न धा या ला स रु र्ग स रु र्ग स रु धा व उ रु न वि य म जि व पा र्ग व न ध र्क स रु स वा
 द रु या व स रु म ज्ञा न सा थ न वि ष रु ल ना यि व स रु न रु म न रु ल ना यि व हा स रु ला क यू व क थ र्ग क न यु ज्ञा द दे य व रु गि न

सज

[illegible]

१५

लमयादाङ्कानधालसादुःखसुननस्वंचलयादुःखनैकानजमनिर्गुसुखवनधया॥ ॥ वेसंयायउवाच॥ अथनधया
वदायतिरुमिगयदलयावमहागद्यनधमककगमूकायादावथथनैककास्यनैकतादमधावहरीषादिसयूव
सुपिगयागुरुसुखवानदास्यैर्जुवंदवायूवनजसायअध्यावलस्वयंमलससुकाजसमसुस्यनैवादथनिजस्वनीथकी
निर्धैधसहस्रहयावसमसुस्यनैजसावकलाधित्कालजमजथथसाचकावतस्यनैकसकलसदयामदुक्कगकलस
ददयवजुखवनवायूवनैजथियमह्थियमदुर्जुआवदुःखसुननककनकवसास्यैवानाविधानावामरुयावथथनै ॥ ११
दुःखनकानैपावुवनसास्यैवानैहरीषादियापूनीथैथूकाजथथनैजवदयामदुथथनैअनकनिन्धावाक्कनहादा
अनकदुःखनकाजदूयाषण्दपाजनददवशुजागियादावनदतसर्नशुजागिसहायनमनैवधर्कधर्मगाम
ददाशुजागियादावनरुलसर्नपूनुषदगुलवधर्कथनिकोनवयाधर्मसायधूनाअधर्मरुलालकनाजायासुरु

सकुरुना ऊपूत्रमपावुवदल्यहयावधुदमादिजदवनि कृष्णिग्वसखायदवनि विष्वाणास्यं लिखलपावद
याक्कयाययूधिष्ठिरससमाकूलस्त्रीयदमहिषी ऊदासीरुवर्हमेवसाकृतश्चयायिष्ठदूधसदनकोनवर्ग
याकिर्हिमावकवश्चयावचननदममजिवगनीनसयिदायादाया सहलयमजिवधर्कथाथनमधावरुहीमादि
सुक्कानकृगकलस्यनकृतादमधावयूधिष्ठिरसकूलस्ययिदिमातदास्यं ऊवूकला मवूकलाश्चतश्चाकृतन ॥ ॥ ही
मउवावा॥ हादायति हवऊनधायामखाक्कदासिरुवमरुवधायऊनमक्कलावाक्कनादि स्यनमधावऊनगधाय
धम्मविवालकथिनविश्वसनयायमाकु कथिनश्चसहास्यूत्रधारुमक्ककानज्ञातसादवनिश्चर्यश्चनश्चवलसः
ज्ञायमरुवेनीयासंकानऊयनिश्चलियावसखादधाकृतयमयवऊयनिरुघवगृथ्यथूकाधनक्कानमधालंजः
नमयशांधायाखंडकृतनधृतनाकुयावसंज्जनाकालननासकयिवथूकाश्चयाययातिमिहिनक्कथार्थिग्वद

ऊन

४ खनका सामर्वसया कर्लक दूर्जोधन न धर्म मष्टव कुल श्री धर्म स्या क धर्म रुलं उ या क वातिव स्या क अ ध
 र्म रुलं उ या क रुय अ न क य का न न कु दू ४ खनका निन्दा या दा व हा दा न कु न य धिष्ठि न स रं निन्दा या दा न कु न
 ४ खनला धर्कं कु न म धा व ध रं न कु ध र्म कु रु य उ य नि स अ ध र्म ध रं न ना स रु यि व द्रा ण कृ पा दि वा क्क्ष णा दि नि र्जि
 व रु लं द्वा र्य म रु ना कु न्या यं या रु धिष्ठि न र्थं गु प कु द या य रु यि व ध र्कं ॥ ॥ ही ष्ट उ वा व ॥ ॥ रु रु धिष्ठि न कु न स र
 न द्वा र्य न द्रा य नि वृ क ला म वृ क ला ध र्कं ॥ ॥ ण्णि ग्रा म रु रु न ग स रु य र्वा नि ही ष्ट वा र्कं ॥ ॥ वे स या य उ वा व ॥
 रु ना उ द्वा य नि म रु ग द न (ग) क या ना क व व य की या फ्री या (ग) क र्थं (ग) क या द वा द सा स्य नं ना जा य नि स म रु स्य
 नं दूर्जोधन या रु य न कु ना ध र्य म रु ल म न स न रु का क रु पा दा व य नि मा वा द र्थं वा द स म रु र्थं (ध) कु ना म धा र्थं वा
 द सा या व दूर्जोधन न ख न रु न रु स्य या दा व ध र्कं रु द्रा य नि र्ज न ध र्म स्य या रु रु न ला रु म स्य या रु न य र्वा द र्कं
 स क स य का व दा सि रु व म रु व स य क य धिष्ठि न या फ्री ला ध र्कं य र्कं स्य नं रु य नि स रु रु ना न कु या यं वृ का न न या य

दयूसाधालसाऊनधयाथंरुलारुधिरुधर्मनाऊधालं समसुयजापुणवन्थंयतिपालयाकनरुधिरुधिया
श्रीरुलसाऊदासीदधर्मंरुलसायनेकुक्कासंमरुलसाऊयानिरुकिजसकरुलधलीषादिनादू४खसागलसः
रुकादूविलाऊनजादू४खसागललंघलयधूनापाहुर्वंदू४खसागत्रसयउलयवाताकुनयंवयूनुषधन्यधववाकू
वल्लयथीऊयलयावअनेकधनादिनदयकवऊरुदयजघीसठपूयादावकायाधकंथरुखाठदावसमसु
लाकनंदूऊधनयातंसाधूवादधन्य२धकंथर्वजिवधकंधयावखंडूयधकंसमसुस्यनंयाहुवयामूखसायावः
यानंहीमवयदंदावधालंरुनाऊनसमसुनंरुधिरुधिरुधर्मनाऊधालंरुधिरुधिरुधर्मनाऊधालंरुधिरुधिरुधर्मनाऊधालं
यायमदूधधर्मनरुधिरुधिरुधर्मनवृकधालसादासीदायगियाकमजादधर्मंऊवादूयाअननसवलतावधर्ममभावकलः
सायथायाअनसऊरुतशयमालदूऊधनयादिनयुतिविन्धअननाधननमभावकलसाहाजालाकऊनधयात

वृजकलत्रयतिरुयमतवृधिविष्टि नसुववनयायासनवयावृजवादाननृननयाववनसुवादानमयादाथनिमावकमरु
 तसाऊनृधात्रगतिरुयिवथनंधनृषनममावकावदूजधितादिहृयादगदायुहानृधमावकथनंरुगीकालयातः
 नग्वधर्कथनंकायाठदावहीमृदानविद्वजस्वर्गस्यनंजादावरुंकगुचकावतली॥नृनिग्रीमहाहानृनंसुहायवर्नि
 दूतहीमवाक्॥५॥॥कर्णुउवाव॥हादूजधिनदासुनिषदासीथनधनवियमतवृधिविष्टि नसुहलसाथयाप्तिः
 दापतिदासीगथमरुलंदासयाक्कावादासीकृजस्यंकायनृजायदार्कसर्गदार्कदासीविसनवधथमरुलसाया ॥६॥
 गुवृशकाथयाकक्कायमतवृधननाकुसयूगुरुकाथयाकक्कायनृहादापतिनृवदूजधिनयादासीरुलाथयनि
 यनृषधर्कवानदावथयनिरुवाल्थयनिहीनजातिवरुलत्वादाववृतदावृहत्पनपूलावक्कायिवहीनजातियनृ
 यकाजंदावक्कायनृवनिर्णयंक्कंयनृषकायाववादासीनाममावकरुलसाधर्कधियुमृनयनृषधिविष्टिनादियास
 वा

मरुत्यनवलियाकर्मिष्यतयासहस्रश्रीरुकासास्यवाग्वंशुथिग्वरुलसपायाचुनयनूषार्थवलदतसासंभमनव
लाधर्कंधायावमरुनिस्वास्यादावचीदसायावदूर्ध्वनादिनऊरुवर्गदावतया॥ ॥हीमउवाच॥ ॥हान्नयनुरुधिधि
नृकधूयावचननऊकाधमयाउयावचनवैदतियधनवचनचुनदायतिपायामरुलसाश्चननिन्दामवननद्रापिव
लाश्चननचुदावचनचुगङ्गतिमदुक्तेनसहस्रमधलपलसाथनिसमर्कभाचककधूनधयायावहान्नधर्कंधायाव॥ ॥दूर्ध्व
धमउवाच॥ ॥हान्नयाहमचुहीमादिचुवसादायतिवृकलामवृकलाधर्कंधायावदायतिहायावमदमः
रुश्यावधालंथवखलल्वंमुथासायावकदावधालंहादायतिधखलसचुवानिवलाधर्कंधायावधददावहीमव
यदंदावमरुसद्यनधालंहादूर्ध्वनऊयिगुलाकमर्वदाग्राभाचुनउनूगदानदायावममाचकलसाधर्कंधायाव
यादावमिस्वानमिववकाधन॥ ॥विदूत्रउवाच॥ ॥हान्नयनुरुधिधि

वन्मूलागमनचस्यतयार्थान्नरुधिरिन्नधालदावन्मूलागमनमावकिवजवचनमठदायाशयिवग्नायुनमननः
रुधिरनाश्रुधर्मकाताकायधर्मकातायायमठवलदायतिनालस्यनजनधायीदूतमठवधर्कधनमालकाहा
दधर्कधायीधमठदधननधसहासवाकदमायिवस्वप्नसखादाधनधर्कधालयाधनधर्कधायीदूतधनन
धायीसंजीवदायतिदासीरुवमरुवविवालयवधायीवधुसकलस्यनविवालयदून॥ ॥ दूतधनउवाच॥ ॥
हादायकियकास्यनरुधिरिन्नधालनयायमदूधालनरुधिरिन्नधालनरुधिरिन्नधालनरुधिरिन्नधालनरुधिरिन्नधालन
उवाच॥ ॥ हालाकाधववाकसवातदास्यनजासमसुसंज्ञीधनरुधिरिन्नधमयनदासकलदावमवयाज्ञीध
नमरुवधननकसकलस्यनहादून॥ ॥ वेसियायउवाच॥ ॥ हाजाऊन्यधधवालयधनजासुसुगिद्वगुसऊरु
मालदूतामहासदननगनसगधूनादनरुसंगुहयतिगुधादिनानायकिगदधमदददावविदूनस्यगन्धा

गिह्यनंदोर्ध्वनादिनागशयिवहलपलंश्चदवावहीषाडागकृपथूमिसनरुधिषिन्नयाकल्यानविकलयावः
कोत्रवमायिवनिग्ययधर्कंविद्वज्गमन्त्रिक्रातायादावश्चउत्थातदाकंधृतनाष्टकंदावथवपूगमायुतिश्च
ययानं॥॥धृतनाष्टउवाच॥रुदोर्ध्वनमन्यवद्वियाधुवयाकृगकायानवर्द्धमानयादवांदाधार्थिदामदाय
तिष्ठयनिर्ह्यंश्चरुकिमलाकत्रमर्जाताथैदृशवनकंनैधर्कंरुयूगीडापतिष्ठमाता॥॥धृतनाष्टउवाच॥रुपा
वालिकृकृवलंयवडावलरुदवियपूगवधूस्रष्टकृधर्कंधायाव॥॥डापतिउवाच॥रुयिताकृनवलविय
रुलसाकृकंनमस्कांलरुधाषिन्नदास्रुवशकोतालतकान्ककायप्रतिविंश्चदास्यपूगधर्कंगथमधालंश्रथ
नयुथिथियमन्यानिरुधिषिन्नलंरुदास्रुकाथूकाधर्कं॥॥धृतनाष्टउवाच॥रुडापतिरुधिषिन्नपूगादिश्र
दासकावधर्कंन्यगुलिवलवियरुदधर्कंरुमातावगुलधर्कं॥॥डापतिउवाच॥कृलपोलसदयादनसाहीम
श्रुनंनकूलस्रुदवपूगादिधनकवावादिनथश्रुस्रुधवशकाविवधर्कंधायावध्वनंरुविलगाकावधर्कं

[illegible]

सुखविविधं तत्र नरु नरुं दापति धव नरु नरुं लयलं स्त्री नउधा नपाया चू नरु धव मु धव नरु नया दया
दुला नरु नरु निन्द नयलं कयधकं ॥ ॥ नरु नउवाच ॥ हा ही मरु विषादि मरु व हिन नधया नकाय विषादि
सत्य नू मरु धाल सा विषा दी मा ल दा स्रु यूर दा सन धा या चू र्व सत्य नू मरु पाक नरु कउपका लया न सन नरु
नक वालं वालं गुण क्रायिव निवया क नान नरु कउपका लया न सन नरु मानं रु धि धि न नरु न नरु वया उ
न स्रु लय मरु निव धा मरु सवा का माव कयि हा वं दाव सा माव क वाल वृ द्वादि स मरु माव क धि ना डापनि
सव वाद नरु दाव कय दू र्जा धनादि माव का व नरु क नरु याव क धकं रु धि धि नरु नरु मरु धा व ही मन मरु
न सा याव मरु ल काय धकं धाव लय वंद सा क्का स्यं नरु दा न याव नरु न कर्ण न धूम रु सिंग वा क रु व धा या व रु
आदि न धालं को नरु मायु वधकं कंद न याव रु क गु व का व धाव लय वंद रु धि धि नरु वा रु ग द्वा दा व ग द्वा रु

हाशुषिष्ठिप्रज्ञापिताविविक्तवीर्यश्चमखूपिताच्युपिताउपनिर्ह्यनमद्वत्तुयनिसकञ्चयनाधयातज्ञनञ्चयनाध
 यादाधकं गन्धात्रिक्तनमामञ्जयगुदञ्जधनमखूक्तयनिकृपूगधकं नद्वं सनं धालं कृपनिसवञ्जकाययनिसवव
 लसायसालपावहीष्मदाधदिवक्तातायादावसायधकं साया आवयाविदूजमकीयादावक्ताजाऊयूगादिक्तन
 दासयादावसुखननाञ्जयावक्तनगजीवसधर्मा आयदासधिरञ्जुर्ह्यनयाकं यनाकर्महीमयाकं सूनंदमद्वादन
 कूलसुहृदवयाकं रुकि निसकयतश्चतनश्चयतासयाकदतं उयाकं ऊयसुयिवदूजधनादिगकुधकं हालयमदव
 श्वनाञ्जनालगावण्डुपुष्टुदूतिऊकाययनिसडामीगुहावनानयादावसुखनवाढधकं श्वददावहीष्मदाधकृप
 विदूनादियाहर्ममाना ॥ वेसंयायउवाव ॥ हाजाऊदुयलिक्किर्नदिवसवादावदिनक्तूयावपाणुववाढदूजधना
 दिह्यं वंदसायाववानंथथवंदकाधनतागाननलारवंदधकं ॥ ॥ ण्तिग्रीमहाराजतं सहायवंनिदूतं ॥ ३० ॥ ॥
 ऊनमंऊयउवाव ॥ हावेसंयायदूजधनयाण्डकामयास्यं मसयकावधृतनासुस्यं पाणुवयाउयाद्विनाञ्जदि वियाव

द्वायादूर्जाधननगथाहसपत्नी ॥ वेसंयायउवाच ॥ हात्राजन्तुयावुवधृतनासुसकनमस्कात्रादियादावधवत्रासु
 वननठनदास्यदुःखसुननखादावधवलप्यवकावमहादुःखयादावधालं हादूर्जाधनादिऊखंडकूनरुषिषिनादि
 रुलखावकावत्रुनकधनदयादिनलनाकादिऊस्यंअनकदुःखनस्यंउपायनकास्यंनयाधनदयापिषुवद्वध
 तनासुनयंयपावुवविष्यरुलाधकंदूर्जाधनकर्तृगकृनिशोवलयकंथिथास्वात्रसायावआकयादावगोमरु
 यावदुयायधकंअनकजलयादावनिहूलरुलाधकंधायावद्वानायादावगुफनवकावकासायावधृतनासुसकन
 मस्कात्रादियादावचगुकात्रवचनह्लासं ॥ ॥दूर्जाधनउवाच ॥ हायिनावरुस्यनिस्यंज्ञायात्राजनिनिर्विमददलाध
 कंरुदुर्कदाखी ॥ ॥वरुस्यनिउवाच ॥ हाअनुएमावकरुलंधम्मयादानंअधम्मयादानंरुद्वनीटवधकंधाधिदा
 नयावुवचुननदुप्रयंकालाऊमिसंगंयावुवादिनाववधानाधमिसधनआदिनद्वायविष्यंद्वायायावुववल्लिषु
 यनिनीवसुधधनदगसाधधनननाजायनिसावियावधववसायायमदलाकालस्ययागलसगिस्यंनयाथंसुना

नतालनयितृयनिस्वच्छदयामदूपाधुवच्छदयादवपाधुवर्वदृयनिर्णयसास्यथादाकालस्यैकाधनवद
 र्थपाधुववाताश्चननयनीसमस्तं वंसतयंभावकयिवच्छुसुलपीधुयार्कमदताश्रुनर्वदकवचनरु
 यावंगमधुवधनूसायावकाधनपावर्वदश्चननयनीभावकयिवहीमनगदाऊदावमंहावंगनर्वदत्रथसदं
 वमहानिस्त्रास्यादावर्वदश्चक्राधनयनीभावकयादावर्वदतकुलंसतचन्द्रस्वप्रधनलयावश्रुवन्दुनीआ
 दावश्चसायावयनीसंरुयश्लंथथर्वदतमनसंयाश्चतनाष्टयापूगादि। लभावकदयितवधर्कवर्तन
 हनादिसवकसमस्तसवर्कधनस्वश्रुदिनऊदावमहाक्राधनर्वदयायतिस्त्रासुयनीस्यदृश्यनकाशुमादावपा
 धुवनयनीसवच्छयसहलपिवश्रवयायनीभावकावच्छुनहिदतालसाकुनशलयवधर्कधयाददावधुनया
 र्थमोनयादावडाधायहमस्ययावचान्श्रवयाधथयायहनंदूतयायसुवर्तडावनवासर्वनयनीवृत्तसायनी
 वनवासर्वनजिमनदाता। २वनवासकुलसालवर्मनतियावगुफवासदाश्रिताकर्मनवृत्तकायाजायादिः

कायावधान ॥ यथा वाससंस्कृतासनसलदावयून ४ द्वादशवर्षवनवासवान् श्रावयाउयाययायश्चतदवनीडा
 यनीवृत्तसा जिमनदागा १२ वनवासदाष्टि १० यथा वासश्चजिमसादान १३ आयनीसकायायुतिधननश्चधनवियाव
 लाकसमर्कधववसायाय मिश्रवाचवदयक सेनादयक आयनी संग्राममलसा संग्रामन त्यागकोवृत्तकृत्
 न जाझयायधर्कश्चर्कयावजाकयादाववानैजाकयाकदेदावधृतनासु विषादिरुयावदयावायावकृत्तलस
 रुलखावर्कश्लोधर्कहीष्मडानकृत्तशस्त्रामा विकर्णवाह्नीकसामदहविद्वजरुत्रिग्रवाश्चयनिस्यद्वगच्छा
 याववानकलच्छायमर्गवधर्कगर्नधृतनासुस्ययांबुववानैकलच्छालंदूर्जधननयोगियायनयोगिकामीवान
 कलच्छाया ॥ ॥ ऋगिग्रीमहाहानर्गसहायध्वनिद्वर्ग ॥ ५१ ॥ वेसंयायउवाच ॥ राजनम्यजयधृतनासुस्ययांबु
 ववानकलच्छाकदेदावगन्धगीयामहायकयादावधर्ल ॥ गन्धगीउवाच ॥ ॥ हाधृतनासुश्चपायात्माः
 कूलोगलदूर्जधनश्चज्ञातश्रववलस् विद्वजतधर्लश्चमात्रकमालधर्ककृपायीष्विहुरुयावमर्गवध

धृतनाष्टउवाच॥रागन्धानीचूनधायायवहालूनसयाखदूतनदूर्धाधनादिमीयूजायनिगानमजिवकुया
यदूर्धाधनादिनविनसयावशयिवश्रावयाधकशसमटवधर्कहाय॥ ॥रुमिथीमहाहानगसहायवनिन्नू
दूत॥५२॥वेसंयायउवाच॥राजनमऊयशुधिनर्त्तन्नकदूतसथ्यनदास्यप्रागिकामितधालंरुशुधिविधिनध
तनाष्टस्यनश्रास्त्राविस्यहलादूतसहादयकावहनंरुगकलरुल्लावकधर्करुगकलवानकलरुलाधर्क॥ ॥रु
धिविधिनउवाच॥राप्राणीकामीधृतनाष्टसदयानश्चास्यहयादेवतमयास्यमदूश्राववाचानममूदूश्रुशुद्धशसः
आग्यश्रुयशुद्धनितवकर्मधृतनाष्टस्यवानकलरुल्लास्यगथमवानविसेषनऊयुगश्राज्ञानयागदावलाय
धर्कनयादेवतकुयायिवडांनधर्कधायवर्वादासहामर्वादावर्थादागकूनीयाकयनयासंकातशुधिविधिनया
द्वदयसंकापमानयादावचानी॥ ॥गकूतिनूवाच॥ ॥राशुधिविधिनकुवनमस्त्रावकुधनादियाकनमस्त्रावऊ

नङ्गायदकून आवशुल्लायदुर्जाधनादि गलच्छि १०० कक्षादिजपति समस्तं कुश्रु आदि नद्यायति सर्वसंक्षालनगद
वकुषु सा नवमनतियाववनवास द्वादसवर्ष १२ अतलि अग्यातवासवर्षच्छि १ अग्यातवाससकुष्मासलदाव
यूनद्वादसवर्ष १२ वनवासवन किमस्वद १३ दनदाव दयादतसाधवनाश्रु आदि नविय मविनसा संग्रामनका
य मविर्ष्यं अंगी कानन कायमदू रुलया अग्राहाया दावलाय कुसमर्थदतसा स्वादू दधकं अग्राया ददाव
सहालाक अग्याव्यकथा अगकल सर्वो धवधिकरुति मदूलाधकं ॥ ॥ वेसंयायउवाव ॥ राजाकुन्दु लाकननिंदा
यादाददाव रुधिवि नस्यं धालं समस्तं निंदायाय लायव हान पूर्वसं कल्प रंगमयाने ये लायगुरु लाधकं इधिवि न
स्यं धमवयिवहालपाव वागस्यं झाया लमादाव स्वच्छिया दूखसहनय धकं राजकुनि इथिं गवाजाशयावगर्थ
लीहायधकं ॥ ॥ गकुनि अवाव ॥ समस्तं नार्क वनवास द्वादसवर्ष १२ अग्यातवासदच्छि गो १ अग्रापीछी यादावश

[illegible]

धनि सायधूनावनवद सायमखा अर्द्ध तील जायन यादार्थ वूयमरुता कृमक लयायिष्ठ यिता वनसभा कया यि
ष्ठुदायद जाजी यायिष्ठ मूर्खरुस्यं दायनिस्वर्यं वनयादावयाधुवया न विलं अनेकदूर खनकलं आववनवासस
वनिवदूर खया निमिर्हि नमायरुता थया ह लादायद जाजा यागं अग्नानि दायद जाजान यायिष्ठ यागं यूगी विलं
रूमयास्यं कृष्ण सात्रवर्म नगियाव वाद डार्थ ससं दायनि स्वर्यं मंत्रसं कृष्ण सात्रवर्म नगियाव का लंडावलसंथ
धिंद यागा विलं दायद जाजा या कसु सायाव ऊक सु धधिंद यायिष्ठ यनिसक क्त्वा ववियान महादूर खस नाधकं
जाजालाक अनदायनि कृष्ण सात्रवर्म नगिव धर्कं हादा वयाधुवय निदीन कृयावख अर्थानं लाकन कायाः
वसूखनयो ध्वकृष्णया करु कियादाव वाधकं दायनि कृ नयूषयनि मस्या चूहामल अर्थं मृगादियाइल
साकृत्सवधिइ का वाद अर्थं याधुवधधिंद दूर खिंद यया कं पूनवकाव मवथ यनि नयं सकवड धिंद कं थयः

२५१३ ना नाय न स र्नाय न म ॥ १ ॥

नि ४

निसक सुवाया दाव क्काय भव काव धर्क ॥ ॥ वेस म्याय न डवाच ॥ राना ज न थ थिं ट नि द्या वा क्क द्दाव क्क ॥ दि सी धा ॥
लं ला प्राय नि क्क य या क्क य नू ख काव धर्क थ रं ला वा द्दाव री म का ध ल्या व धर्क ॥ ॥ ४८ ग व न न ज सिं हा य ला धर्क धा या
व स म सु लार्क क व मा न प्र स ॥ ॥ री म डवाच ॥ ॥ री दू ४४ य पि ४ ४ ४ ४ स न च ४ ४ ल न म धा या व च न च न दा य नि हा न ॥
॥ क नि न क य ठ या दा व ड य रू ग म खा थ नि द्य व व न ड य नि हा दा म म स दि व का व ध व च न या च्चु भा व क व स च्चु न
स र्थि व ध व च न या य नि रु ल द का द डो व ना दि स म र्क ज म य नि च्चु य दा न री ॥ ॥ क य क ४ थ य नि च्चु य ध र्क ॥ ॥
वे स म्याय डवाच ॥ ॥ राना ज नू थ रं धा या व स म र्क क य सान म न रिया व वा द्दा सा या व दू ज ध ना दि न ला हा न थ रा य व क
ल धा या व हा म्भ या दा व धू सा स न न न य या दा व धर्क ॥ ॥ ४९ का ध नू या दा का व ध र्क लि व लि व वं दू ड द व ध रू या दा
व वं न ध र्क धा या व ॥ ॥ री म डवाच ॥ ॥ री य पि रु ४ ४ ४ स न क य ग न रु ल न रु द्दा व ड य नी प्पा स न दू र्क च्चु न र्क द

८१

अवकादत्र नाम मरुत्तस्य क्रिया गृहसंज्ञा गृहयावत्तस्य नृदयविदात्र न यावत्तस्य कयानमयावत्तस्य
वर्गुं नाजीनी नत्रक संज्ञानमात्तु नत्रावयायूयद्वं संग्रामसभावकाव आवनिन्दावा कयाद ४ स्वध्वल
ससाक्रिया यधक ॥ रुधिरिनादिक मर्थं वंदा हीमयो दोर्थं हाससा लावदूर्ध्वन वंदा थसा याव हीमका
धनं याव धारं हादूर्ध्वन नृनर् हाससा लाया कृतिगयादाया थन नृ कार्जर्थं नृ प्रपुर्ध्वकं अनज्ञायलाधः
कं अनज्ञायजाग्यजामरुव ज्ञायदंदा किमस्वदं वंदाव किमपि दास नृ किजायनिद कं मावकाव थसा कच
क्रदाव नृ लिथि मावकधकं थरन वादाव धारं रुधिरि नत्राव धारं रुहीम वाधकं वार्न हीमन थवरुस सलं खन
याव धारं हासहाला क दूर्ध्वनादिसत्तु १०० अनभावक नृ नन कर्मा मावकीव सहदवन स्कृती मावकीव
दूर्ध्वनया उवृत्तया दाव वामव नन मरुत्तस्यिना काव क लावद ४ खन क ४ सासनया न क दकाद अन

पानयादावधवससजनतालग्धतधयावसंखतालगावशूननस्यनधायधूनाधकधधहीमनधालंथनरव
 ददावशूननस्यधालंहीमसत्यनूषयाजाग्यमखूयतिग्यायादावधायमजिवजिमयिदासवलगावधायध
 लससावधकंहीशूननजिमयिदासशयिवधधर्दुर्जधनयाकर्षयाद४सासनगकुनिधनयानकयथास्यतानी
 वधकं॥॥शूननउवाच॥हीमसन्नुनधयाधर्कूनजिमयिदानधकधर्कूननमावकंशूननकऊपनीनिन्या
 यादासत्यसत्यनमावकधकंहीमसकुरुफियायनऊनधयाकर्षयाकनिष्ठहाह॥धनसन्प्रहानन
 ऊनमावकंहीममाहानठाकयूयावदुर्जधनयापथयादाववेवनाजायनीमनप्रहाननऊनमावकस्य
 शयायधकंजिमयीदासशुधिविष्वत्तनायकुरकिपुर्वयादावलिविलवससाधनमशवसिवीलमवसाधन
 शयेवधकंमादीपूषसहदवनउद्धवाकूयादावधालंहीयायिष्ठगकुनिगंधालनाजायाऊसकीहिमावकव

सप्तशुद्धलसा श्रवणं माचक पासुवनम मासं दृग्गुणयुक्तया दाव नकुलद कामाचक कुक्कासनं मस
यकं माचक ॥ ॥ नकुलउवाच ॥ राजा लोकदायति नृनकदुःखनकाया नृनक निन्दावाकं नृनकाया च
ददाव हर्षमानया ददायति सुखं नया ऊन समस्तं नृनकयुक्ताय रुधिरि नृनक आग्या कायाव निर्धनं धृते
नाष्टं याय धर्कं यतिग्याया दाव नृनकलत्वं लता ॥ ॥ वेसं याय उवाच ॥ राजा नृनक रुधिरि नृनक स्य नृनक मर्ते नृनक गिका
लया तं धृते नाष्टं याव नृनक माचक धर्कं ॥ दायति नृनक दुःखं सन ममाटालकं नृनक धर्कं दुःखं धनया उन रुग्रमश
नालं गम्य गमय ददा धर्कं नृनक सा रुद्रा नृनक यावत लं ॥ ॥ नृनक गम्य गमय नृनक सहाय च नृनक यवग ॥ ४४ ॥ रुः
धिरि नृनक उवाच ॥ रायिना मरुत मस्का नृनक यतिवन वासव नृनक आग्या विदु नृनक दुःखं धन सामद रुद्रा क्का नृनक यस्या
दिना जाग कृनि कर्ण विकर्ण नृनक सा रुद्रा मा विदु नृनक धृते नाष्टं दुःखं सन रुयि वृक्षं सन रुयि समस्त सहाय सन रुयि सन रुयि

विदुः न ऊय निवनवासवन ऊय निस्खाया दत्त सा कृ ग क ल स स्वा व सा ल व य ध र्क अ (धा व द न न द्वा या व स म स स्य
न ऊय म धा व म न न रु का क ल्या न रु य मा ल ध र्क रु ल या व आ गी र्वा द स म स स्य न वि लं ॥ ॥ विदुः उ वा च ॥ रुं रु धि धि
न ऊय नि वृ द्वा स कू स कू नी दुः ख म स रु ल यू थ रु कू स गा थि व ध र्क ऊ न मा रु (ध म न य या दा व न य रु य नि ग मा म
या क द या द न सा रु कि द न सा दुः ख म न क रु ल सा ऊ क ता (ध न ध र्क धा या व न व र्व ध र्क धा ना न कान ध र्क ऊ य नि रु
द या न वा ध ल यं वा दा ऊ य नि व न वा स व न उ प द स वि दू न ध र्क ॥ ॥ विदुः उ वा च ॥ रुं रु धि धि न ध नि ध क म म धा
रु ल न वू क रु य नि क स वा य म ठ व थ श्र य दा रु व ध र्क ध र्मा टा ल न म न व ध र्म म य रु क रु र्ज न या क रु द्वा व ल रु
म न व लि मा च की व न कू न न ध न रु र्ज न या यू ग रु द व म न्नी या य धी म्य न श्र य द न उ द्वा व यं यि व दा य नि न ध र्म ग्रं थ
द य कि व द्वा स रुं (ध र श्र न्या न्य या दा व रु ल्यं या दा व वा व नी न रु द म स य र्क वा जा ग्म ह्या सी र्थं वा न क वि रु या
दा व ग ल रु धि रुं १०० रुं रु धि रुं य नि ऊ य ल य म रु न रुं न ध र्व र्व रु हि म व न स म नू सा व धि म मि रु र्व र्व रु दा या

नसकठक रुगुर्गुगयनसूत्रामसवदृषयतिननीर्गुमसिनाजदधोमसंवाद्यतसकठकाहुरुविष्ठित्रपूर्व
 वंगयूत्रषवास्वद्विऊयलयमालकृपनिसवसूतंगुल्यमरुयमालधर्मसमसिनांकयासिर्नप्रषरुयमालग्रीनः
 नुयासिर्नतंवरुयमालदूर्जनमाचकसूत्रमंगुल्यरुयमालवसुवियसकृवलवगुल्यरुयमालवन्नूतसर्थंआयिव
 वृद्धिरुयमालवनुयार्थंनिर्मलपृथियार्थंकमासूर्जयार्थंनऊवायूयार्थंवगुलाकसदकावननधनाना
 यदासनामउच्चोन्नतकूगलयादवाधकंआपदाकासयादानकार्जयावकृतस्वसिक्तल्यानरुयमालसंपदरुल
 दावलिथंआपदामरुयमालकूगलनववऊनसायसूनानैकृपनिसमजीवधकंमधावा॥वेसंयायउवावा॥हानाऊ
 न्दहीष्मदाननमस्कासयादाववाढ॥॥इतिश्रीमहाहानतसहायवर्जितनयवग॥५५॥वेसंयायउवावा॥॥
 हानाऊनुविदूत्रसआगिखाददावशुधिविनादिवाढर्कनिसकृन्नूलाकायावर्वदानमस्कात्रयायऊम्य

शकासक नमस्कात्रयादाव वादाव पाधुव यात्रकयूत्रिसद्यन (भाकन कलात् (धोम्यटा आदिन द्वासर्क ॥ व
दभायाव समस्तु कं हाहाकासन (भाकरु लं ॥ ॥ कनिउवाच ॥ हादायति धर्म्म मरुदू ४ ख च्चन हासय मः
नव श्रीयाधर्म्मया मर्जा ता च्चन मव च्च कलयजा म्माल च्चन समस्तु सला च्च कालया च्चन विरु कूलं मगुल कूलं तत्र
नयैलं च्चन युगि व गा धर्म्मया निमिहिन च्चन काधायिन मय हल यू च्चन धाय मवियान धृत नाक्षया यूगादि ममालं
आवया च्च जया मजन वनि च्च सिद्धि रुय माल च्चन श्रीगी कालया दागुलितु मानं माल मरुमान मगव श्रीया २०
स्वामियादू ४ ख न दू ४ ख स्वामिया सुखन सुखं हासय संकल्पया काठधयाव स्वामी याकरु कियाव धर्म्म यात सात्रत्य
कालं मंगल कल्यान रुयिवा ॥ रुधिरि नादिये च्च ५ सरुदव गुल्यया यमाल सरुदव पूगुन वर्थ युगिया लया य
माल दू ४ ख न क मटव हाऊन सयूगव वर्थ सयन संय नीर्थ सहसगु नूव वर्थ धथेयाव धर्म्म कालयाव च्च याव व
द सुमृ गृहादि आदन ऊल आग्रव रुधिरि नादि कृष्ण साजन गियाव यगुगुल्यन अधेवदन यादवा द कनि स्य

रुधिरिनादि श्रुतं कृत्याव साकारं कृत्यपनिवनवासकाया जनदायकं कृत्यपनिसयिता पादु बाजा न गर्वन समा लदा
स्यं कृत्यपनिनाजा मशयिवला धर्कं क्षयाव कृत्यपनिधिहया थिमरु लसा वनवा सवान मासिवला कृत्यपनिसयिता
पादु मादि हायवक कृत्यनधा लसा कृत्यपनिवनवा सर्वं सा यमू मालकं हागी याद स्वर्ग प्राफ रु ला रु महा या पिय रु व
न था थि द द ४ ख न स्यं भा क या दा व कृत्यपनिधिं द यू गु व न वा स व न मा लं ता द सा य मालं अन क द ४ ख या दा न उ पा य
न द व मा वा कृत्यपनि कृत्यपनि जन ग थ ता ल ना व कृत्यपदा य ति न वा द म र्य न भा वि धा ना स्यं थ थि ग्व कृत्य व ल स ४ रु
ल या व दी ध जी विया द न या थार्थिं दा ल् गिय म दू ला रु पा पिया दानिका वा सी कृ पू व ल रु दु गा हि गा हि ध र्कं द ४ ख
सा ग न स य द ल पू र्कं कृत्यपनि न रु न य दू न गा हि गा हि ध र्कं कृ का य प नि स ल्य व कृ पा क मि त रु व न व ल व न थ
थि ग्व प नि स ग थ दू ४ ख रु लं वि धा ना व ल व न कृत्य पा य हा हा क रु नी ति कृ ग ल सर्व भा मु कृ ग ल कृ दा न रु य प्र य

[illegible]

कून ॥ ॥ विदुः उवाच ॥ शिष्योऽनन्यमुखा लपूयावर्तनं हीमनधववाकूनगुलिङ्गयाकावर्तनं शून
नरिग्वलनहालावर्तनं सहदवनधववाविलसयावर्तनं नकुलनधूननवूयावरायकावर्तनं दिशुति
नक्रुदाथं दायतिनधवकमनक्रुथूगयावकवकावनादनयाकावर्तनं ॥ श्रीमनक्रुगुरु सुहृदीनवामह
सुहृद्भूमिं मृतकसंस्कारयाद्यदयालयावर्तनं धृढदोवमहाविखादिशयाव ॥ ४८ ॥ गजाष्टउवाच ॥ शिविदु
नानाविधाननसफपुकाजनक्रुसर्ग ॥ वर्तनं कूयानिमिरिन सुप्रकाजन ॥ ५० ॥ कनलाधर्ककूनधर्क
॥ ॥ विदुः उवाच ॥ शिष्योऽनन्यमुखा लपूयावर्तनं हीमनधववाकूनगुलिङ्गयाकावर्तनं शून
कायावर्तनवासुक्तं स्यनधर्मवल्लयावक्रुनयुगदकं पूगवर्तनं दयावासां वीदश्रावधदू४ खनपीदल
यावक्रुधनशालदावदुर्गाधनादि हस्मरुहिन स्वालपूयावर्तनं हीमवर्तनं उद्धवाकूयाकावर्तनं वाकूननक्रुव

समपृथा समद्वयवाक्यनगमावकावसमस्तसाधलयधर्कं अरुननरि पाख्मागद्विधावहालाववादाया
 वं ध्वरि पाख्मावदं (थं) अवलावसिव संख्यायायमजिव ध्वतनगत्रविषीयायसुखा कंधर्कं सहदववायावस्वविल
 खात्सतालगात्सवंदं ऊखात्सुनानं सयमरुतं अग्यागवास्सुनानं मसयकधर्कं नकूलपागुलिफदहनव
 द्वादायनियागमममावकागोत्सुमीनं मसवलयधर्कं वक्तृकृष्टवृत्तधर्कं द्वापतित्रकात्रकावकवस्तुमूक
 कमीकमनखात्संपूयाववर्नं दूजोधनादिस्थं दूखनकायावतुर्दसवर्षप्रवसध्वयनिभावकावपूनादिभावका २
 वधवधवसुमीधपूसमिधसपूढावत्सहोतकठकावध्वयनिसुमीसमस्तं ऊरुवर्धं ध्वयनिसुमीसमस्तं ध
 ध्वयिवधर्कं धोम्यसं वाक्यदद्युप्रमानकसजादावक्रमसामवदयात्पाववाढ्कानधालसादूजोधनादिभात्
 दास्यं संस्कात्राहितनयावकधर्कं वाढ्ध्वतमरुयमदूशयिवनिध्वयननगत्रयालाकसमस्तं महाभा

क हा हा का न ग द न हा हा सा मि हा ना थ रु य नि सु ना न वि वा ल या यि व ध कं अ न क वि ला य ण क रु धि षि ना दि स्यं थ
आ का ल क दा व न ग न या ला क सं वा ध या दा व ना थ लं रु धि षि ना दि न ग न वा च स थं न दा स्यं वि ना व र्ष न वि च र
रु मि कं य अ य व र्ष स ग्र ह न न जा नं उ ल क पा त द कि ण व र्ण न न ग न व र्ष या दा न प र्व त र ग र क या द ग र्ध ज मू क का
क द वा ल य स ग र्ध स उ ल क घ ट्य ना रु ग र्ध स ग र्ध रु धि षि ना दि स्यं न ग न च्छि त्व ल त न दा स्यं थ न रु ल त्वा च का
नि मि ल्ति न रु न त र्वा ग ना स दू र्जा ध ना दि ना ग रु यि व ॥ ॥ वे र्सा य उ वा च ॥ हा रु न म रु य धृ त ना ष्टा दि या स रु स
ना न द स सि वि ष्णु क अ न क म षि ला क न स हि त या दा व ॥ ना न द उ वा च ॥ हा को न वा च तु र्द स व र्ष व र्द व ल स गः
को न वा दि मा यि व ध कं दू र्जा ध न या अ य ना ध न ही मा रु न न मा च कि व ध कं धा या व अ न धा न रु लं ॥ ॥ वे र्सा य
उ वा च ॥ हा ना रु न दू र्जा ध न क र्ण दू र्हा स न ग रु नि सो व न च्छा ना या दा व दा न पू जा या व थ ना च च्छ ल पा ल स र्वा

॥दानउवाच॥ ॥शदूर्ध्वनादि नूनजनाश्च निवद नयादाव पाधुव वत्वावक न नूनश्च नयान नस्य वादान
लात्वायकूटलमदूनद नयादव पासादिसक पाधुवश्च वधक दवयापूगुतापनिमात्रकाव नूपनिमा
जायायमरु या नून नय धालसा नूपनिमस्य सनन गतधक ऊक धावका ऊजीवमा ससूरु याश्च नून लयऊन
नाश्च वियधक धायमरु या देवन नूप यायिव दूत सगु कनिन कपठ यादाव रुलनरू दाव पाधु वंवन वा सवन
वनवास सव नून वर्य वन यादाव काध रुकाध न सपाव वादाव द्वादश वर्य १२ वनवास नून वर्य अग्नानवास १३
धनऊन नून सूर्य नय वगुर्दश वर्य नून नय मरु या नूपनिन क नय ऊ समर्थ दव नूनान ऊ हयन ग्या दादाय
दनाजा व ऊ व सखिवा लक स सखीहा लपाव द्वादनाजा याक हान दास्य अयमान याद ह ना अरून नश्च दाः
पदनाजा ऊ य सपाव अर्ध नाश्च विना उरु न पांवा लरुका द्वादनाजा काध न पाव दानऊय लय रू व पूगुदय

कथं कं जाऊउपजाऊऊग्ययावकावअग्निकुलुनपूजजातधृष्टसुउपजाऊनयाअग्निकुलुनद्रायतिजातः
अग्निगिखायायनधनूखऊकववतानदवनंदाववधसमर्थरुयमालंधकंआगिखाविलंथयालाहाधनमभाचक
लसाऊनलकलयरुयाकूपनिद्रायदजाजायाधुवयाऊनाथसंखाऊदवसमस्तुनैकाकडावमाचकनधृष्ट
मजातशवधकंयगुद्धसवर्ष१५समहाशयिवृकनसमस्तुमायितकननिमिहिनसमस्तुमायितलाकधवधाय
हालकनमूदुहमागुसुखरुजावृककायासवानथरुलाआवयामहामहाऊरूयावगमलाताउकनयगीका
लकविदूजनधयाथयावद्रायगिसुहाहमुनैकयनिमजधरुलाधकंऊनहालयाद्रायगिदू४खनकायायाधुवन
गथासहलययिवद्रायगिदेवनगृष्टियादाउजीवधंद्रायगिवनवासवानैकनधालेसाद्रायगिनदू४खसंयितथ
दू४खलमादावक्राधनपावधकसुहर्लकूपनिसंयादावयाधुवनैगेदनैवृष्टिवंगकूपनैकातिद्रायदजाजादि

पाण्डुवयासखायमद्रुमखूवनतनंमृत्पयानिमिरिहिनवनं बहुद्वगवर्षसथतसखाययादावशूनहीमजमगुल्य
थर्वयिवकुनयकनाजायनिगदासद्वहधनूगद्वहगुजयादाववानिवथगतकुनिर्वसपाण्डुववसवकवलिया
यमटवहासयाकुनदुनयादामजीवकुनजिवआदिमसतनाथगतकुसगुरुलंआयावशुद्वगवर्षसवाथयाव
पाण्डुवयागाजाकुविवकसहधयमटवधथयातसाकल्यानरुयिवा॥ वेसंयायउवाच॥ हाजाकुनूयोसतवन
दहावधुननाकुस्यधालंहाविद्वनूयानस्यंकायासहकुवादावर्षवपाण्डुवसिवादावहीनाकुआदिनवाथयाव
वियपाण्डुवमडालसासखाजनूयनथवानमान्ययादावकायशुनथपायकनानावापासिकलमिनानाहान
दिवमुथयनसानथिआदिनकाय॥ ॥धुननाकुयाद्विधमहासंतायशुयावविष्मसयादाववाढसायावसंजय
वाक्कलस्यधुननाकुलंवाधयार्ता॥ संजयउवाच॥ ॥ हाधुननाकुकुआनन्दकासगत्रककुननाकुशयावपाण्डुव

वनवासर्वन्थार्थिदाल्लुनविषादिसाककृयधर्कध्वददाव॥ ॥धृगनायउवाच॥हासंजययाधुवमा
हावलिष्ठवनवासनलिहावलदावसमसुपृथांकायिवजयूगादिमाचकीवध्वननसाकधर्क॥ ॥
संजयउवाच॥ ॥हाधृगनायकृनिभयसाकमषूकपटजोकथथज्जकहाल्लयलसाकृनकृयकृल्ल
वकाधर्कध्वनयमाधकृनयादोनहीमस्यंदागस्यंविदूतस्यंमदार्णमठस्यंकृनकृल्लवाचकलंथया
हल्लकृनस्ययूयाधुवयाधनकायायासहल्लयिवलांदायनिसंहासहयायाथसंहल्लयमदूकृवदूजधिन
यावदासनधर्कहासंजयकृनमिथ्यानादनधर्ककृनधायमठवत्रायदाकालसद्वननंवृद्धिमोचकीवया
यवृद्धियायूवत्रंगत्रमजाताकर्मसधावलपीवनासवल्लसुनागीनंनानावमुहादार्थकालनजवृद्धिवियनि
नयाताजकाययनिमायिवयाहृगुजनिमिहिनंदायनिसंहासंतायज्जकृवाधयादावजकाययनिमाचक

संचानक्षत्रास्तथाप्यनूययतिस्महिमामदहिनमभावकलं आयगिया नृयियसूनंमद्दुर्ज्ञधनया
 श्रीआदिर्नथवथवसयूययार्गसनायवियावयाधुवयार्गयुगज्ञायाववाकनयनिसकलंदग्निह
 गुयार्गमउयायिहयाहेगेवादावकायधर्कं आयगिमहादुखनकवधर्कं जनायसुअमिथ्माअनक
 वज्रयातविदुत्त्यातअयव्वयसुथदकायाहसनयूयसमसुंमायिवविधवाअनकदयूयनाकाय
 गेनामिहसिदकयतननानाउत्यानदुर्ज्ञधनयाअग्निहवसुगगसनादनथमदददावचगुर्दिगसीग
 दहनादनथगतनऊयूगादिमायूहीषायागकूपवाज्ञाकसामदरुथसकलंनगत्रयिहवनदास्य
 अनवाधनयावहयाशुधिष्ठिनादिअदासयादधनूकववादिवियावथथंगुतिथगकंवानी॥विदुन्नन
 धालंयाधुवयंवन्नुंआयगिमवीदुर्ज्ञधनादिदेसधर्कंथददावमहासंवाथर्गनशलत्वादावशलन

२५

आशावाचस्पति

५६२

ल२